RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2016
Despatch Date - 02 March, 2016

अंक - 9 (मासिक) वर्ष - 11 मार्च, 2016 मूल्य 30/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

सिंहस्थ 2016
22 अप्रैल से 21 मई

श्रद्धा का अमृतोत्सव

श्री महेश धाम

श्री महेश धाम बनेगा उज्जैन की पहचान

FREE REGISTRATION AT
www.srimaheshwarimelapak.com

श्री माहेश्वरी मेलापक

सिंहस्थ
कुंभ महापर्व 2016
विक्रम संवत् 2073

आस्था एवं अध्यात्म का अद्भुत उत्सव

प्रिय श्रद्धालुगण,

यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे मध्यप्रदेश के साढ़े सात करोड़ नागरिकों की ओर से आपको सिंहस्थ 2016 के पावन अवसर पर आमंत्रित करने का अवसर मिला है। श्रद्धा एवं विश्वास का यह महापर्व पावन नगरी उज्जैन में 22 अप्रैल से 21 मई 2016 तक आयोजित होगा। सिंहस्थ जीवन का वह एकमात्र अवसर है जहाँ स्वयंभू महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन, मोक्षदायी पुण्य सलिला क्षिप्रा में स्नान तथा आनंददायी आध्यात्मिक संगम सब कुछ एक साथ संभव हो पाता है।

सिंहस्थ में अनेक देशों तथा पूरे भारत से श्रद्धालु आते हैं। क्षिप्रा के अमृत से साक्षात्कार आपके लिए एक अविस्मरणीय अनुभव होगा।

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

सिंहस्थ

कुंभ महापर्व उज्जैन

22 अप्रैल - 21 मई, 2016

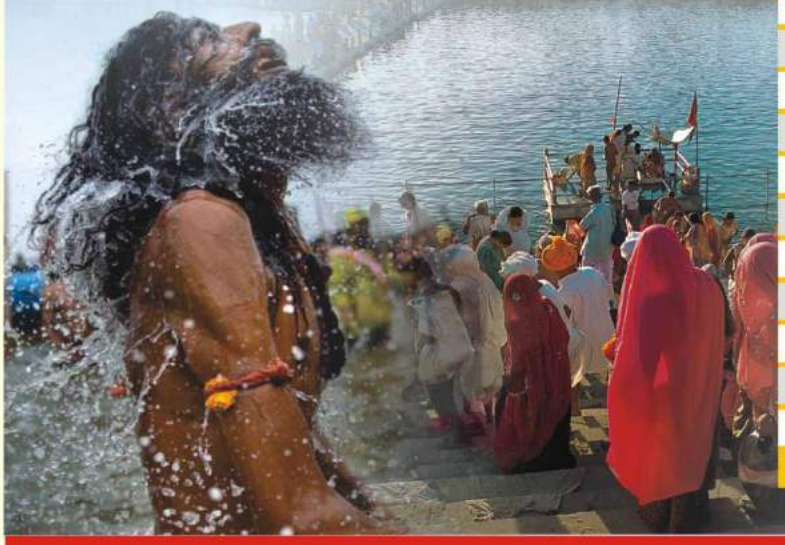

स्नान पर्व

1.	सिंहस्थ प्रथम पर्व स्नान	- 22 अप्रैल, 2016
2.	पंचशनि यात्रा	- 1 से 6 मई, 2016
3.	वरुथिनी एकादशी	- 3 मई, 2016
4.	पर्व स्नान	- 6 मई, 2016
5.	अक्षय तृतीया	- 9 मई, 2016
6.	शंकराचार्य जयंती	- 11 मई, 2016
7.	वृषभ संक्रांति	- 15 मई, 2016
8.	मोहिनी एकादशी	- 17 मई, 2016
9.	प्रदोष पर्व	- 19 मई, 2016
10.	नृसिंह जयंती पर्व	- 20 मई, 2016
11.	शाही स्नान	- 21 मई, 2016

पवित्र पंचक्रोशी यात्रा एक से 6 मई 2016 तक होगी।

म.प्र. माध्यम/77822/2015

79701/2016

क्षिप्रा के तट पर अमृत का मेला

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट देखें : www.simhasthujjain.in www.mp-tourism.com/simhastha-kumbh

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-9 ▸▸ मार्च, 2016 ▸▸ वर्ष-11

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

♦

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

♦

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

♦

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)

♦

अतिथि सम्पादक
आनन्द बांगड़ (उज्जैन)

♦

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा)
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

♦

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

♦

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

♦

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

प्रेरक प्रसंग

कुछ भी करा सकती है गरज...

दरबार में एक दिन बीरबल उपस्थित नहीं था, इसलिए कई दरबारी बीरबल की बुराइयां करने लग गये। उनमें से चार दरबारी जो बीरबल के खिलाफ कुछ अधिक ही जहर उगल रहे थे, उनसे बादशाह अकबर ने एक सवाल पूछा इस संसार में सबसे बड़ी चीज क्या है?

उन चारों की बोलती बंद हो गई, तब अकबर ने उन्हें सीधा करने के उद्देश्य से फिर कहा तुम चारों तो बहुत समझदार हो, जल्दी बताओ वरना चारों को फांसी की सजा दे दूंगा।

फांसी की बात सुनकर उनके चेहरों पर हवाइयां उड़ने लग गई। उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था कि क्या जवाब दें, कोई खुदा को सबसे बड़ा बताता तो एक ने बादशाह अकबर की सल्तनत को बड़ा बताया। बादशाह अकबर ने जब उन्हें पुनः डांटा तो वे चुप हो गए और सोचने लगे। कुछ सोचकर उनमें से एक ने बादशाह से जवाब के लिए कुछ दिन का समय मांगा। बादशाह अकबर ने उन्हें तीन दिन का समय दे दिया और कहा कि तीन दिन बाद भी उन्हें यदि उत्तर न मिला तो उनकी मौत निश्चित है।

अन्ततः उन चारों को उत्तर के लिए बीरबल की शरण में ही जाना पड़ा, बीरबल ने उन चारों से कहा मैं तुम्हें बादशाह के गुस्से से बचा लूंगा और उनके सवाल का जवाब दे दूंगा किंतु मेरी शर्त है।

हमें सारी शर्तें मंजूर हैं।

ठीक है, तुम चारों में से दो लोग मेरी चारपाई को कंधा दो और एक मेरा हुक्का पकड़े और दूसरा मेरे जूते, इस तरह बादशाह के दरबार तक ले जाया जाए। बीरबल ने कहा

उन चारों के सिर पर तो मौत मंडरा रही थी, अतः उन्होंने तुरन्त यह शर्त मान ली। बीरबल चारपाई पर बैठ गया, दो जनों ने उसकी चारपाई उठा ली, एक ने हुक्का पकड़ा और दूसरा उसके जूते लेकर चल दिया। इस तरह वे सभी दरबार में पहुंच गए।

बीरबल को इस तरह दरबार में आता देखकर बादशाह अकबर ने पूछा बीरबल यह क्या माजरा है।

जहांपनाह, मुझे लगता है आपको आपके सवाल का जवाब मिल गया होगा। इस संसार में सबसे बड़ी चीज जरूरत (गरज) जिसके लिए इंसान कुछ भी करने को तैयार हो जाता है, उदाहरण आपके सामने मौजूद है। बादशाह अकबर ने उन चारों की ओर देखा जो मुंह लटकाए खड़े थे। वे चारों भी यह समझ गए थे कि यही उनकी गुस्ताखी की सजा है, जो उन्हें बादशाह अकबर ने अलग ही अंदाज में दी।

निष्कर्ष- जब इंसान की गरज होती है, तो कितना ही अहंकारी हो, सहजता एवं विनम्रता सीख जाता है।

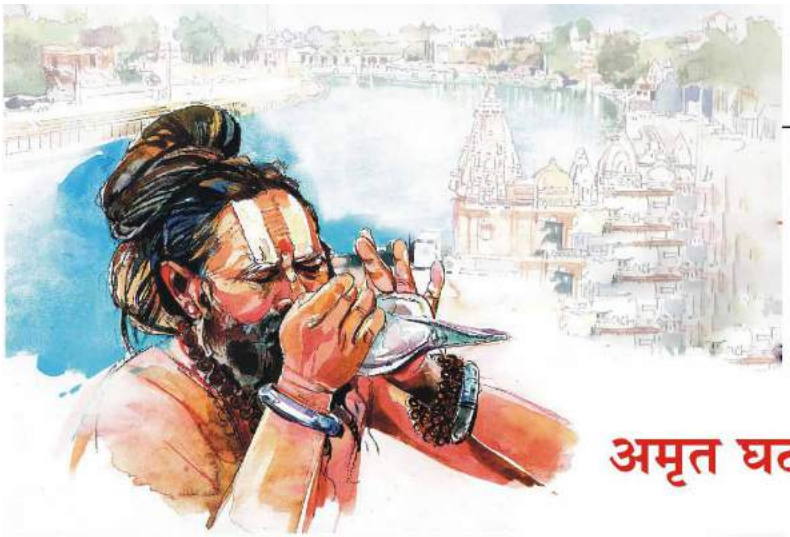

अमृत घट छलके

22 अप्रैल से 21 मई। उज्जैन में छलकेगी धर्म और संस्कृति के आह्लाद की बूँदें। अवसर होगा, सिंहस्थ 2016 का। लाखों साधु-संत और करोड़ों श्रद्धालु इस अमृत का रसपान करने मौजूद होंगे। 12 साल में आने वाले इस विराट पर्व के आयोजन के लिए महाकाल की नगरी सज-संवर कर तैयार है। राज्य सरकार ने 3000 करोड़ रुपए से इसकी रचना की है। 2400 करोड़ के स्थायी निर्माण और करीब 600 करोड़ मेले की अस्थायी व्यवस्थाओं पर खर्च करने का प्लान है। सिंहस्थ के लिए राज्य सरकार ने चार साल में शहर को बदल कर रख दिया है। जिन्होंने पिछले सिंहस्थ न सही पांच साल पहले भी यदि शहर को देखा होगा, तो वे अब इसे पहचान नहीं पाएंगे। संभवतः देश में यह पहला अवसर होगा, जब किसी शहर में एक साथ 13 पुलों (आरओबी सहित) का निर्माण किया गया और शहर के न केवल चारों तरफ बल्कि भीतरी सड़कों को भी समकक्ष फोरलेन में बदल डाला। 24 घंटें पीने के पानी की व्यवस्था, एलईडी लाईट्स से रोशन सड़कें और मेला क्षेत्र चौराहों पर सिंहस्थ के रंग और शहर की संस्कृति से परिलक्षित कराते दृश्य। हरियाली और साज-सज्जा के साथ स्वच्छता का बंदोबस्त तथा बेहतरीन सुविधाओं के साथ महाकालेश्वर और अन्य प्राचीन मंदिरों की रौनक उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अनुपम सौगात से कम नहीं होगी।

सिंहस्थ के बंदोबस्त को हाईटैक तरीके से नियोजित किया जा रहा है। आप सिंहस्थ एप (ऑफिशियल) डाऊनलोड कीजिए और सिंहस्थ यात्रा के बारे में उन सब सवालों के जवाब हासिल कर लीजिए जो आपके मन में उमड़ रहे हैं। इतना ही नहीं यह एप आपको हर समय सिंहस्थ की व्यवस्थाओं को लेकर अपडेट रखेगा, कहाँ पार्किंग खाली है, किस घाट पर ज्यादा भीड़ है, कहां आप ठहर सकते हैं, अपने पसंद के पांडाल में किस रास्ते से पहुंचें, कहां अस्पताल, खाना, एटीएम, बैंक, मेला कार्यालय है, मेप पर देख कर आप पहुंच सकते हैं। करीब 25 हजार पुलिस जवानों की सुरक्षा और करीब 20 हजार अन्य प्रशिक्षित कर्मचारी यात्रियों की सेवा के लिए तत्पर रहेंगे। मेला क्षेत्र में आते ही आप स्वतः बीमित हो जाएंगे। यदि कहीं कोई व्यवस्था आपको ठीक नहीं लगी, कोई शिकायत है, तो आप एप से या कॉल सेंटर को सूचना दे सकते हैं, अधिकतम 5 मिनिट में वहां स्टॉफ पहुंचेगा। जीपीएस पर आपकी लोकेशन हर समय रहेगी।

स्नान के लिए शिप्रा में ओजोनेशन से जीरो बैक्टेरिया जल, रहने के लिए 50 हैक्टेयर की टाऊनशिप, पीने के लिए ट्रिटेड चिल्ड वॉटर सहित और भी बहुत कुछ जो आपको इस मेले में सुख और आनंद-प्रदान करेगा। इसी कड़ी में श्री माहेश्वरी समाज उज्जैन ने भी यात्रियों के लिए महेश धाम की नींव रख दी है। यह भवन देश-विदेश से उज्जैन आने वाले समाजजनों के लिए स्थायी सौगात है। इस अंक में आप सभी को श्री माहेश्वरी टाईम्स सिंहस्थ में पधारने का आमंत्रण देकर प्रसन्न है और सिंहस्थ के दौरान स्वागत के लिए तत्पर भी। इस आग्रह को अवश्य स्वीकारें।

इस अंक में हमेशा की तरह आपकी रुचि के अनुरूप पठनीय और ज्ञानवर्धक सामग्री सहेजने का प्रयास किया है। सभी स्थी स्तंभों के साथ सिंहस्थ की विशेष सामग्री भी है। अंक के बारे में अपनी प्रतिक्रिया से हमें अवगत कराना न भूलें।

पुष्कर बाहेती

सिंहस्थ महाकुंभ का अवश्य लें पुण्य लाभ

उज्जैन के 53 वर्षीय श्री आनंद बांगड़ न सिर्फ उज्जैन बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अत्यंत उज्ज्वल छवि रखने वाले ऊर्जावान युवा उद्योगपति हैं। आपने 21 वर्ष पूर्व उज्जैन में एक छोटे से पेकेजिंग उद्योग से उद्योग जगत में कदम रखा और वर्तमान में ''बांगड़ उद्योग समूह'' के रूप में अपने उद्योग का पीथमपुर, गोवा आदि कई स्थानों पर विस्तार कर चुके हैं। आपकी आगामी योजना चीन व यू.एस.ए. के उद्योग जगत में कदम रखने की भी है। उनके उद्योग ''श्रीजी पोलिमर्स (इं) लि.'' के उत्पाद विश्वभर में लोकप्रिय हैं। आप उद्योग जगत में अपने योगदानों को लेकर राष्ट्रपति से ''स्पेशल रिकोग्नेशन अवार्ड, राज्य स्तर पर 'बेस्ट इंटरप्रेन्योर तथा मिलियन्स डॉलर राउंड टेबल द्वारा ''लाईफ एंड क्वालिफाईंग मेम्बर'' के सम्मान से सम्मानित हो चुके हैं। आप एफ.सी.सी.आई. म.प्र. के उपाध्यक्ष, ए.आई.एम.ए. म.प्र. चेप्टर तथा उज्जैन मेनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं उज्जैन प्लास्टिक प्रोसेसर एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष हैं। उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज व महाराजा कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज को सलाहकार तथा कॉटन मर्चेंट्स एज्युकेशन चेरिटेबल सेंट्रल इंडिया, सव्य सांची लोक शिक्षण संस्थान, कालिदास मांटेसरी स्कूल व शिप्रांजलि न्यास उज्जैन के संचालक एवं लायंस क्लब उज्जैन व ईएसआईसी हॉस्पिटल डिवलपमेंट कमेटी उज्जैन आदि को सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण सेवा दे रहे हैं। माहेश्वरी समाज की गतिविधियों में भी तन-मन-धन से सक्रिय हैं।

पुराणो में भी भगवान महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन का विशेष महत्व दर्शाया गया है। इनके अनुसार वैदिक काल मे अमृत कुंभ के लिये देवअसुर संग्राम हुआ था। यह पूरे बारह दिनों तक चला। इन बारह दिनो मे चार बार इस कुंभ में से अमृत की बूंदें देश के विभिन्न चार स्थानो पर गिरी, ये स्थान ही महाकुंभ के आयोजन स्थल बन गये। इनमे से ही एक है, पुराणों मे उल्लेखित अवंतिका और वर्तमान उज्जैन शहर। यहाँ परम्परानुसार 12 वर्षो मे एक बार सिंहस्थ महाकुंभ का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम मे आगामी 22 अप्रैल से 21 मई तक सिंहस्थ महाकुंभ का भव्य आयोजन होने जा रहा है। इस महाकुंभ अवधि मे पुण्य सलिला क्षिप्रा मे स्नान का अर्थ होगा, अमृत जल मे स्नान। वास्तव में यह वर्तमान दौर मे भी सत्य ही होगा, क्योकि इस महाकुंभ मे मिलेगा, देश-विदेश से यहाँ पधारे 3 लाख से अधिक साधु-संत का पावन सान्निध्य। इन सभी की उपस्थिति से बहेगी, सत्संग की पावन सरिता।

इस भव्य महाआयोजन मे देश-विदेश से 6 करोड़ से भी अधिक श्रद्धालु शामिल होंगे। इसकी व्यवस्था में तमाम प्रशासनिक अमला व राज्य शासन जुटा हुआ है। करोड़ों ही नही बल्कि अरबों रूपये इसकी व्यवस्था में खर्च किये जा चुके हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा, स्वच्छता, उनके सुविधाजनक आवागमन और आवास आदि की ऐसी व्यापक व्यवस्था की गई हैं कि जिससे वे निश्चिंत होकर इस महाकुंभ का आनंद और पुण्य लाभ ले सकें। इस बार मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं के ठहरने के लिये हजारों की संख्या में सर्वसुविधायुक्त कॉटेज भी उपलब्ध रहेंगे, जिससे उन्हें ठहरने के लिये कोई परेशानी न उठानी पड़े। प्रयास यही होगा कि यह एक ऐसा सफल व गरिमामय भव्य आयोजन हो, जिस पर सम्पूर्ण प्रदेश भी गर्व कर सके। सम्पूर्ण शहर व सिंहस्थ मेला क्षेत्र श्रद्धालुओं के स्वागत के लिये सजधज कर तैयार हो चुका है।

माहेश्वरी समाज एक ऐसा समाज है, जो हर सेवा व धार्मिक गतिविधि में हमेशा अग्रणी ही रहता है। इस बार के इस सिंहस्थ महाकुंभ के आयोजन में भी समाजजन अधिक से अधिक संख्या में शामिल हों और इसका पुण्य लाभ लें यह मैं सभी से अपील करता हूँ। अपनी आदर्श सेवा की संस्कृति के अनुरूप इस सिंहस्थ महाकुंभ में शामिल होने के लिये यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं और माहेश्वरी समाजजनों की सेवा में स्थानीय माहेश्वरी समाज के साथ ही प्रदेश माहेश्वरी सभा भी तन-मन-धन से सेवा में जुटी रहेगी। इनके द्वारा समाजजनों के ठहरने, खाने-पीने आदि की सम्पूर्ण व्यवस्था उपलब्ध करवाई जाऐगी। इतना ही नहीं समाज आपकी हर परेशानी में एक मित्र की तरह मार्गदर्शक और सहयोगी की भूमिका भी निभाऐगा।

समाज की सेवा भावना का तो मैं सम्मान करता ही हूँ, लेकिन इसके साथ वर्तमान दौर की चुनौतियों पर चिंतन करना भी आवश्यक हो गया है। वर्तमान दौर में हमारी संख्या सतत रूप से घटने से हम अति अल्पसंख्यक होते जा रहे हैं, ऐसे में आवश्यकता सभी को एकजुट करने की है। यह दुःखद है कि ऐसी स्थितियों में भी हम विभिन्न धड़ों व समूहों आदि में बँटे हुऐ हैं। आवश्यकता इन सभी से उपर उठकर 'हम सब एक हैं' का शंखनाद करने की है,अन्यथा हमारा अपना अस्तीत्व ही लुप्त हो जाएगा। इसके साथ समाज में युवाओं को भी आगे लाना होगा। उन्हें सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय योगदान के लिये प्रेरित कर समाज की मुख्यधारा में लाएं। जब तक युवा समाज संगठन से सक्रिय रूप से संबद्ध नहीं होंगे, तब तक समाज में नया सवेरा नहीं होगा और हम समाज में फैलती कई विद्रुपताओं पर भी नियंत्रण नहीं कर पाएंगे।

अंत में अत्यंत प्रसन्नता के साथ जानकारी देना चाहता हूँ कि स्थानीय माहेश्वरी समाज ने '' श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट'' के बैनर तले उज्जैन के सिंहस्थ क्षेत्र अंकपात में ही भव्य माहेश्वरी भवन ''श्री महेशधाम'' के निर्माण का बीड़ा उठाया है। इसके लिये लगभग 4 बीघा भूमि क्रय कर वहाँ निर्माण का शिलान्यास भी कर दिया गया है। ट्रस्ट की योजना इस पर सिंहस्थ पश्चात 2 वर्ष के अंदर भव्य भवन का निर्माण करने की है। अतः मैं समस्त समाजजनों से अपील करता हूँ कि तीर्थ नगरी उज्जयिनी में तीर्थ यात्रियों की सेवा के लिये निर्मित होने वाले इस भवन के निर्माण में सहयोगी बनने का अवसर हाथ से जाने न दें। आपका सहयोग समाज के गौरव की ''श्री'' वृद्धि भी करेगा।

आनन्द बांगड़
अतिथि सम्पादक

श्री नौसल माताजी

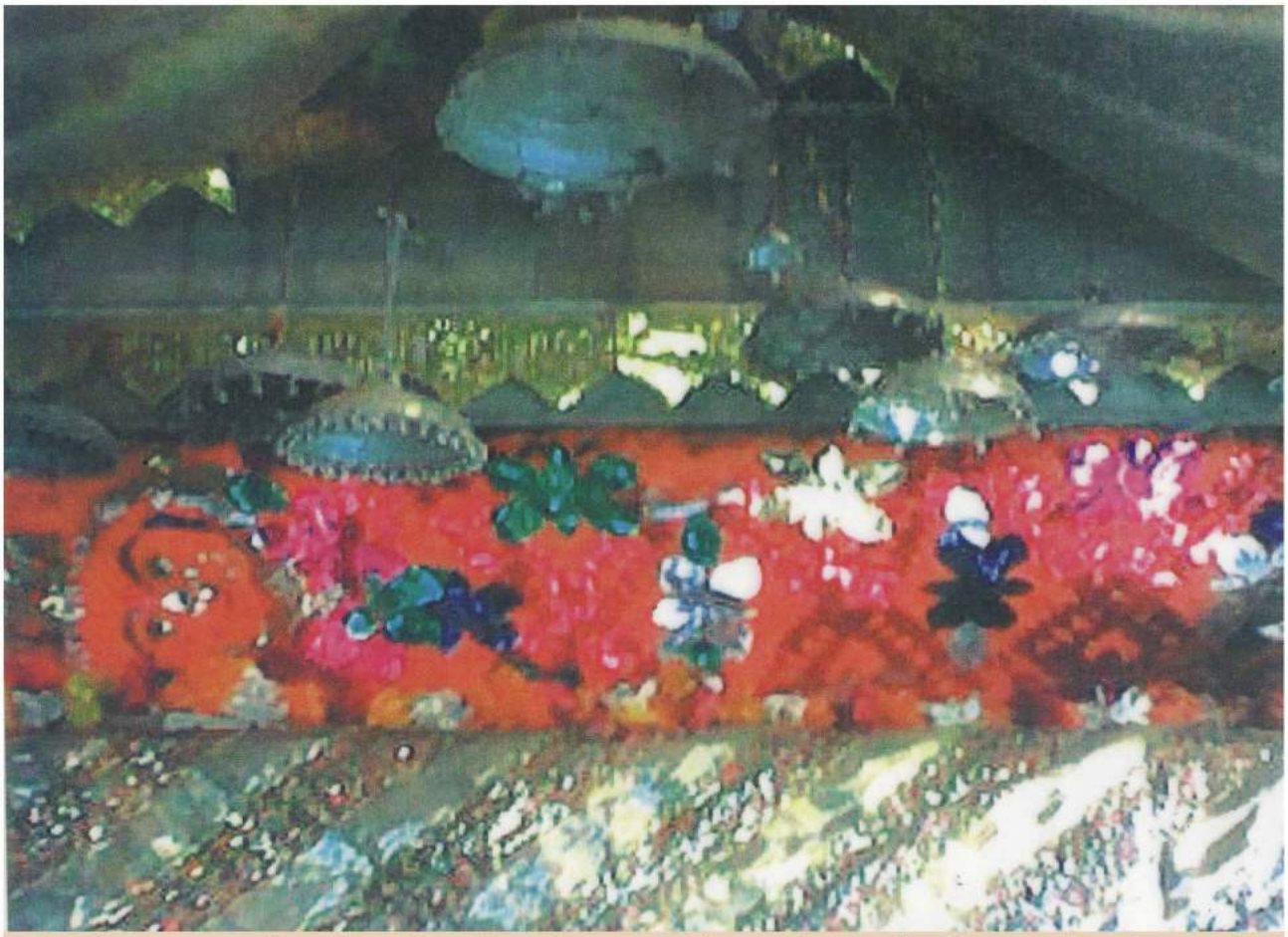

श्री नौसल माताजी माहेश्वरी जाति की सारड़ा, चितलांग्या, जैथलिया, फोफलिया और भाला खाँप की कुलदेवी हैं। स्थानीय स्तर पर नौसल माताजी आनंदी माता और चामुण्डा माता के नाम से भी जानी जाती हैं।

श्री नौसल माताजी का मंदिर राजस्थान के प्रसिद्ध शहर अजमेर से 75 कि.मी. दूर मदनगंज-किशनगंज के समीप नौसल कौठड़ी ग्राम में स्थित है। एक तालाब के किनारे सुरम्य माहौल में स्थित यह मंदिर पांडवकालीन 5000 वर्ष पुराना होकर पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। बताया जाता है कि यहाँ कुल 9 मंदिर थे। मुस्लिम आक्रमणकारियों ने माताजी की मूर्ति तोड़ दी थी। अतः वर्तमान मूर्ति बाद में प्रतिष्ठित की हुई लगती है। यहाँ की एक विशेषता और है कि इस मंदिर के समीप एक लेटा हुआ इमली का पेड़ है, जो आने वाले दर्शनार्थियों के लिये आकर्षण का केन्द्र होता है।

विशिष्ट आयोजन

यहाँ प्रत्येक माह में शुक्लपक्ष की षष्ठी तिथि को विशिष्ट आयोजन होते हैं। इस दिन अपनी मान-मनौती के लिये श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। मात्र 100 व्यक्तियों की छोटी-सी टोली इन सभी व्यवस्थाओं को संभालती है। यहाँ लोग अपनी परम्परानुसार माताजी को भोग लगाते हैं।

कहाँ ठहरें

यहाँ पर ठहरने के लिये कलकत्ता के भाला परिवार ने कुछ कमरे बनवाऐ हैं। ठहरने की व्यवस्था के लिये पंडाजी से आग्रह करना होता है। लॉज व ठहरने की अन्य उत्कृष्ट व्यवस्था मदनगंज-किशनगंज में हो जाती है। 'ए' क्लास आवास व्यवस्था के लिये अजमेर में अच्छे होटल हैं।

कैसे पहुँचें

ग्राम नौसल (कौठड़ी) अजमेर से सड़क मार्ग से 75 कि.मी. दूर रुपनगढ़-परबतसर मार्ग से कुछ अन्दर है। इसके लिये रूपनगढ़ से 15 कि.मी. की दूरी पर दायीं ओर कच्चा मार्ग नौसल कौठड़ी जाता है। अजमेर से भी एक सीधा कच्चा रास्ता है।

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें-

रामनिवास जैथलिया (मुम्बई)

मो. 098200-32630

भगवान श्री महाकालेश्वर की नगरी उज्जयिनी को सौगात

श्री महेश धाम

अंकपात क्षेत्र में माहेश्वरी समाज की शीर्ष हस्तियों ने किया शिलान्यास
4 बीघा के क्षेत्र में 4 मंजिला पूर्ण वातानुकूलित होगा भव्य निर्माण

उज्जैन। माहेश्वरी समाज अंकपात क्षेत्र में एक ऐसे भव्य भवन ''श्री महेश धाम'' का निर्माण करने जा रहा है, जिस पर सम्पूर्ण शहर भी गर्व करेगा। यह भवन उज्जैन में आने वाले तीर्थ यात्रियों को तो सुसंस्कृत परिवेश में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त आवास उपलब्ध करवाऐगा ही, साथ ही गरिमामय मांगलिक आयोजनों की सुविधा भी प्रदान करेगा। इसके निर्माण का गत 7 फरवरी को समाज की राष्ट्र स्तरीय हस्तियों के हाथों शिलान्यास हुआ।

''श्री महेश धाम'' का निर्माण स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा गठित संस्था ''श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट'' द्वारा देशभर के समाज के सहयोग से किया जा रहा है। ट्रस्ट अध्यक्ष जयप्रकाश राठी ने बताया कि श्री महेश धाम निर्माण का शिलान्यास समारोह गत 7 फरवरी को प्रातः 10 बजे नवल माहेश्वरी के संयोजन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति प्रख्यात समाजसेवी पद्मश्री बंशीलाल राठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अ.भा. माहेश्वरी महासभा के सभापति जोधराज लड्ढा ने की। सम्माननीय अतिथि अ.भा. माहेश्वरी महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा, उपसभापति रामगोपाल मूंदड़ा व पूर्व महामंत्री श्याम सोनी थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू, अ.भा. माहेश्वरी महासभा के संयुक्त मंत्री कमलकिशोर चांडक, माहेश्वरी बोर्ड चेयरमेन रामावतार जाजू आदि सहित देशभर से आये कई पदाधिकारी उपस्थित थे। समस्त ट्रस्ट पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया। स्वागत मंत्री गीता तोतला थी। इस अवसर पर ख्यात गायिका ज्योत्स्ना जाजू-नागपुर द्वारा महेश वंदना प्रस्तुत की गई।

अतिथियों ने कहा सभी का गौरव

मुख्य अतिथि पद्मश्री बंशीलाल राठी ने इस भवन के निर्माण को समाज का गौरव बताते हुए सम्पूर्ण समाज से इसमें सहयोगी बनने की अपील की। उन्होंने इसी दौरान कहा कि वर्ष 2000 में भी यहाँ भवन निर्मित होने वाला था, लेकिन बन नहीं पाया। परन्तु अब यह सपना अधूरा नहीं रहेगा। श्री राठी ने इस अवसर पर अपनी सहयोग राशि 41 लाख के साथ ही 10 कमरों के निर्माण में भी सहयोग दिलवाने का आश्वासन दिया।

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा ने इस प्रकल्प की प्रशंसा करते हुए विश्वास जताया कि शीघ्र ही यहाँ भवन निर्माण पूर्ण हो जायेगा, क्योंकि यह समाज देने में आतुर समाज है। अतः सामाजिक कार्य में धन की कमी तो हो ही नहीं सकती। हम अपनी ओर से भी हर सम्भव सहयोग करेंगे और करवाएँगे।

उपसभापति रामगोपाल मूंदड़ा ने कहा कि यह पूरे देश के समाज के लिए इतना उपयोगी भवन होगा, यदि देश के किसी भी क्षेत्र में सहयोग के लिए सम्पर्क करें तो कोई भी मना नहीं करेगा। मैं स्वयं भी इस प्रकल्प से तन-मन-धन से जुड़ा रहूँगा।

माहेश्वरी बोर्ड अध्यक्ष रामावतार जाजू ने कहा कि यह भवन समाज का गौरव होगा। इसके महत्त्व को देखते हुए ही मैं अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद अपने आपको यहाँ आने से रोक नहीं पाया।

विशिष्ट अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू ने कहा कि मंच पर श्री राठी, श्री लड्ढा, श्री भूतड़ा आदि जैसी हस्तियाँ बैठी हों, तो कोई संकल्प अधूरा नहीं रह सकता। उन्होंने समाजजनों से यह अपील भी की कि ऊँचे पद पर पहुँचकर भी समाज को न भूलें। मोदीजी ने देश के लिए भी कहा है कि कोई भी परिवर्तन केवल अच्छी सत्ता से ही नहीं आ सकता, बल्कि इसके लिए प्रत्येक समाज को भी अपना योगदान देना होगा।

पूर्व महामंत्री श्याम सोनी ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है आगामी 2 वर्ष में भवन बनकर तैयार हो ही जायेगा। उन्होंने कहा कि यदि समाज का हर वर्ग संकल्प ले ले, तो हर स्थान पर समाज के भवन निर्मित हो जायें।

महामंत्री कार्यालय के मंत्री कमलकिशोर चाण्डक ने कहा कि उज्जैन में माहेश्वरी भवन बने यह न सिर्फ उज्जैन बल्कि सभी का सपना है। सेवा सदन व महासभा की ओर से भी उचित सहयोग दिया जायेगा।

शिलान्यास कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अ.भा. माहेश्वरी महासभा के सभापति जोधराज लड्ढा ने इस प्रकल्प की प्रशंसा करते हुए इसके निर्माण का बीड़ा उठा रही टीम की प्रशंसा की। उन्होंने सभी से सहयोग की अपील करते हुए अपनी ओर से 1 लाख 1 हजार 1 रुपये का चैक भेंट किया।

इनका किया अभिनन्दन

स्व. श्री मदनलाल पलोड़ द्वारा द्वार-निर्माण के लिये घोषित 21 लाख रुपये की राशि में से 12.5 लाख रुपये की राशि प्राप्त हो चुकी है। अतः इसके लिये उनके सुपुत्र ओमप्रकाश पलोड़ का अभिनन्दन किया गया। वरिष्ठ समाजसेवी आनन्द बांगड़, महेश लड्ढा, सूरत के रामरतन भूतड़ा व गोपाल मूंगड़ ने संरक्षक ट्रस्टी बनने की सहमति प्रदान की। अतः इस अवसर पर उनका भी अतिथियों के हाथों अभिनन्दन किया गया। इस भवन के निर्माण में वैधानिक कार्यों में मील के पत्थर की तरह संयुक्त कलेक्टर व सिंहस्थ उपमेला अधिकारी श्री गोपाल डाड सहयोगी बने। अतः इन योगदानों के लिए ट्रस्ट की ओर से श्री डाड का मानद ट्रस्टी मनोनीत कर सम्मानित किया गया।

ये थे कार्यक्रम में उपस्थित

शिलान्यास कार्यक्रम में ट्रस्ट की ओर से अध्यक्ष जयप्रकाश राठी, उपाध्यक्ष अजय मूंदड़ा, सचिव कैलाश डागा, कोषाध्यक्ष नवल लखोटिया, संस्थापक ट्रस्टी पुष्कर बाहेती, पंकज केला, लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा, भूपेन्द्र भूतड़ा, स्वागत मंत्री अशोक भूतड़ा, समन्वयक आनन्द बांगड़, रामरतन लड्ढा सहित समस्त ट्रस्टी व दानदाता उपस्थित थे। इसके साथ ही वरिष्ठ समाजसेवी सुरेश डागा, पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा के

मानद मंत्री राजेन्द्र ईनानी, शैलेन्द्र राठी, अतिरिक्त कलेक्टर गोपाल डाड, माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत ट्रस्ट अध्यक्ष रामरतन लड्ढा, पूर्व प्राचार्य विनोद काबरा, माहेश्वरी समाज जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश तोतला, शाजापुर जिलाध्यक्ष सागरमल खटोड़, दिनेश भूतड़ा (इन्दौर), विक्रमादित्य नागरिक सहकारी बैंक उज्जैन के अध्यक्ष अशोक भूतड़ा सहित, माहेश्वरी मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष ओम काबरा एवं सचिव राजकुमार झँवर, ट्रस्ट अध्यक्ष कैलाश माहेश्वरी सहित उज्जैन जिले के माहेश्वरी समाज के विभिन्न संगठनों के कई पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन तराना के युवा समाजसेवी ललित सोमानी ने किया।

सभी ने मिलकर देखा सपना

वर्तमान में देश के लगभग सभी तीर्थ स्थलों पर माहेश्वरी समाज की किसी-न-किसी संस्था द्वारा निर्मित ऐसा सर्वसुविधायुक्त भवन अवश्य है, जहाँ अपनी संस्कृति के अनुसार बाहर से आऐ समाज के तीर्थयात्री ठहर सकें। देश की हृदयस्थली कहीं जाने वाली भगवान महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन भी देश के प्रमुख तीर्थों में शामिल है, फिर भी यह नगर समाज के किसी भी ऐसे भवन से वंचित है, जहाँ तीर्थयात्री गरिमामय ढंग से ठहर सकें। इस कमी के कारण समाज के तीर्थ यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। यह समस्या सिंहस्थ महापर्व के दौरान और भी विकट हो जाती है। इन तीर्थ यात्रियों को ठहरने के लिये उचित स्थल न मिलने से इधर-उधर भटकना पड़ता है। इसी समस्या को देखते हुए स्थानीय समाज लंबे समय से यहाँ समाज भवन निर्माण का सपना देख रहा था, लेकिन यह कैसे साकार हो, इसका उत्तर किसी के पास नहीं था।

उम्र की बाधा भी उत्साह के सामने पड़ी फीकी

पद्मश्री बंशीलाल राठी वयोवृद्धावस्था से गुजर रहे हैं। पूर्व में हुई बायपास सर्जरी के कारण कमजोरी रहती है। इस स्थिति में वे आवश्यक न हो तो कहीं जाते नहीं। लेकिन 'श्री महेश धाम' का सपना उनका भी सपना रहा है। अतः श्री राठी को इस शिलान्यास समारोह में आने से उम्र की बाधा भी रोक नहीं पाई। श्री राठी को उनके पुत्र नवल राठी व व पुत्रवधू स्वयं लेकर यहाँ आये, जबकि शिलान्यास दिवस को ही उनकी विवाह की वर्षगाँठ थी। अतः शिलान्यास अवसर पर ट्रस्ट पदाधिकारियों व अतिथियों द्वारा नवल राठी दम्पत्ति का अभिनन्दन कर उन्हें विवाह की वर्षगाँठ की शुभकामनाएँ भी दी गईं। राठी दम्पत्ति ने भी भवन निर्माण के इस पुनीत कार्य में तन-मन-धन से सहयोगी होने की इच्छा व्यक्त की।

ऐसे सपना बना संकल्प

वर्ष 2010 में समाज के 7 चिंतकों ने मिलकर इस भवन के निर्माण का संकल्प लिया था, जिनमें शामिल थे, श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत के तत्कालीन अध्यक्ष जयप्रकाश राठी, कैलाश डागा, नवल लखोटिया, अजय मूंदड़ा, श्री माहेश्वरी टाईम्स के सम्पादक पुष्कर बाहेती, पंकज केला, लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा।

इसके ठीक पश्चात् भूपेन्द्र भूतड़ा एवं ओ.पी. तोतला भी इस कारवां में शामिल हो गये। इन्होंने इस असम्भव से दिखाई देने वाले स्वप्न को साकार करने के लिये चिंतन प्रारंभ किया। इसमें श्री माहेश्वरी टाईम्स के प्रेरणास्त्रोत स्व. श्री मदनलाल पलोड़, स्व. श्री बंशीलाल बाहेती, वरिष्ठ समाजसेवी स्व. श्री लक्ष्मीनारायण भूतड़ा, स्व. श्री हीरालाल लोया, स्व. श्री आनन्दीलाल भूतड़ा तथा स्व. श्री घनश्याम मंत्री बने प्रेरणा स्त्रोत, फिर समाजजन जुड़ते ही चले गये और कारवां बढ़ता ही चला गया।

ऐसे आगे बढ़े कदम

"श्री महेश धाम" के निर्माण की सूत्रधार संस्था "श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट" के अध्यक्ष जयप्रकाश राठी ने बताया कि उज्जैन देश के अत्यंत पावन तीर्थ स्थलों में से है। अतः समाज का लंबे समय से सपना था कि यहां एक भव्य व सर्वसुविधायुक्त "श्री महेश धाम" का निर्माण हो, जिससे यहाँ आने वाले तीर्थयात्रियों को समाज की गरिमा के अनुरूप आवास की सुविधा प्राप्त हो सके। इसी उद्देश्य को मूर्त रूप देने के लिए अंकपात क्षेत्र में अंकपात द्वार से आगे लगभग 4 बीघा भूमि क्रय की गई। इसके पश्चात समस्त वैधानिक औपचारिकताएं पूर्ण की गई। अब इस भूमि पर समाज के प्रबुद्ध दानदाताओं के सहयोग से भव्य व सर्वसुविधायुक्त भवन का निर्माण किया जाऐगा। लक्ष्य यही है कि न सिर्फ समाज बल्कि सम्पूर्ण प्रदेश में यह अपनी तरह का सबसे भव्य सामुदायिक भवन हो। हमें विश्वास है कि यह भवन देशभर से यहां तीर्थ-दर्शन का लाभ लेने आने वाले समाजजनों के लिये गर्व का विषय होगा।

अंकपात क्षेत्र ही क्यों?

इस भवन के निर्माण के लिये अंकपात क्षेत्र में ही 4 बीघा भूमि खरीदी गई। इसी क्षेत्र में भवन निर्माण की योजना बनाने के पीछे इस क्षेत्र का विशेष धार्मिक महत्व होना है। यह वही क्षेत्र है, जहां द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण गुरु सांदीपनि के आश्रम में निवास करते हुए विद्याध्ययन करते थे। इस क्षेत्र की मिट्टी में भगवान श्रीकृष्ण की पवित्र चरणरज भी शामिल है। यहां विद्याध्ययन के दौरान वे सुदामा सहित अपने सखाओं के साथ सम्पूर्ण क्षेत्र में विचरण करते थे। उनकी बाल क्रीड़ाओं का यह क्षेत्र साक्षी रहा है। इतना ही नहीं वर्तमान में देखा जाऐ तो यह वही क्षेत्र है, जिसमें सिंहस्थ महाकुंभ लगता है और इसमें कई प्रख्यात साधु-संत ठहरते हैं। इसी क्षेत्र में मंगलनाथ मंदिर भी स्थित है और उसके समीप ही मोक्षधाम कहा जाने वाला सिद्धवट मंदिर तथा सुप्रसिद्ध महाप्रभुजी की बैठक भी है। अतः यहां ठहरने वाले यात्रियों को सभी धार्मिक स्थलों के दर्शन सुलभ होंगे। यह भवन रेलवे स्टेशन व बस स्टेण्ड से मात्र 3 कि.मी. की दूरी पर ही रहेगा।

एक सम्बल ने बढ़ाए कदम

इसी दौरान स्थानीय समाज के महेश नवमी उत्सव में अ.भा. माहेश्वरी महासभा के तत्कालीन उपसभापति रामनिवास राठी (अहमदाबाद) उज्जैन आए। श्री महेश धाम के स्वप्नकारों ने इसके निर्माण के लिए भूमि की चर्चा की और उन्हें अंकपात क्षेत्र में भूमि दिखाई। इसमें आने वाली समस्या भी बताई कि इस भूमि की लागत अत्यधिक है। श्री राठी ने भी इस भूमि का अवलोकन किया और इसके

ऐसा भव्य रहेगा 'श्री महेश धाम'

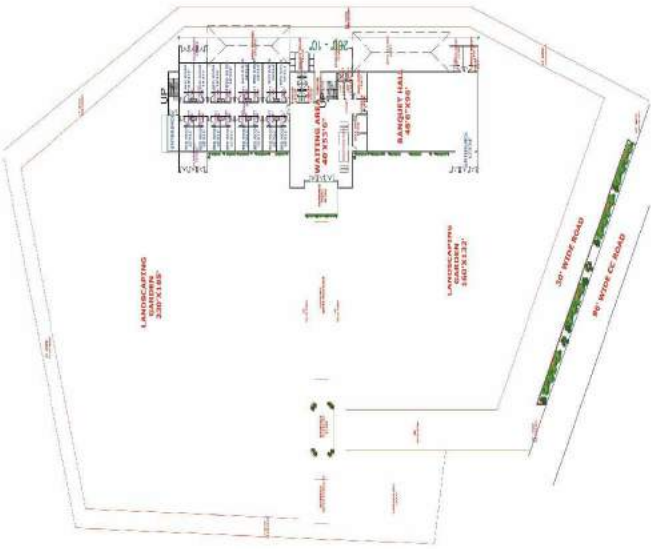

ट्रस्ट द्वारा तैयार की गई योजना के अनुसार इसके भव्य स्वरूप में आधुनिक एवं सर्व सुविधाओं से सुसज्जित स्वरूप में निर्माण करने का संकल्प लिया गया है। इसमें 90 हजार स्क्वेयर फीट क्षेत्र में ग्राउण्ड फ्लोर सहित 4 मंजिला भवन निर्मित होगा। इसमें भव्य पूर्णतः वातानुकूलित 2 सभागार, 5 अत्याधुनिक हॉल व दो आधुनिक विशाल गार्डन के साथ सर्वसुविधायुक्त 200 कमरे निर्मित होंगे, इसमें सुईट रूम भी शामिल रहेंगे। सामूहिक आवास के लिए 4 डोरमेट्री की भी व्यवस्था रहेगी। ग्राउण्ड फ्लोर पर सर्वसुविधायुक्त किचन व सभी मंजिलों पर पृथक-पृथक पेन्ट्री होंगी। भवन में 2 लिफ्ट रहेंगी। सभी कमरे वातानुकूलित, अटैच लेटबॉथ, टी.वी., फ्रीज, इण्टरकॉम तथा ठण्डा-गरम पानी की सुविधा से युक्त होंगे। सर्वसुविधायुक्त कुल 2160 वर्गफीट का रिसेप्शन हॉल तथा सुरक्षित पार्किंग व्यवस्था भी रहेगी। तीर्थक्षेत्र भ्रमण हेतु ट्रस्ट की वाहन सुविधा भी रहेगी।

निर्माण में अपनी ओर से आर्थिक सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। बस यह आश्वासन संबल बन गया और सपना लेने लगा साकार स्वरूप। भूमि क्रय करने हेतु चर्चा तेज हो गई। इसके स्वप्नकारों को यह विश्वास हो गया कि इस पुनीत कार्य में धन की कमी कभी आड़ें नहीं आएगी। बस इसमें स्थानीय समाजजनों की यह भावना भी शामिल थी कि भवन हेतु भूमि स्थानीय समाज ही अपने स्तर पर क्रय करे। अतः लगभग 2-3 वर्ष स्थानीय समाज से धन संग्रह में व्यतीत हुए।

श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट का किया गठन

भवन निर्माण के स्वप्न को साकार करने के लिये वर्ष 2011 में "श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट" का गठन कर उसका विधिवत पंजीयन करवाया गया। इसमें अध्यक्ष के रूप में जयप्रकाश राठी व सचिव के रूप में कैलाश डागा ने नेतृत्व की बागडोर संभाली। समाजजनों ने मुक्तहस्त से आर्थिक सहयोग और सम्बल दिया। वर्ष 2013 में 1.02 करोड़ रुपए में क्रय कर उसकी ट्रस्ट के नाम से रजिस्ट्री करवा ली गई। इसमें भूमि स्वामी श्री लक्ष्मीनारायण माली से मिला सहयोग भी उल्लेखनीय है। उस समय खरीदी गई इस भूमि का बाजार मूल्य वर्तमान में कई गुना बढ़ गया है। इसके बाद समस्या थी, सभी वैधानिक कार्रवाइयों को पूर्ण करने की, जो अपने आपमें एक चुनौती थी। इसमें भी समाज के गणमान्यजनों का सहयोग मिला। फिर भी लगभग 2 वर्ष का समय लगा, लेकिन अथक प्रयत्नों से इसकी सभी वैधानिक कार्यवाही पूर्ण कर ही ली गई।

जय महेश जय महेश

श्री महेश धाम

श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट, उज्जैन

आप भी जुड़ सकते हैं इस वृहत पुण्य कार्य में

आप भी अपने परिजन की स्मृति में इस पुण्य-धरा भगवान् श्री महाकालेश्वर की नगरी उज्जयिनी में वृहत सामाजिक भवन "श्री महेश धाम" से जुड़कर पुण्य अर्जित करना चाहते हैं, तो श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट आपका स्वागत करता है और आपसे निरन्तर सहयोग एवं मार्गदर्शन की अपेक्षा करता है। इसके लिए निम्नानुसार सहयोगी बन सकते हैं-

2 सभागार ₹ 51,00,000/- (प्रत्येक)

5 हॉल ₹ 25,01,000/- (प्रत्येक)

104 कमरे ₹ 4,51,000/- (प्रत्येक)

1 रिसेप्शन ₹ 25,01,000/- (प्रत्येक)

4 डॉरमेट्री ₹ 12,21,000/- (प्रत्येक)

2 लिफ्ट ₹ 11,11,000/- (प्रत्येक)

श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट, उज्जैन
अंकपात मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)
मो. 094251-95934, 094066-19447
E-mail: srimaheshdham@gmail.com

सहयोगियों ने इस तरह दिया आर्थिक सम्बल

"श्री महेश धाम" के निर्माण को समाजजनों ने एक ऐसे पुण्य यज्ञ की तरह लिया, जिसमें आहुति देने में कोई पीछे नहीं रहना चाहता हो। ख्यात समाजसेवी स्व. श्री मदनलाल पलौड़ द्वारा इसके मुख्य द्वार के निर्माण के लिये 21 लाख रुपए सहयोग राशि देने की घोषणा की गई। ओ.पी. तोतला ने सहर्ष ही 11 लाख रुपए का सहयोग देकर संरक्षक ट्रस्टी की स्वीकृति दी। श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत ट्रस्ट के पूर्व सचिव व सेवानिवृत्त शिक्षक श्री लक्ष्मीनारायण भूतड़ा ने तो अपनी सेवानिवृत्ति में मिली राशि का एक बड़ा भाग ही " श्री महेश धाम" के निर्माण को अर्पित कर दिया। इसी शहर के पूर्व निवासी श्री दिनेश भूतड़ा एक फोन पर सहर्ष ट्रस्टी बन गये। इसी प्रकार सुसनेर से श्री गोपीकृष्ण बावरी, अमरावती से श्री नन्दकिशोर सुदा तथा महिदपुर से श्री रविन्द्र राठी भी एक निवेदन पर ट्रस्टी बन गये। चैन्नई निवासी ख्यात समाजसेवी व अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति पद्मश्री श्री

बंशीलाल राठी का भी सपना था कि उज्जैन में एक भव्य समाज भवन बने। अतः जब भी श्री राठी ने "श्री महेश धाम" के निर्माण के बारे में सुना तो उन्होंने भी 41 लाख रुपए की सहयोग राशि भवन हेतु स्वीकृत कर दी। ठीक इसी तरह जिन्होंने भी "श्री महेश धाम" के निर्माण के बारे में सुना तो वह अपनी आहुति देने में पीछे नहीं रहा। इसी का परिणाम है कि वर्तमान में "श्री महेश धाम" के निर्माण में "श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट" के ट्रस्टी तन-मन-धन से आहुति दे रहे हैं।

आओ बनाएं श्री महेश धाम

समाजहित में निर्मित हो रहे इस भवन निर्माण में समाज से तन-मन-धन से सहयोग की अपेक्षा है, लेकिन कोई प्रतिबंध नहीं। देश-विदेश का कोई भी समाजजन अपनी सामर्थ्य अनुसार किसी भी प्रकार से सहयोगी बन सकता है। आर्थिक सहयोग के रूप में छोटी-से-छोटी राशि भी स्वीकार की जाएगी। ट्रस्ट के कार्यकारी मंडल द्वारा इसके निर्माण में दी जाने वाली धन राशि आयकर की धारा 80 जी के अंतर्गत आयकर मुक्त करने की योजना भी प्रस्तावित है। ट्रस्ट द्वारा तय योजनानुसार 1 से 5 लाख रुपये की दान राशि पर ट्रस्टी, 5 लाख रुपए से अधिक पर ट्रस्टी एवं ट्रस्ट बोर्ड के आजीवन सदस्य 11 लाख रुपए से अधिक दान राशि देने पर दानदाता को संरक्षक ट्रस्टी के सम्मान से सम्मानित किया जा सकेगा। दानदाताओं को ठहरने के लिये कमरों के आरक्षण में भी प्राथमिकता प्राप्त होगी। सभी ट्रस्टी आजीवन होंगे और यह सुविधा उनके उत्तराधिकारी को भी प्राप्त होगी।

ऐसे दें आर्थिक सहयोग

सहयोग राशि का चेक या डीडी श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट उज्जैन को प्रेषित कर सकते हैं या ट्रस्ट के पंजाब नेशनल बैंक A/c No. 3242000100599210 IFSC-PUNB0324200 टॉवर चौक फ्रीगंज, उज्जैन शाखा में सीधे भी सहयोग राशि जमा की जा सकती है। विस्तृत जानकारी के लिए जयप्रकाश राठी (अध्यक्ष) 9425195934,

कैलाश डागा (सचिव) 9406619447, नवल माहेश्वरी (कोषाध्यक्ष) 9302220236, पुष्कर बाहेती 9425091161, ई-मेल-srimaheshdham@gmail.com पर सम्पर्क कर सकते हैं।

आप भी बन सकते हैं पुण्य में सहभागी

सिर्फ हिंदू धर्म शास्त्र ही नहीं, बल्कि लगभग सभी धर्मों में किसी की तीर्थ यात्रा में सहयोगी बनना अत्यधिक पुण्यशाली कार्य माना गया है। भगवान श्री महाकालेश्वर की नगरी, श्रीकृष्ण की शिक्षास्थली व सिंहस्थ महाकुंभ की आयोजन स्थली में बनने वाला यह भवन बल्कि हजारों तीर्थयात्रियों की सेवा को समर्पित होगा। यह समाज का एक ऐसा गौरवशाली भवन होगा जिसकी कीर्ति यहां आने वाले तीर्थयात्रियों के द्वारा देश-विदेश समस्त स्थानों पर फैलेगी। इसके निर्माण की समस्त व्यवस्था इस पुण्यशाली समाज से "पहले आओ और सहभागी बनो" की योजना के अंतर्गत होगी। समय पर जिनसे दान राशि प्राप्त होगी, वे ही इस पुण्य कार्य के सहभागी हो सकेंगे। नियमानुसार भवन के किसी भी भाग के निर्माण के दानदाता ट्रस्ट के मानद ट्रस्टी के सम्मान से भी सम्मानित होंगे।

लड़के–लड़कियों के रिश्ते ढूँढ़ना हुआ बेहद आसान
हमारी Website है इसका सही समाधान

रिश्ते ही रिश्ते

High Status, Middle Status
NRI, Manglik, Non Manglik
Bio-Data MBA, MCA, Doctor,
Eng. Bio-Data CA, CS,
ICWA Bio-Data

Graduate,
Post Graduate Bio-Data
Professional Bio-Data
Businessman Bio-Data
Service Class Bio-Data

वैवाहिक रिश्ते

माहेश्वरी समाज के लिए 60,000 से अधिक
जैन समाज के 70,000 से अधिक
अग्रवाल समाज के 1,00,000 से अधिक

Registration Free

Website:
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110 060
Phones: 011-25746867, 09312946867

महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न

रत्ना राठी

प्रिया जाखेटिया

खंडवा। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल के चुनाव गत दिनों सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी अरुणा बाहेती, पर्यवेक्षक उषा परवाल एवं पुष्पा राठी थी। इसमें प्रथम कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष रत्ना राठी एवं सचिव प्रिया जाखेटिया को चुना गया।

विवाह सहयोग ट्रस्ट की नवीन कार्यकारिणी गठित

रामावतार हुरकट

सत्यनारायण लोया

मधुसुदन सारड़ा

नागपुर। माहेश्वरी विवाह सहयोग ट्रस्ट गीता मंदिर की आगामी सत्र के लिए नवीन कार्यकारिणी का गठन गत दिनों हुआ। इसमें रामावतार हुरकट अध्यक्ष, मधुसुदन सारड़ा उपाध्यक्ष, सत्यनारायण लोया सचिव, अनिल लोहिया कोषाध्यक्ष तथा संविधान संशोधन व कार्य समिति सदस्य विट्ठलदास तापडिया तथा पुखराज बंग को मनोनीत किया गया।

> किसी के प्रति मन में क्रोध लिए रहने की अपेक्षा उसे तुरन्त प्रकट कर देना अधिक अच्छा है जैसे क्षणभर में जल जाना देर तक सुलगने से ज्यादा अच्छा होता है।

परिणयोत्सव में हुए 11 कन्यादान

छोटा उदेपुर। स्व. श्री रामप्रसाद अजमेरा की पुण्य स्मृति में अजमेरा परिवार (डाबलावालों) द्वारा श्रीचारभुजा सेवा ट्रस्ट के संयोजन व माहेश्वरी समाज के सहयोग से "मंगल परिणयोत्सव कन्यादान महापर्व-2016" का आयोजन गत 11 से 12 फरवरी तक हुआ।

इसमें विभिन्न समाजों की 11 कन्याओं का कन्यादान पूर्ण विधि-विधान के साथ किया गया। आशीर्वाददाता के रूप में महामंडलेश्वर रामेश्वरानंदजी सरस्वती हरिद्वार, श्री नौसरा माता मंदिर पुष्कर के पीठाधीश रामकृष्णदेव जी, बालकनाथजी सिद्धयोग फाउंडेशन जेतपुर के कुमार स्वामी, ब्रह्मर्षि संस्कार धाम नडीयाद के डाह्याभाई शास्त्री, गुरुगादी धाम पाला के महंत मुनि अवधूत महाराज, अवाखल (वडोदरा) के मनोजभाई शास्त्री श्री जगन्नाथ मंदिर छोटा उदेपुर के महंत माधवदासजी महाराज व श्री कालारामजी मंदिर छोटा उदेपुर के महंत श्यामसुंदरदासजी महाराज उपस्थित थे। अतिथि के रूप में गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महासभा अध्यक्ष मदनमोहन पेड़ीवाल, उपाध्यक्ष गजानंद राठी, पूर्व सचिव जुगल मर्दा, प्रांतीय महिला संगठन अध्यक्ष उमा कलंत्री, उपाध्यक्ष उमा जाजू तथा पूर्व अध्यक्ष मंगला मर्दा उपस्थित थीं। अजमेरा परिवार की प्रमिला देवी, अशोक व मनीषा तथा मुकेश व सपना अजमेरा सहित सम्पूर्ण अजमेरा परिवार व समाज के गणमान्यजनों ने अतिथियों का स्वागत किया। इसमें अजमेरा परिवार व दानदाताओं द्वारा कन्यादान में गृहस्थी के लिये जरूरी समस्त सामग्री प्रदान की गई, जिसमें आटा मेकर मशीन जैसे उपकरणों से लेकर ज्वेलरी तक लगभग 46 आयटम शामिल थे।

नवनिर्वाचित विधायक का किया सम्मान

नागपुर। श्री बड़ी मारवाड़ माहश्वेरी भवन ट्रस्ट जूनी रेशम ओली द्वारा नवनिर्वाचित विधायक गिरीश व्यास का सत्कार किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राधेश्याम सारड़ा ने की। विशेष अतिथि के रूप में सत्यनारायण नुवाल, रामरतन सारड़ा, दामोदरदास मालू उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजक वासुदेव मालू थे। विशेष अतिथियों का सत्कार रामअवतार हुरकट, पुखराज बंग, घासीराम मालू व बंकटलाल सारड़ा द्वारा किया गया। इसी अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नागपुर शाखा के अध्यक्ष राजेश लोया का सत्कार भी शाल श्रीफल से श्याम परतानी द्वारा किया गया। विधायक श्री व्यास का स्वागत नगर माहश्वेरी सभा के अध्यक्ष राजेश मंत्री, सचिव राजेश बजाज, नागपुर जिला माहेश्वरी सभा सचिव दिनेश राठी, आदर्श विद्या मंदिर के रामरतन सारड़ा व गोविंदलाल सारड़ा आदि ने किया।

मानधनिया दम्पत्ति ने मनाया 'अमृत महोत्सव'

सोलापुर। ख्यात उद्यमी व वरिष्ठ समाज सेवी गणेशलाल मानधनिया के गत 20 जनवरी को 75 वर्ष पूर्ण होने तथा उनकी धर्मपत्नी कावेरीदेवी के विवाह के 40 वर्ष पूर्ण होने पर अमृतमहोत्सव एवं सुवर्ण महोत्सव का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में इंदिरा रमण महाराज, हीरालाल मालू, पापाशेठ बलदवा, सत्यनारायण लाहोटी आदि कई गणमान्य उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि माहेश्वरी प्रगति मंडल, माहेश्वरी भवन, श्री माहेश्वरी सांस्कृतिक भवन, सोलापुर माहेश्वरी जिला सभा, ज्ञानेश्वरी सेवा मंडल, मारवाड़ी महासभा सोलापुर शाखा सहित कई स्वयंसेवी संस्थाओं में श्री मानधनिया का योगदान रहा है।

वैलेन्टाइन डे पर रेड एंड ब्लेक थीम

इंदौर। वैलेन्टाइन डे पर माहेश्वरी मीत क्लब के 150 कपल सदस्यों ने एक साथ रेड एंड ब्लेक थीम पर एक-दूसरे से अपने प्रेम का इजहार किया। क्लब के अध्यक्ष रूपेश-डॉ. दीप्ति भुतड़ा ने बताया कि अपनी तरह के इस यूनिक कार्यक्रम में पार्टी ग्राउंड को रेड हार्ट के गुब्बारों से सजाया गया।

सेल्फ़ी ज़ोन पर सभी कपल्स ने अपने वेलेन्टाईन के साथ और ग्रुप के साथ सेल्फ़ी ली। शुरुआत में सभी कपल्स ने अपनी भावनाऐं अपने वेलेन्टाईन के प्रति खूबसूरत गीत और गजलें गाकर एवं शायरी के साथ शेयर की। अतिथि के रूप में कार्यक्रम में सत्यनारायण-निर्मला मंत्री एवं अभय जैन (फाउंडर - वर्चुअल वोइज) सम्मलित हुवे। परामर्श दाता ओम-शोभा भूतड़ा एवं हनीश-नीलू अजमेरा ने अपनी उपस्थिति का अहसाह विभिन्न गेम्स खेलाकर कराया। विभिन्न प्रकार के रोमांटिक गेम्स और खूबसूरत परफॉर्मेन्स ने कार्यक्रम में ऐसा समां बाँधा की सभी वाह किये बिना नहीं रह सके। क्रेज़ी लव टाइटल दिये गये। इस आयोजन के संयोजक रितेश-रूपम काकाणी, विशाल-रुचि बाहेती, आशीष-मनीषा लड्ढा, सौरभ-कृतिका माहेश्वरी थे। साथ ही सभा समन्वयक - मधुसूदन-शिखा भलिका थे। सभी सदस्यों द्वारा रेड और ब्लैक थीम पर ड्रेस पहनी गयी। कार्यक्रम के अंत में पार्टिसिपेंट एवं उपस्थित सभी सदस्यों को गिफ्ट दी गयी। संचालन मुकेश-विनीता सारडा ने किया। आभार उमेश भावना सोमानी ने माना।

> संघर्ष में आदमी अकेला होता है सफलता में दुनिया उसके साथ होती है
> जब-जब जग किसी पर हँसा है, तब-तब उसी ने इतिहास रचा है।

पुण्य स्मृति में वॉटर कूलर भेंट

परभणी। शांतिदूत सेवाभावी संस्था की ओर से स्व. श्रीमती माला सारड़ा की पुण्य स्मृति में वॉटर कूलर का उद्घाटन खुशबू राहुल महिवाल के हाथों करवाया गया। इसकी जनता मार्केट के पास डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर रोड पर स्थापना की गई है। इस अवसर पर अतिथि के रूप में बालाजी मंदिर के महंत रघुनाथदास (बाबाजी), मौलाना साजिद खान, भंते मुदितानंद आदि उपस्थित थे। तीनों धर्मगुरुओं ने अपनी धार्मिक रीति से इसे अधिष्ठित किया। कार्यक्रम का निरुपण शांति दूत के संस्थापक व अध्यक्ष सुभाषचंद्र सारड़ा ने किया। डॉ. दिनेश भूतड़ा ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

उमेश चांडक के अंग दान

हैदराबाद। बालानगर क्षेत्र के उद्योगपति एवं सामाजिक कार्यकर्ता रामचंद्र चाण्डक के छोटे पुत्र 24 वर्षीय उमेश चाण्डक का गत 15 फरवरी को कृष्णा इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडीकल सांईस अस्पताल में असामयिक स्वर्गवास हो गया। उमेश के निधन के तुरंत बाद उनके परिवार वालों ने उमेश के अंगदान की इच्छा प्रगट की। इसमें माता संतोष चाण्डक, बड़े भाई महेश चाण्डक, मामा ओमप्रकाश मून्दडा और भिकूलाल मून्दडा की विशेष प्रेरणा थी। लिव्हर, किडनी, आँखें एवं अन्य उपयोगी अंग दान कर जरुरतमंदों को नवजीवन दिया गया।

नीलगाय के लिए न्यायालय की शरण

जयपुर। राजस्थान सरकार द्वारा सरपंचों को नीलगाय की हत्या की अनुमति दिया जाना शर्मनाक कृत्य बताते हुए पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने कहा कि नीलगाय की हत्या करवाना सरकार के माथे पर बहुत बड़ा कलंक है। श्री जाजू ने आगे कहा कि एक ओर गाय को बचाने के लिए दंगे तक हो जाते हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार द्वारा जंगल की गाय को मरवाने की खुली छूट दे रही है, जो निन्दनीय है। संस्था नीलगायों को बचाने के लिए जयपुर में धरना प्रदर्शन करेगी और आवश्यकता पड़ने पर न्यायालय की शरण भी लेगी।

राजस्थानी महिला मंडल की कार्यकारिणी गठित

सेलू (जि.परभणी)। राजस्थानी महिला मंडल की नयी कार्यकारिणी का चयन हुआ। इसमें अध्यक्ष के पद पर निर्मला अग्रवाल व सचिव के पद पर रमा बाहेती का चयन किया गया। उपाध्यक्ष शर्मिला मालाणी, सहसचिव उषा लोया तथा कोषाध्यक्ष कांचन बाहेती चयनित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमिला परताणी ने की। प्रमुख अतिथि के रूप में सीमा सर्राफ उपस्थित थी।

डॉ. मयुर गट्टाणी रहे टॉपर

परभणी। हैदराबाद में आयोजित ऑल इंडिया लेवल की ''एपीकॉन एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ दि एसोसिएशन ऑफ फिजीशीयन ऑफ इंडिया'' में ओरिजनल पेपर प्रेजेन्टेशन में परभणी के डॉ. मयुर गट्टानी को प्रथम मेरिट अवार्ड प्राप्त हुआ। डॉ. गट्टानी केएम हॉस्पिटल मुंबई में एम.डी (मेडिसीन) अंतिम वर्ष में अध्ययनरत हैं। डॉ. गट्टानी मैत्री ग्रुप परभणी की अध्यक्ष सरोज व घनश्याम गट्टानी के सुपुत्र हैं।

गट्टानी अन्तरर्राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय

उदपुर। गत माह थाईलैण्ड में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर नृत्य प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें उदयपुर निवासी श्रेष्ठा माहेश्वरी (गट्टानी) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। श्रेष्ठा स्थानीय एम.डी.एस. स्कूल में अध्यनरत हैं।

> आधे दुःख
> गलत लोगों से
> उम्मीद रखने से होते हैं
> और
> बाकी आधे दुःख
> सच्चे लोगों पर
> शक करने से होते हैं।

दो दिवसीय कार्यक्रम उमंग बना आकर्षण का केंद्र

विदिशा। माहेश्वरी नवयुवक मण्डल विदिशा द्वारा नव वर्ष के उपलक्ष्य में दो दिवसीय कार्यक्रम ''उमंग- 2016'' का आयोजन किया गया। जिला माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष के. जी. माहेश्वरी, नगर सभा अध्यक्ष राजेन्द्र झंवर प्रादेशिक उपाध्यक्ष गोपालदास राठी शुभारम्भ अवसर पर अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 0-3 वर्ष के बच्चों के लिए ''हेल्दी एण्ड फैन्सी बेबी'' प्रतियोगिता रखी गई। इसमें शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. एम. के. जैन ने बच्चों का चैकअॅप किया तथा अभिभावकों को सुझाव दिये। उसके साथ ही 3-8 वर्ष के बच्चों के लिए आयोजित ''फैन्सी ड्रेस'' प्रतियोगिता भी आर्कषण का केन्द्र बनी। बूगी-बूगी प्रतियोगिता में 8-12 वर्ष के बच्चों ने अपना आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया। रंगोली तथा चित्रकला आदि प्रतियोगिताएं भी आयोजित हुई। दूसरे दिन 3 जनवरी को मुख्य अतिथि के रूप में म.प्र. प्रादेशिक युवा संगठन के अध्यक्ष दीपक चाण्डक एवं भोपाल माहेश्वरी सभा अध्यक्ष रवि गगरानी उपस्थित थे। संगठन के पूर्व अध्यक्ष राजेश लड्ढा ने भी कार्यक्रम में युवा साथियों को मार्गदर्शित किया। स्वागत भाषण मण्डल अध्यक्ष गोपाल मोहता ने दिया। समाज बंधुओं द्वारा कार्यक्रम में कई प्रकार के व्यंजनों और गेम्स के स्टॉल लगाये गये। अंत में अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। मंच संचालन मण्डल सचिव मनीष लोलानी ने किया।

राजस्थानी महिला मंडल ने मनाया वार्षिकोत्सव

वरंगल। स्थानीय मारवाड़ी समाज भवन में राजस्थानी महिला मंडल का वार्षिक उत्सव आयोजित हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि गुजराती महिला समाज की अध्यक्ष जयश्री पारीख, जैन महिला समाज की अध्यक्षा हीना जैन व औरंगाबाद की शीतल मोदाणी थीं। अध्यक्ष चंदादेवी सोनी ने सभी का स्वागत किया। मंत्री मीनादेवी लाहोटी ने मंडल की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष कविता सोनी ने आय-व्यय का हिसाब प्रस्तुत किया। मेरिट में सफलता पाने वाली प्रतिभावान छात्राओं को सम्मानित किया गया। तंबोला, ग्रुप नृत्य आदि का आयोजन भी हुआ।

अब सभी को मिलेगी चिकित्सा सुविधा

नागपुर नगर माहेश्वरी सेवा संघ ने चिकित्सा सहायता के लिये किया मेडिकल हेल्प सोसायटी का गठन

नागपुर। स्थानीय माहेश्वरी समाज का कोई भी समाजजन अब आर्थिक कारणों से चिकित्सा सुविधा से वंचित नहीं रहेगा। इसके लिये नागपुर नगर माहेश्वरी सेवा संघ द्वारा मेडिकल हेल्प सोसायटी का गठन किया गया है, जो जरुरतमंदों को इलाज के लिये तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाऐगी।

नागपुर नगर माहेश्वरी सेवा संघ सन् 2002 से समाज के जरूरतमंद प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उच्च तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के लिय आर्थिक सहयोग प्रदान कर रहा है। अभी तक 110 विद्यार्थियों को सहयोग दिया गया है। वर्तमान समय में चिकित्सा बहुत महंगी होने से इस क्षेत्र में भी आर्थिक सहयोग की आवश्यकता अनुभव की जा रही थी। अतः सेवा संघ (संस्था) के पदाधिकारियों की गत दिनों आयोजित बैठक में इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये कम से कम 2 करोड़ रुपए की पूंजी का लक्ष्य रखा गया। दानवीर रामरतन सारड़ा ने इस लक्ष्य की पूर्ति के लिये 1 करोड़ रुपये का आर्थिक सहयोग दिया, तत्पश्चात "रामरतन सारड़ा मेडिकल हेल्प सोसायटी" नामक संस्था का गठन किया गया। शेष 1 करोड़ की राशि के लिये संस्थापक सदस्य हेतु अनुदान राशि 2 लाख रुपए प्रत्येक सदस्य सहयोग राशि तय की गई है। अध्यक्ष हेतु विजय चांडक ने बताया कि "रामरतन सारड़ा मेडिकल हेल्प सोसायटी" की कार्यकारिणी ने कम से कम 50 संस्थापक सदस्य बनाने का निश्चय किया तथा संस्था अपने लक्ष्य के करीब है। सोसायटी अब नागपुर में इलाज कराने आये आर्थिक रूप से कमजोर समाजबंधुओं को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाऐगी। इसमें आर्थिक सहयोग प्राप्त करने वाले समाजबंधुओं के नाम भी संस्था सार्वजनिक नहीं करेंगी। संस्था ने चेरिटी कमिश्नर में रजिस्ट्रेशन एवं आयकर की धारा 80-जी छूट के लिये भी आवेदन किया है। इसी के साथ संस्था अन्य समउद्देश्यीय संस्थाओं तथा सरकारी योजनाओं की सहायता भी प्रदान करवाने का प्रयास करेगी।

कार्यशाला "शून्य से शिखर तक" का हुआ आयोजन

परभणी। जिला माहेश्वरी सभा की ओर से राजस्थानी समजजनों के लिए "शून्य से शिखर तक" एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन बी. रघुनाथ सभागृह पर किया गया। इस कार्यशाला में औरंगाबाद के वरिष्ठ उद्योजक संदीप नागौरी तथा शिरीष लोया ने मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा के संयुक्त मंत्री जयप्रकाश भंडारी ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के कार्यकारिणी सदस्य अशोक सोनी ने किया। मंच पर परभणी के जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष ब्रिजगोपाल तोष्णीवाल, महिला मंडल अध्यक्ष कांचन बाहेती, प्रकल्प प्रमुख विजयप्रकाश मणियार, युवा अध्यक्ष राजगोपाल कासट आदि भी उपस्थित थे। इस अवसर पर 20 हजार से लेकर 20 लाख तक की लागत से शुरू होने वाले विविध 250 उद्योग व्यवसाय के बारे में श्री लोया व श्री नागौरी द्वारा जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री ओमप्रकाश डागा ने किया। आभर प्रदर्शन प्रकल्प प्रमुख विजयप्रकाश मणियार ने किया। ब्रिजलाल गगराणी, पन्नालाल मुरक्या, हनुमानदास बजाज, राधेश्याम झंवर, बालकिशन दरक, जयप्रकाश राठी, प्रेमचंद धुत आदि समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

> "हमेशा छोटी-छोटी गलतियों से बचने की कोशिश किया करो क्योंकि इंसान पहाड़ों से नहीं पत्थरों से ठोकर खाता है"

महिला मंडल की कार्यकारिणी गठित

छोटाउदेपुर। गत फरवरी को छोटाउदेपुर में श्री माहेश्वरी महिला मंडल का गठन किया गया। गुजारात प्रांतीय माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा उर्मिला कलंत्री, उपाध्यक्ष उमा जाजू, पूर्व अध्यक्षा मंगल मर्दा आदि की उपस्थिति में मंडल के कार्यकर्ताओं ने शपथ ग्रहण की। इसमें माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष डिम्पल सोनी, उपाध्यक्ष इंदिरा सोनी, सचिव रचना सोनी, कोषाध्यक्ष मनोरमा मालू आदि शामिल हैं।

दम्माणी समाज शिरोमणि से सम्मानित

अमरावती। संस्था शांतिदूत कला अभियान मुंबई द्वारा श्याम दम्माणी को मुंबई में समाज शिरोमणि पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया गया। मुंबई मराठी ग्रंथ संग्रहालय दादर मुंबई के सुरेंद्र गावस्कर सभागृह में आयोजित इस समारोह में श्री दम्माणी को सेवा के क्षेत्र में किये गये निरपेक्ष, गुणवत्तापूर्वक व निःस्वार्थ कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। सुभाष मायेकर अध्यक्ष श्री सिद्धिविनायक गणपति ट्रस्ट मुंबई, अभिनेत्री प्रेमा किरण (दे दनादन, धूमधड़ाका फेम), ब्रिगेडियर सुधीर सांवत, मुकेश सातले मिनिस्ट्री ऑफ फाईनेंस दिल्ली, डॉ उत्कर्ष शिंदे सुप्रसिद्ध गायक आदि कई गणमान्यजन मौजूद थे।

माहेश्वरी धर्मशाला की बागडोर मूंदड़ा के हाथ

श्री हरि कृष्ण मूंदड़ा

श्री जय भुराड़िया

श्री गोकुल मोहता

कानपुर। गत दिनों श्री माहेश्वरी पंचायती धर्मशाला चावल मंडी के चुनाव सम्पन्न हुए। इसके हरिकृष्ण मूंदड़ा अध्यक्ष, जय भुराड़िया मंत्री एवं गोकुल मोहता कोषाध्यक्ष पुनः सर्वसम्मति से निर्वाचित घोषित किये गये। इसके साथ ही उपाध्यक्ष अनंतलाल डागा तथा शरद राठी संयुक्त मंत्री निर्वाचित हुए। कार्य समिति में गोकुल बाहेती, गिरधर करनानी, संजय लोईवाल, वेद प्रकाश चांडक, संजय तिलांगिया व दुर्गाप्रसाद सारडा सदस्य निर्वाचित किये गये।

सुनील राठी राज्य स्तर पर सम्मानित

नोहर (रवा)/(हनुमानगढ)। उत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के कार्यकारिणी सदस्य व हनुमानगढ कोषालय में सहायक लेखाधिकारी पद पर कार्यरत सुनील राठी को गत 26 जनवरी को जयपुर में सम्मानित किया गया। कोष एवं लेखा निदेशालय जयपुर के निदेशक भास्कर शर्मा ने श्री राठी को सामाजिक सुरक्षा पेंशन के भामाशाह सीडिंग के माध्यम बैंक खातों में पेंशन भिजवाने में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए यह सम्मान प्रदान किया। श्री राठी ने इस पुरस्कार को कोष एवं उपकोषों के सहयोगी अधिकारियों व कर्मचारियों को समर्पित करते हुए पूरी टीम को धन्यवाद दिया।

चंद्रिकाराजे झंवर को मिला गोल्ड मेडल

श्रीगंगानगर । घड़साना मंडी की पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष कुसुम व जयदीप झंवर की सुपुत्री चंद्रिकाराजे झंवर को महाराजा गंगासिंह विश्व-विद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल कल्याण सिंह द्वारा गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। चंद्रिका शिक्षा के साथ-साथ बॉक्सिंग की श्रेष्ठ खिलाड़ियों में भी अपनी पहचान रखाती है व अनेक राज्य व राष्ट्रीय स्पर्द्धाओं में हिस्सा लेकर पुरस्कार जीत चुकी हैं। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

मृत्यु उपरान्त भोज समिति का किया गठन

आलीराजपुर। माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा इस माह 40 सदस्यों की भोज समिति का गठन किया गया। माहेश्वरी समाज आलिराजपुर के किसी भी परिवार में किसी की मृत्यु होती है, तो उस दिन परिवार वालों व उनके मेहमानों का भोज समिति द्वारा आयोजित किया जाता है। समिति के मुख्य सदस्यों में धर्मेन्द्र सोमानी, श्रीकांत बाहेती, मयंक नगंवाड़िया, राजीव माहेश्वरी, चेतन बेड़ीया, सचिन सोमानी, मिलन माहेश्वरी, मनीष आगाल, मनीष मन्त्री, हरिश बाहेती, अरविन्द सोमानी व अन्य सदस्यों के द्वारा यह कार्य किया जा रहा है।

पंच कुण्डात्मक यज्ञ के साथ तुलसी विवाह

मंदसौर। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा दो दिवसीय पंचकुंडात्मक यज्ञ एवं पंच तुलसी विवाह का आयोजन किया गया। चार भुजानाथ मंदिर बड़ाचौक से ढोल-ढमाकों के साथ शाही सवारी पालकी पर बैठकर माहेश्वरी भवन नयापुरा रोड पहुंची, जहाँ बारातियों का भव्य स्वागत हुआ। गीता झंवर ने बताया कि समस्त समाज के सहयोग से होने वाले इस कार्यक्रम की व्यवस्था भी महिलाओं ने ही की।

कोठारी नदी के संरक्षण की मांग

भीलवाड़ा। पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर सम्पूर्ण कोठारी नदी से अंग्रेजी बबूल की झाड़ियों को हटाने व नदी का सीमांकन करवाकर नदी में पड़े कचरे को हटाकर नदी का मूल स्वरूप लौटाने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में कलेक्टर ने नदी से झाड़ियां हटाने तथा सीमांकन के कड़े निर्देश दिये थे, लेकिन लम्बा समय बीत जाने के बाद भी कोठारी नदी की दूर्दशा पूर्व की भांति बनी हुई है।

> एक छोटी-सी चींटी
> आपके पैर को काट सकती है,
> पर आप उसके पैर को
> नहीं काट सकते।
> इसलिए जीवन में किसी को
> छोटा नहीं समझे,
> क्योंकि वह जो कर सकता है,
> शायद आप न कर पाएं।

सेवल्या माता मन्दिर समिति के चुनाव संपन्न

ओसियां। माहेश्वरी समाज की सोनी खॉप की सेवल्या माता मन्दिर समिति के चुनाव मूलचंद सोनी की अध्यक्षता में संपन्न हुए। इस समिति के पद पर औरंगाबाद (महाराष्ट्र) निवासी रामविलास मदनलाल सोनी का निर्विरोध चयन हुआ। संरक्षक सदस्य जोधपुर निवासी भवरलाल सोनी चुने गये। कार्यसमिति में कार्यवाहक अध्यक्ष-भवरलाल सोनी ओसियां (राज), उपाध्यक्ष-कैलाश नारायण सोनी जोराहर (आसाम) व सेवाराम सोनी-ओसियां (राज.), सचिव-जे.पी. सोनी ओसियां (राज.), सहसचिव-मुकनचंद सोनी तिवरी (राज.) व वीरेन्द्र सोनी औरंगाबाद (महा.), कोषाध्यक्ष-नंदकिशोर सोनी-ओसियां (राज.), तथा व्यवस्थापक-पवन कुमार सोनी ओसियां (राज.) चुने गये। इनके साथ इक्कीस कार्यसमिति सदस्य भी चुने गये।

हनुमानगढ़ जंक्शन महिला मंडल का गठन

हनुमानगढ (रवा)। हनुमानगढ जंक्शन इकाई की माहेश्वरी महिला मंडल की नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। कार्यकारिणी में सीमा बिहाणी अध्यक्ष, संगीता राठी उपाध्यक्ष, अरुणा मोहता सचिव, शीलू गट्टाणी व रुचि ढुढाणी सहसचिव, सुमित्रा लखोटिया कोषाध्यक्ष, संजू बिहाणी सहकोषाध्यक्ष, रेणू ढुढाणी प्रचार मंत्री, स्नेहलता ढुढाणी सहप्रचार मंत्री, निधि लखोटिया सांस्कृतिक मंत्री, बिंदु लखोटिया सह सांस्कृतिक मंत्री, सारिका बिनाणी संगठन मंत्री, उमा बिहाणी खेलमंत्री व रीटा मोहता उपखेलमंत्री मनोनीत की गई। संरक्षक मंडल में पुष्पा लखोटिया, इंदु बिहाणी, पुष्पा राठी, निर्मला लखोटिया व उषा करवा को शामिल किया गया है।

> बिना कुछ किये हुए ही
> बिताने वाले जीवन की अपेक्षा
> गलतियाँ करते हुए
> बिताने वाला जीवन
> सम्माननीय होता है।

बधर माताजी का हुआ विशाल जागरण

हैदराबाद। बधरमाता माहेश्वरी सेवा समिति हैदराबाद द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गत 6 फरवरी को माहेश्वरी भवन बेगम बाजार में माहेश्वरी खांपों सोमाणी, मर्दा, थिरानी, बागडी व छापरवाल की कुल देवी बधर माता का विशाल जागरण आयोजित किया गया। प्रमुख संयोजक राजेश सोमाणी एवम गोविन्द सोमाणी ने बताया कि सर्वप्रथम विट्ठल सोमाणी और गोपाल सोमाणी (समसेर गंज) ने सपत्नीक माता की पूजा अर्चना की। आगामी सत्र के नवनियुक्त अध्यक्ष औरंगाबाद निवासी श्यामसुन्दर सोमाणी विशेष आमंत्रित थे। इस अवसर पर श्याम सोमाणी हैदराबाद, गोवर्धन मर्दा, गोपाल सोमाणी आदि द्वारा 9 कन्याओ की चरण धोकर पूजा की गई। युवा भजन गायक अनुराग भूतड़ा और उनके साथियों ने भजनों की प्रस्तुति दी। समिति के विशेष अनुग्रह पर रामदेव कीर्तन संगम के श्यामसुन्दर गिल्डा, सुशील गोपाल बजाज आदि ने भी भजनों की प्रस्तुति दी। आन्ध्रप्रदेश मोहश्वरी सभा के अध्यक्ष रामपाल अट्टल का सम्मान दिलीप माहेश्वरी (छापरवाल) व रमेश मर्दा ने किया।

दो दिवसीय समृद्धि उद्योग मेले का हुआ आयोजन

अमरावती। गत दिनों जनार्दन पेठ स्थित ओसवाल भवन में विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन, अमरावती जिला माहेश्वरी महिला संगठन एवं माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा दो दिवसीय समृद्धि उद्योग मेले का आयोजन हुआ। उद्घाटन उद्योजक भारती लड्ढा के हाथों किया गया। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्वाध्यक्ष पदमा मूंदड़ा ने अध्यक्षता की। ब्रजेश पैकिजिंग प्रा.लि. की संचालिका राधिका दम्मानी, विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष ज्योति बाहेती, सचिव उषा करवा, संयोजिका उषा मोहता, माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा उषा राठी, सचिव सरला जाजू, संयोजिका जया बजाज, मध्यांचल की संयुक्त मंत्री पुष्पलता पड़तानी की प्रमुख उपस्थिति रही। इस अवसर पर मंच की सजावट माधुरी सुदा ने बड़ी सी रंगोली बना कर की। उर्मिला कलंत्री व रेखा भूतड़ा द्वारा महेश वंदना प्रस्तुत की गई। स्वागत गीत खुशबू मूंदड़ा, दीपा कासट व पूजा द्वारा प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में डॉ. सुधा राठी, रामानंद सोनी, जुगलकिशोर गट्टानी, भिकमचंद तापड़िया, मधु करवा, सुशील सारड़ा, दिनेश केला उपस्थित थे। इस उद्योजक मेले को सफल बनाने के लिए आशा भट्ट, शशि मूंदड़ा, चमक अट्टल, रानी करवा, रेनु केला, कमला राठी, कृष्णा राठी, यामा लाहोटी, सुनीता राठी, माधुरी करवा, सुमन राठी, नलिनी बजाजा, मालती राठी ने प्रयास किये। उद्योजक मेले में खानपान की वस्तुओं, ज्वेलरी के स्टॉल के अलावा नागपुर, छिंदवाड़ा, अकोला, मुंबई, नासिक द्वारा भी स्टॉल लगाए गए थे। इस उद्योजक मेले को महिलाओं द्वारा अच्छा प्रतिसाद मिला।

वरिष्ठजन एवं जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

शाहपुरा। तहसील माहेश्वरी सभा शाहपुरा द्वारा समाज के वरिष्ठजनों एवं जनप्रतिनिधियों के सम्मान समारोह का आयोजन शाहपुरा में धरती देवरा स्थान पर किया गया। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में महासभा के कार्यसमिति सदस्य देवकरण गग्गड़, महासभा कार्यकारी मण्डल सदस्य प्रहलाद लड्ढ़ा, प्रदेशाध्यक्ष राधेश्याम सोमानी, प्रदेश कोषाध्यक्ष राधेश्याम चेचाणी, जिला अध्यक्ष जगदीश प्रसाद सोमानी, जिला मंत्री कृष्णगोपाल जाखेटिया, उपाध्यक्ष कन्हैया लाल खटोड़, भीलवाड़ा नगर अध्यक्ष कैलाश चन्द्र कोठारी, नगर मंत्री देवेन्द्र सोमानी आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों सहित सांसद सुभाष बहेड़िया आदि कई जनप्रतिनिधियों का सम्मान भी किया गया।

रोटरी पदाधिकारियों ने किया विद्यालय का निरीक्षण

अमरावती। रोटरी क्लब ऑफ इंटरनेशनल के पदाधिकारियों ने हाल ही में अमरावती स्थित श्री बुलिदान राठी मूकबधीर विद्यालय का अवलोकन किया। विद्यालय में अध्ययन, अध्यापन एवं व्यवसाय शिक्षण प्रशिक्षण तथा रोटरी अपंग प्रशिक्षण केन्द्र के साथ ही प्यारी बाई अटल अपंग कर्मशाला का निरीक्षण भी किया और व्यवस्थाओं को सराहा। इस अवसर पर अध्यक्ष डॉ. गणेश बूब एवं सचिव बंकटलाल राठी द्वारा उनका स्वागत किया गया।

सामूहिक भागवत कथा का हुआ आयोजन

अमरावती। श्री कृष्णार्पण सेवा परिवार द्वारा सामूहिक भागवत का आयोजन किया गया। कथा वाचक अशोक शास्त्री के मुखारबिंद से कथा 7 दिन तक चली, जिसमें हिराका सेवा घनश्यामदास कासट परिवार की अहम भूमिका रही। कथा में मुख्य यजमान हिराका सेवा घनश्यामदास-पुष्पादेवी कासट आदि थे। हर यजमान की भूमिका मुख्य यजमान की ही रही। कथा समाप्ति पर यज्ञ व पूर्णाहुति का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोरक्षा संकल्प अंतर्गत गौपूजन कर गौचार किया गया।

डॉ. मालपाणी बने आईएमए सचिव

संगमनेर। ख्यात शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेंद्र के. मालपाणी इंडियन मेडिकल एसोसिएशन-महाराष्ट्र स्टेट ब्रांच के जॉइंट सेकेटरी चुने गये। डॉ. मालपाणी संगमनेर के काफी साल आईएएम अध्यक्ष भी रहे हैं।

लोया दम्पत्ति ने लिया अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा

जालना। ख्यात मार्बल व्यापारी श्यामसुंदर व प्रेमलता लोया ने विदेश दौरा किया। इन्होंने इस दौरे में अमेरिका हवाई, आयलैंड व होनुलूलू शहर में लायंस क्लब अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। श्री लोहिया जालना शहर के बिल्डिंग मटेरियल एसोसिएशन के सचिव तथा जिला व्यापारी महासंघ के कोषाध्यक्ष व रामभाऊ राउत पतसंस्था के डायरेक्टर (संचालक) भी हैं।

गणतंत्र दिवस का हुआ आयोजन

आगरा। राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस का आयोजन स्थानीय माहेश्वरी समाज, माहेश्वरी महिला मंडल व युवा मंडल द्वारा माथुर वैश्य भवन पंचकुइया में हर्षोल्लास के साथ किया गया। माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष कुंजबिहारी काहल्या व माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा कुसुम सांवल द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप गुप्ता ने किया। इस अवसर पर समाजसेवी लोचनप्रसाद गांधी व महावीर प्रसाद दूदानी का सम्मान भी किया गया।

> "अहंकार के अंधे इंसान को न तो अपनी गलतियां दिखती हैं और न ही दूसरों में अच्छी बातें।"

डॉ. मूंदड़ा को दैनिक मराठवाडा साथी पुरस्कार

परली बैजनाथ (बीड)। ख्यात चिकित्सक डॉ. फूलचंद मूंदड़ा को उनकी वैद्यकीय जनसेवा के लिए दैनिक मराठवाड़ा साथी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस कार्य में इनकी धर्म पत्नी जमनाबाई का भी सहभाग रहता है। स्थानीय वृत्तपत्र 'दैनिक मराठवाड़ा साथी' के संपादक मोहलाल बियाणी ने डॉ. मूंदड़ा को परली भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया।

हरियाणा-पंजाब प्रदेश सभा की बैठक सम्पन्न

पंचकुला। हरियाणा-पंजाब-हिमाचल-जम्मुकश्मीर प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की बैठक गत 03 जनवरी को प्रदेश अध्यक्ष अशोक सोमानी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इसमें सम्पूर्ण प्रदेश से आए करीब 60 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। ट्राईसिटी जिला सभा के सचिव राजेन्द्र चांडक ने आंगतुकों का स्वागत किया। अशोक सोमानी (सभापति), रामानंद माहेश्वरी (उपसभापति), पवन होलानी (महासभा कार्यसमिति सदस्य), श्रीकांत बाल्दी (महासभा कार्यकारी मंडल सदस्य) राजेन्द्र कलंत्री (महामंत्री), प्रदीप पेड़ीवाल (अध्यक्ष प्रादेशिक ट्रस्ट), अमित माहेश्वरी (अध्यक्ष प्रादेशिक युवा संगठन), अशोक गोदानी (कोषाध्यक्ष), राजेश साबू अध्यक्ष ट्राईसिटी माहेश्वरी सभा मंचासीन थे। ट्राईसिटी जिला अध्यक्ष राजेश साबू ने मंचासीन अतिथियों का स्वागत करते हुए उपस्थित समाजजनों का आभार प्रकट किया। पवन होलानी ने संगठन के महत्व पर प्रकाश डाला। श्रीकान्त बाल्दी ने अपने उद्बोधन में माहेश्वरी बंधुओं से प्रशासनिक सेवा में भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया। सभापति अशोक सोमानी ने समाजबंधुओं से समाज के प्रति अपने कर्त्तव्यों का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने प्रदेश के किसी भी स्थान पर माहेश्वरी भवन / छात्रावास निर्माण हेतु एक लाख रुपये निजी रूप से दान देने तथा समाज के जरूरतमंद बन्धुओं को सहायता प्रदान करने के अपने संकल्प को दोहराया।

वेलेन्टाईन डे पर परिन्दों व पेड़ों से प्यार

भीलवाड़ा। पीपुल फॉर एनीमल्स संस्था ने वेलेन्टाईन डे के उपलक्ष में प्रकृति, परिन्दों व पेड़ों से प्यार कर इनके संरक्षण की अपील की। संस्था के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने बताया कि हनुमान कॉलोनी स्थित प्रकृति विहार में युवा जोड़ों निधि-उज्ज्वल झंवर, अभिनव-हिमांशी पारीक व प्रिशिता-गौरव जाजू ने पेड़ों को रक्षासूत्र बांधकर परिन्दों को दाना-पानी दिया तथा वेलेन्टाईन डे पर पर्यावरण व प्रकृति बचाने का संदेश दिया।

शवदाह संस्कार में ग्रीन टेक्नोलॉजी का किया स्वागत

भीलवाड़ा। शवदाह संस्कार में पारम्परिक विधि के मामलों में एनजीटी व सुप्रीम कोर्ट के चिता जलाने व ग्रीन टेक्नोलॉजी अपनाने के आदेश का स्वागत करते हुए देश की सर्वश्रेष्ठ पंचमुखी मुक्तिधाम विकास समिति भीलवाड़ा के सचिव पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू ने कहा कि न्यायालय का यह फैसला समय की मांग के अनुरूप है। 125 करोड़ की आबादी वाले इस देश में लगभग 7 करोड़ पेड़ों को तो केवल दाह-संस्कार के लिए ही काटा जाता है। एक मुर्दा चार जीवित पेड़ों को अपने साथ लेकर जाता है। श्री जाजू ने कहा कि देश में घटते जंगलों से विकराल होती स्थिति में एल.पी.जी. व विद्युत शवदाह गृह में चिता का दाह संस्कार करने के लिए सरकार को प्रत्येक जिला मुख्यालय व तहसील मुख्यालय पर शवदाह गृह लगाया जाना चाहिए व उक्त विधि के लिए लोगों में चेतना जागृत करने का काम बड़े पैमाने पर किया जाना चाहिए।

माहेश्वरी विद्यालय का शिलान्यास

हैदराबाद। माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारा पुराना कबूतरखाना क्षेत्र में संचालित श्री माहेश्वरी विद्यालय के नवीन भवन निर्माण हेतु शिलान्यास गत 10 फरवरी को प्रातः 11.30 बजे ख्यात उद्योगपति श्रीमती व श्री रामनिवास भूतड़ा के करकमलों द्वारा हुआ। ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी रमेश कुमार बंग ने बताया कि मुख्य अतिथि के रूप में चारमिनार विधान सभा क्षेत्र के विधायक सैयद अहमद पाशा खादरी उपस्थित थे। विशेष अतिथि के रूप में पत्थरगट्टी के नवनिर्वाचित पार्षद सैयद महमूद खादरी, पुरानापुल के नवनिर्वाचित पार्षद सुन्नम राजमोहन, डी.सी.पी. साऊथ जोन वी. सत्यनारायण, एसीपी चारमिनार अशोक चक्रवर्ती उपस्थित थे। ट्रस्ट के चेयरमैन श्रीनिवास बंग, वाईस चेयरमैन कन्हैयालाल लोहिया तथा कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश करवा ने अतिथियों का स्वागत किया। माहेश्वरी समाज-हैदराबाद-सिकन्दराबाद के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण राठी, ट्रस्ट के कानूनी सलाहकार मुरलीनारायण बंग व रामकिशोर बल्दवा भी मंचासीन थे। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज के कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

व्यास नगर सेवा संस्थान को जनरेटर भेंट

भीलवाड़ा। समाज सदस्य नारायणलाल दिनेश कुमार लढ़ा (माण्डल वालों) द्वारा आर.के.आर.सी. व्यास नगर महेश सेवा संस्थान को 87.50 किलोवाट का जनरेटर सेट भेंट किया। इसका उद्घाटन अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के भूतपूर्व सभापति रामपाल सोनी द्वारा राजस्थान प्रदेश दक्षिणांचल माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी, जिलाध्यक्ष जगदीश

सोमानी, नगर अध्यक्ष कैलाश कोठारी, भवन कार्यकारिणी सदस्यों एवं क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर श्री सोनी ने कहा कि ऐसे भामाशाहों के सहयोग से ही समाज में अनवरत विकास कार्य प्रगति पर रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने श्री लढ़ा का धन्यवाद ज्ञापित किया एवं भवन में हुए विकास कार्यों की सराहना की।

दम्माणी को महाराष्ट्र सुवर्ण गौरव पुरस्कार

अमरावती। राजा हरिशचंद कला क्रीड़ा प्रतिष्ठान द्वारा समाजसेवी श्याम दम्माणी को महाराष्ट्र सुवर्ण गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें सामाजिक, कला व क्रीड़ा क्षेत्र में आदर्श कार्य करने के फलस्वरूप यह सम्मान प्रदान किया गया। समारोह की

अध्यक्षता आमदार वसंतराव मालधुरे ने की। आमंत्रित अतिथियों में राज्यमंत्री सुरेखा कुंभारे नागपुर, महिला बाल कल्याण सभापति योजना पाटील जलगांव, रविन्द्र गोपकर जिला परिषद अकोला सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

दम्माणी विदर्भ रत्न से सम्मानित

अमरावती। मानवसेवा विकास फाउंडेशन द्वारा संचालित मानवसेवा साहित्य अकादमी व शब्दक्रांति प्रकाशन के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिये श्याम दम्माणी को विदर्भरत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अतिथि के रूप में दर्यापुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के आमदार रमेश बुंदेले, सुबेदार मेजर व्ही.आर. जाधव (महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय सैनिक संस्था), जे.पी. डांगे-आय.एस.एस. अध्यक्ष वित्तीय आयोग महाराष्ट्र राज्य आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे। क्रांति ज्योति सावित्रीबाई फुले जयंती के अवसर पर संयुक्त

राष्ट्र संघ के इंटरनेशनल डे ऑफ इकानॉमिक्स एंड सोशल डेव्हलपमेंट व भारत सरकार के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ राष्ट्रीय अभियान के सम्मानार्थ इस प्रतिभा सम्मेलन 2016 का आयोजन किया गया था। जिसके अंतर्गत सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, मानवसेवा, पत्रकारिता तथा योग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखित योगदान देने वालों का चयन किया गया।

सेवल्या माता का मना पाटोत्सव

औसियां। सेवल्या माताजी ओंसिया का तृतीय पाटोत्सव गत 23 जनवरी को मनाया गया। इस दिन सुबह महाअभिषेक, हवन, महाप्रसादी, नये सत्र के चुनाव तथा रात्रि में भजन-संध्या के कार्यक्रम हुऐ। हवन के यजमान सत्यनारायण, प्रकाश, भूकमचंद व प्रमोद सोनी औंसिया वाले रहे। महाप्रसादी में सम्पूर्ण माहेश्वरी समाज औंसिया ने भाग लिया। शाम 7 बजे नये सत्र के चुनाव अधिकारी मूलचन्द सोनी (औंसिया) के सान्निध्य में निर्विरोध सम्पन्न हुए। इसमें संरक्षक-भंवरलाल सोनी (जोधपुर), अध्यक्ष-रामविलास सोनी (औरंगाबाद), कार्याध्यक्ष- भंवरलाल सोनी (ओंसिया), उपाध्यक्ष-कैलास नारायण सोनी (जोराहट-आसाम), उपाध्यक्ष-सेवाराम सोनी (ओंसिया), सचिव-जे.पी. सोनी (ओंसिया), सहसचिव-भीकनचंद सोनी (तिवरी), सहसचिव-वीरेन्द्र सोनी (औरंगाबाद), कोषाध्यक्ष-नन्दकिशोर सोनी तथा व्यवस्थापक-पवन कुमार सोनी चुने गये। कार्यकारिणी सदस्यों का निर्वाचन भी हुआ।

> "मैं ही हर बार आजमाता हूं कि ईश्वर है कि नहीं पर उसने एक बार भी सबूत नहीं मांगा कि मैं इंसान हूं कि नहीं।"

परिवार परिवेदना प्रकोष्ठ का हुआ गठन

जानकीलाल मून्दड़ा

मुरलीधर गट्टानी

उदयपुर। दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा ने एक आदेश प्रसारित कर राज्य स्तर पर एक परिवार परिवेदना प्रकोष्ठ का गठन किया। इसमें प्रकोष्ठ प्रभारी जानकीलाल मून्दड़ा व हरकलाल बसेद (चित्तौड़) तथा सत्यप्रकाश काबरा (राजसमन्द), जगदीश कोगटा (भीलवाड़ा), मुरलीधर गट्टानी (उदयपुर), लोकेश आगाल (भीलवाड़ा) व लीलादेवी टावरी (राजसमन्द) सदस्य नियुक्त किये गये।

राष्ट्रीय महाअधिवेशन में विदर्भ रहा 6 स्पर्धाओं में अग्रणी

अकोला। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन का राष्ट्रीय महाअधिवेशन 'सृजन सेतु' गत दिनों इन्दौर में आयोजित किया गया। इसमें विदर्भ से प्रदेश अध्यक्ष ज्योति बाहेती, अकोला के नेतृत्व में 124 महिलाएं सम्मिलित हुई। सम्मेलन में विदर्भ प्रदेश संगठन को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। विवाह योग्य युवक-युवती के बायोडाटा संकलन एवं कोलार्ज की उत्कृष्ट प्रस्तुति हेतु विदर्भ को क्रमशः प्रथम एवं तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस हेतु विदर्भ प्रदेश अध्यक्ष ज्योति बाहेती को सम्मानित किया गया। देश भक्ति स्पर्धा में प्रदेश के यवतमाल जिले से सहभागियों को चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ, जिसमें नीता भूतड़ा, सुनीता बूब, शैलजा दरक, ऋची कलंत्री, स्मिता चांडक व नीलिमा मंत्री का सहभाग रहा। इस अधिवेशन में राष्ट्रीय स्तर पर कुल आठ स्पर्धायें रखी गयी। इसमें विदर्भ प्रदेश 6 स्पर्धाओं में अग्रणी रहा।

> किसी भी व्यक्ति को बहुत ईमानदार (सीधा साधा) नहीं होना चाहिए। सीधे वृक्ष और व्यक्ति पहले काटे जाते हैं।

"बसंत बहार" से बसंत ऋतु का स्वागत

इन्दौर। श्री माहेश्वरी महिला संगठन हाईवे क्षेत्र द्वारा समाज बंधुओं के साथ बसंत ऋतु के स्वागत में बायपास क्षेत्र की माउंट बर्ग कॉलोनी में टिफिन पार्टी का आयोजन "बसंत बहार" के रूप में किया गया।

संस्था अध्यक्ष सुषमा मालू ने बताया कि इस अवसर पर अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के सभापति जोधराज लड्ढा का सम्मान भी किया गया व डिस्पोजेबल के न्यूनतम उपयोग की शपथ ली गई। संस्था सचिव लता गट्टानी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम संयोजक कविता लाहोटी एवं आशु सारड़ा ने बासंती तम्बोला खिलाकर समां बांधा, तो सुधा मालू एवं दीपिका बाहेती ने अन्ताक्षरी खिलाकर माहौल को सुरमयी बना दिया। समाजजन की क्रियेटिविटी को बढ़ावा देने के लिए कुसुम बियाणी एवं संध्या कासट ने फूलों की रंगोली एवं फूलों की फैंसी ड्रेस का खुबसूरत संयोजन किया। आभार निर्मला मंत्री ने माना।

वित्तमंत्री ने किया रतनलाल नौलखा का सम्मान

भीलवाड़ा। भारत सरकार के वित्तमंत्री अरूण जेटली द्वारा उद्योगपति आर.एल.नोलखा के उद्योग मैनेजमेंट में उत्कृष्ट कार्य को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंट्स ऑफ इण्डिया द्वारा नई दिल्ली में आयोजित नेशनल कोस्ट कन्वेशन में आईकन अवार्ड-2016 से सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंट्स ऑफ इण्डिया के 65000 सदस्यों में से यह सम्मान केवल दो व्यक्तियों को मिला है। इनमें भीलवाड़ा के नितिन स्पिनर्स के चेयरमेन व अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के उपाध्यक्ष श्री नोलखा एक हैं।

डॉ. चांडक का किया सत्कार

धामणगांव रेल्वे। धामणगांव तालुका केमिस्ट व ड्रगिस्ट असोसिएशन द्वारा स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता व वरिष्ठ फार्मासिस्ट डॉ. खुशाल चांडक का सत्कार अन्न व औषध निरीक्षक पुष्पदास बल्लाल, अमरावती के हाथों शाल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ देकर स्थानीय माहेश्वरी भवन में किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रवीण पनपालिया तालुका संगठन अध्यक्ष ने की।

अ.भा. महामंत्री भूतड़ा का किया अभिनंदन

इन्दौर। श्री माहेश्वरी सहकारी पेढ़ी मर्यादित पर अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा का स्वागत एवं अभिनन्दन संस्था अध्यक्ष ईश्वर बाहेती व संचालक मण्डल ने किया।

मंत्री सुनील सोनी ने संस्था की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष संस्था ने 55 वर्ष पूर्ण कर 56 वें वर्ष में प्रवेश किया है। संस्था को अनेक वर्षो से सहकारिता विभाग द्वारा "अ" श्रेणी प्राप्त होती आ रही है। इस वर्ष 20% लाभांश वितरीत किया गया है। कार्यक्रम का संचालन लक्ष्मणकुमार मुछाल ने किया। श्री भूतड़ा का स्वागत उपाध्यक्ष सुषमा मालू, कल्याणमल मंत्री, मोहनलाल परवाल व राजेश काबरा ने किया। पूर्व उपसभापति रंगनाथ न्याती व इन्दौर माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष रामेश्वरलाल असावा का भी स्वागत किया गया। आभार कोषाध्यक्ष लव शारदा ने माना। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सम्पतकुमार मानधन्या, रमेश बाहेती, बंशीलाल भूतड़ा, महेश जाजू आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

पुलिस ने किया शरद बागड़ी का सम्मान

नागपुर। महाराष्ट्र पोलिस ने पिछले एक साल मे अपने कार्यशैली मे बदलाव करते हुये बढ़ते अपराध व अपराधियो को अलग-थलग करने के लिये सामाजिक कार्यकर्ता व साधारण सामान्य नागरिक को अपने साथ शामिल करने की मुहिम शुरु की है। इसके तहत पुलिस मित्र बनाने एवं अच्छा सामाजिक कार्य करने वाले नागरिकों को प्रोत्साहन देकर उनका सत्कार सम्मान करना है। शरद गोपीदास बागडी का इसमें योगदान के लिए एसीपी त्रिपाठी व आरपीई शेख ने सत्कार कर प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मान किया। विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े शरद बागड़ी महाराष्ट्र ट्रान्सपोर्ट मिनीस्टर दिवाकर रावते, मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस, लायंस व रोटरी के डिस्ट्रीक्ट गवर्नर ऑफ एवं केंद्रीय मानव अधिकार, न्यू देल्ही से दो बार 'समाज गौरव' और 'समाज भूषण', भारत विकास परिषद् के अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष व हिमाचल पूर्व राज्यपाल, राजस्थान हायकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टीस के हाथों 'विकास-रत्न' पुरस्कार व भारत के सबसे बडे शेयर ब्रोकिंग हाऊस से मोतीलाल ओसवाल सिक्युरीटीज से 'वेल्थ क्रियेटर ऑफ डिकेड' पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं।

रामदयाल जी महाराज का मना पाटोत्सव

उदयपुर। ख्यात समाजसेवी रामपाल सोमानी द्वारा गत 17 से 21 जनवरी तक स्थानीय माहेश्वरी भवन में 22वें पाटोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिदिन प्रातः 9 से 11 बजे तक भगवत गीता एवं अनुभव वाणी पर महाराज के प्रवचनों का लाभ हजारों श्रद्धालुओं ने लिया। 17 जनवरी को भव्य शोभा यात्रा निकाली गई।

वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ की आम सभा संपन्न

अकोला। स्थानीय माहेश्वरी समाज वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ की आमसभा ल.रा. तो. माहेश्वरी भवन में संपन्न हुई। अध्यक्ष शिवभगवान भाला, संस्थापक अध्यक्ष शंकरलाल चांडक तथा पूर्व अध्यक्ष शंकरलाल बियाणी मंच पर उपस्थित थे। कोषाध्यक्ष राधेश्याम भंसाली ने आर्थिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। नए सदस्यों का कार्यकारिणी द्वारा स्वागत भी किया गया। प्रकोष्ठ के सदस्य चंदुलाल चांडक द्वारा उम्र के 86 वर्ष की उम्र में मुंबई चौपाटी पर योगासानों का अनुठा प्रदर्शन कर सबको प्रेरित किया गया। अतः प्रकोष्ठ अध्यक्ष शिवभगवान भाला ने उनका इस उपलब्धि पर प्रकोष्ठ की ओर से सत्कार किया। इसी सभा में बीच से दिसंबर 15 से जनवरी 16 के बीच जिन सदस्यों के जन्म दिवस आए, उनका भी पुष्प द्वारा अभिनंदन किया गया। सभा में घनश्याम भट्टड़, शंकरलाल चांडक, शंकरलाल बियाणी, चोथमल सारडा ने विचार व्यक्त किये। सभा का संचालन व आभार प्रदर्शन सचिव कांतिलाल काबरा ने किया। राधेश्याम भंसाली, गोकुलचंद झंवर, घनश्याम भट्टड़, हरिश मानधने, सुभाष बड्ढा आदि का विशेष योगदान रहा।

महिलाओं ने किये सामूहिक आयोजन

कोटा। स्थानीय महिला मण्डल द्वारा विनीता लाहोटी की अध्यक्षता में गत 12 अक्टूबर को पल्लवित कुसुम नाट्य प्रतियोगिता रखी गई थी। इसमें संध्या लड्ढा ग्रुप प्रथम व कान्ता पलौड़ ग्रुप द्वितीय स्थान पर रहे। 30 अक्टूबर को करवा चौथ का सामूहिक आयोजन किया गया। साथ ही करवा सजाओ व करवा चौथ क्वीन प्रतियोगिता भी रखी गई। 22 नवम्बर को तुलसी संग सालिगराम विवाह धूमधाम से किया गया। इसमें आशा माहेश्वरी ने वधु पक्ष व संध्या लड्ढा ने वर पक्ष की ओर से विवाह में होने वाली गणेश पूजन से लेकर विदाई तक की सभी रस्मों को सम्पन्न किया।

"गठरी बाँध बैठा है अनाड़ी
साथ जो ले जाना था
वो तो कमाया ही नहीं।"

डॉ. सुमन काबरा राष्ट्रपति से पुरस्कृत

दिल्ली। भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने स्वास्थ्य सेवा में उत्कृष्ण कार्य करने के लिये राजस्थान युनिवर्सिटी की डीन प्रोफेसर डॉ. सुमन काबरा को गणतंत्र दिवस के अवसर पर 22 जनवरी को राष्ट्रपति भवन में प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया। इसमें सम्मान के लिये वूमेन एण्ड चाइल्ड डवलेपमेंट मंत्रालय ने अपने-अपने क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य करने के लिए 100 महिलाओं को चुना है। डॉ. काबरा को इनोवेशन और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा के लिये यह सम्मान मिला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी ट्वीट कर बधाई दी। डॉ. काबरा दिल्ली निवासी स्व. श्री ब्रिजमोहन काबरा की सुपुत्री हैं। उक्त जानकारी हापुड़ जिला माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र महेश ने दी है।

पेपर रद्दी एकत्र कर मनाया जन्मदिन

अमरावती। रोटरी क्लब ऑफ अमरावती मिडटाऊन के भूतपूर्व अध्यक्ष आनंद मालपाणी ने अपना जन्मदिन पेपर रद्दी इकट्ठी कर मनाया। इस अवसर पर करीब 100 किलो पेपर रद्दी जमा हुई। इससे प्राप्त आय राशि अंधे व अपंगों की सेवा में डॉ. गोविन्द कासट द्वारा भेंट की गई। डॉ. टवाणी, बाबूलाल कलंत्री, हेमंत हेड़ा, प्रमोद मालपाणी, मनोहर मालपाणी, डॉ. मालपाणी, ओमप्रकाश लोहाटी आदि कई गणमान्यजनों का सहयोग रहा।

"अगर मेरे पास 1 रुपया है और आपके पास भी 1 रुपया है, अगर हम एक-दूसरे से बदल लें तो दोनों के पास 1-1 रुपया ही रहेगा। किन्तु अगर मेरे पास 1 अच्छा विचार है और आपके पास भी 1 अच्छा विचार है अगर हम दोनों आपस में बदल लें तो दोनों के पास 2-2 विचार होंगे।"

माहेश्वरी मंडल के चुनाव सम्पन्न

दिल्ली। माहेश्वरी मंडल (दिल्ली) की कार्यकारिणी के चुनाव, चुनाव अधिकारी विनोद सोमानी की देख-रेख में गत 10 जनवरी को माहेश्वरी भवन अशोक विहार में संपन्न हुए। इसमें अध्यक्ष सोहनलाल कासट, मंत्री विक्रम लखोटिया, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश करनानी, अनंत लोया, नंदकिशोर करवा व कैलाशचंद मालानी, उपमंत्री-रामचन्द्र राठी, अरूण सारड़ा, राजेन्द्र काबरा व अनिल मंत्री, कोषाध्यक्ष-शंकर सोमानी तथा उपकोषाध्यक्ष-बृजमोहन राठी चुने गये।

जाजू ट्रस्ट ने दी सहायता

सूरत। अ.भा. माहेश्वरी महासभा की सेवा संस्था श्रीकृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट द्वारा गत जनवरी माह में देश के विभिन्न भागों के 9 नये जरूरतमंदों को सहायता प्राप्त की गई है। इस प्रकार इस माह में ट्रस्ट ने 389 लोगों को कुल 3 लाख 87 हजार 290 रुपये की सहायता प्रदान की है। उक्त जानकारी देते हुए ट्रस्ट के मेनेजिंग ट्रस्टी एस.एल. सोमानी ने बताया कि इस माह में ट्रस्ट को माहेश्वरी मंडल दिल्ली से 1 लाख 26 हजार रुपये की सहयोग राशि प्राप्त हुई है।

बागड़ी विकास रत्न पुरस्कार से सम्मानित

नागपुर। समाजसेवी शरद-गोपीदास बागडी को भारत विकास परिषद् द्वारा 'विकास-रत्न' पुरस्कार से दो दिवसीय अधिवेशन 'अंत्योदय' में सम्मानित किया गया। इस अधिवेशन मे राजस्थान हाईकोर्ट के रिटार्यड मुख्य न्यायाधीश व हिमाचल के पूर्व राज्यपाल विष्णु कोकजे, क्षेत्रीय संरक्षक वीरेंद्र याग्निक, भाविप के नेशनल अध्यक्ष सीताराम पारीक, संगठन महामंत्री अजय दत्ता, दीपक तामशैटीवार, विदर्भ प्रांत कार्यवाहक, सुरेश जैन, क्षेत्रीय संपर्क प्रमुख, सुरेंद्र गुप्ता, राष्ट्रीय संगठन मंत्री कमलेश पारिक आदि अतिथि के रूप में उपस्थित थे। पुरस्कार सेशन मे सोलर इंडस्ट्रीज लि. के सत्यनारायण नुवाल उपस्थित थे। नागपुर के अधिवेशन के संयोजक शरद बागडी को नेशनल अध्यक्ष श्री पारिक व मुख्य अतिथि सत्यनारायण नुवाल के हाथों पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पुण्य स्मृति में हुआ रक्तदान

पुणे। स्व. श्री मुरलीधर तथा स्व. श्री अशोक नावंदर की पुण्य स्मृति में 19 वें रक्तदान शिविर का आयोजन सेक्टर नं. 27 में संत तुकाराम उद्यान के विठ्ठल मंदिर में हुआ। इसमें 291 युनिट रक्त संकलन हुआ। गत 17 वर्ष से स्व. श्री अशोक नावंदर इस शिविर का आयोजन करते थे। उनके देहावसान के पश्चात् उनके दोनों भाई तथा दोनों पुत्रों ने यह शिविर सतत रूप से चलाने का बीड़ा उठाया। इस कार्यक्रम में भा.ज.पा. के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू, सांसद अमर साबले, रक्ताचे नाते ट्रस्ट के अध्यक्ष राम बांगड, महेश बैंक पुणे के उपाध्यक्ष जुगल पुंगलिया, महेश सेवा संघ के भूतपूर्व अध्यक्ष श्रीकांत लखोटिया आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे। शिविर में महेश सांस्कृतिक मंडल पिंपरी चिंचवड जागृति प्रतिष्ठान तथा फ्रेंडस् क्लब ऑफ प्राधिकरण का सहयोग मिला। नावंदर परिवार के सुभाष, सुरेश, गोवर्धन, सचिन व मनीष ने सभी रक्तदाता तथा अतिथियों का स्वागत किया। महेश सांस्कृतिक मंडल के कार्याध्यक्ष मुरली सारडा ने आभार प्रकट किया।

सोनी परिवार के स्नेह मिलन का हुआ आयोजन

वरंगल। वरंगल के साथ करीमनगर, बेल्लमपल्ली, पेद्दापली व नालवार आदि सोनी परिवारों का स्नेह मिलन गत 26 जनवरी को आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में वरिष्ठ सदस्य हरिकिशन जी व भिकुलाल के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। तत्पश्चात सोनी परिवार की कुलदेवी सेवल्या माता की पूजा आरती सभी ने मिलकर की। सोनी परिवार के वरिष्ठ हरिकिशन जी धर्मपत्नी कमला बाई, स्वःगोविन्दराम जी की धर्मपपत्नी वनमालाबाई, स्व. भगवानदास जी की धर्मपत्नी विमलदेवी, भिकुलालजी की धर्मपत्नी सहित सभी वरिष्ठों का पाद पूजन परिवार वालों ने मिलकर किया और शाल पगड़ी से सभी का सम्मान किया। सभी के लियें खेलकूद का आयोजन भी हुआ।

"'पैसा' एक ही भाषा बोलता है– अगर तुमने 'आज' मुझे बचा लिया, तो 'कल' मैं तुम्हें बचा लूंगा।
'पैसा' फिर कहता है– भले मैं ऊपर साथ नहीं जाऊंगा,
पर जब तक मैं नीचे हूँ, तुझे बहुत ऊपर लेकर जाऊंगा।"

मून्धड़ा की स्मृति में विद्यार्थी सम्मान

बीकानेर। श्री कृष्ण माहेश्वरी मण्डल के तत्वावधान में आयोजित "31वां सेठ गिरधर दास जगमोहन दास मून्धड़ा स्मृति जिला स्तरीय माहेश्वरी मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह" उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ । माहेश्वरी समाज के मीडिया प्रभारी पवन राठी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीगंगानगर निवासी पदम् श्री से सम्मानित श्यामसुन्दर माहेश्वरी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयोजक शशिमोहन मून्धड़ा ने की। बाबूलाल मोहता के स्वागत उद्बोधन के साथ मण्डल अध्यक्ष नारायण बिहाणी ने मण्डल की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। श्री बिहाणी ने बताया कि कार्यक्रम का संचालन पवन राठी (मंत्री जिला माहेश्वरी युवा संगठन) व शिल्पा मोहता द्वारा किया गया। मण्डल के मंत्री मनोज बिहाणी ने बताया कि कार्यक्रम में बीकानेर, नोखा, नापासर, खाजूवाला, श्रीडूंगरगढ़ आदि क्षेत्रों से आये 180 प्रतिभावान छात्र/छात्राओं को सैकण्डरी, सीनियर सैकण्डरी, स्नातक, स्नातकोत्तर के अलावा अन्य प्रोफेशनल (व्यवसायिक) डिग्रियों हेतु पुरस्कृत किया गया। जुगल राठी, गोपीकिशन पेड़ीवाल, घनश्याम कल्याणी, अशोक बागड़ी, मनमोहन लोहिया, नारायणदास दम्माणी, किशन चाण्डक, नवरतन द्वारकाणी आदि उपस्थित थे।

धनुर्मास महोत्सव का हुआ आयोजन

पुणे। संस्था श्री माहेश्वरी बालाजी मंदिर में 17 दिसम्बर से 15 जनवरी तक श्री धनुर्मास महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में प्रतिदिन मंगल आरती, स्तोत्रपाठ, तुलसी-कुंकुम अर्चना एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 15 दिन तक प्रातः कालीन प्रभात फेरी भी निकाली गई। संस्था अध्यक्ष सुरेश नांवदर ने बताया कि महोत्सव के दौरान भगवान श्री रंगनाथ जी एवम् गोदम्बा देवी का विवाह उत्सव मनाया गया। मकर संक्रांति के दिन समापन अवसर पर 300 यजमान तथा करीबन 1200 श्रद्धालुओं ने प्रसाद का लाभ उठाया। सह-सचिव अशोक जाजू ने आभार व्यक्त किया। इसमें संस्था अध्यक्ष सुरेश नावंदर, उत्सव समिति अध्यक्ष जसराज राठी, धीरज मूंदड़ा, घनश्याम मूंदड़ा, नंदकिशोर फोफलिया, रतनलाल चांडक आदि का सक्रिय योगदान रहा।

मोतीचूर के लड्डू

सामग्री। 2 कप बेसन, 3 कप चीनी, 1/4 चम्मच केशर, 1 छोटा चम्मच इलायची पावडर, 500 ग्राम काजू, 25 ग्राम किशमिश।

विधि। बेसन को छानकर पकौड़ी के घोल की तरह भिगाये। चीनी में 1 कप पानी डालकर एकतार की चाशनी बनाकर रखें। कढ़ाई में घी गरम करके मोतीचूर के झारे पर बेसन का घोल डालकर झारे को ढक-ढक करके बूंदी झार लें। ये गुलाबी रंग की होने पर निकाल लेवें। चाशनी में केशर, इलायची, काजू टुकड़ा और किशमिश डालकर मिला लें। फिर चाशनी और बूंदी दोनों रहें, तब मिलायें और एक घंटे बाद इसके लड्डू बना लें। आपके मोतीचूर तैयार हैं।

पूनम राठी
मो. 99700 57423

"जो भी चीज तुम्हें कमजोर बनाती हैं
उन चीजों को जहर समझकर त्याग दो।"

वनभोज के साथ आंखों की जांच

छिंदवाड़ा। माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा संगीता-राजकुमार राठी ने बताया कि महिला मंडल द्वारा समाज के लिए 'वन भोज' का आयोजन ओशो आश्रम वनगाँव में किया गया। इसमें सभी के मनोरंजन के लिए विविध प्रकार के गेम्स एवं हॉऊजी खेलाई गई। वहाँ पर सभी लोगो का ऑइ चेकअप भी करवाया गया। संगठन की गतिविधियों में मकर संक्रांति के अवसर पर स्कूल के गरीब बच्चों को स्वेटर एवं खाद्य सामग्री वितरीत की गई। ठंड मे खाने का मजा लेने लिए महिला मंडल द्वारा कुकिंग क्लास का आयोजन भी किया गया था। इसमें झटपट नाश्ता, शाही सब्जियां एवं नॉन-कुलचा आदि सिखाया गया। ममता मालपानी, अल्का जाखोटीया, अर्चना चांडक, छाया गाँधी, उषा राठी, संगीता राठी, अरुणा राठी, रेणू चांडक, अल्पना भैया, कुंजबाला काबरा आदि समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

ट्रैफिक अवेयरनेस कार्यक्रम में बागड़ी का किया सम्मान

नागपुर। ट्रैफिक पोलिस व रोटरी द्वारा रोड सुरक्षा सप्ताह के तहत धरमपेठ मे स्कूल के बच्चो के लिये ट्रैफिक अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमे विभिन्न स्कूलों के चार सौ बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग से डीसीपी भरत टांगडे, एसीपी राम पठारे, पीआई संजय पांडे, शुभदा शंखे व रोटरी डिस्ट्रीक्ट के असिस्टेंड गवर्नर मनोहर गोलहर, अध्यक्ष प्रशांत पिंपलवार, उपाध्यक्ष व मुख्य सलाहकार शरद बागडी, सचिव चंद्रशेखर लौटावार आदि उपस्थित थे। बच्चो को स्लाईड शो द्वारा फिल्म भी दिखायी गई। कार्यक्रम के अंत मे एसीपी व डीसीपी ने आभार प्रदर्शन करते हुए वरिष्ठ समाजसेवी व मुख्य सलाहकार शरद बागड़ी का सम्मान किया।

विद्यार्थियों को सायकिल का वितरण

अकोला। अकोला तहसील माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा श्री ब्रजलाल बियाणी की जयन्ती तथा भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर के महानिर्वाण के दिन स्थानीय सूर्योदय बालग्रह के विद्यार्थियों को सायकल का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एच.डी.एफ.सी होम्स लि. के मुख्य व्यवस्थापक प्रवीण मुन्दड़ा थे। विशेष अतिथि के रूप में निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष रमण हेड़ा, प्रान्त उपाध्यक्ष शैलेश तोषणीवाल, राष्ट्रीय प्रतिनिधि संदेश रान्दड़, प्रगति मंडल के अध्यक्ष दीपक राठी, जिला सचिव आनन्द डागा, सचिव विशाल लड्ढा तथा सूर्योदय बालगृह के संचालक शिवराज पाटील आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अकोला तहसील माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष सागर लोहिया ने की। गोविन्द सारडा, उपाध्यक्ष शैलेन्द्र तोष्णीवाल व सूरज हेडा ने अतिथि स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन सचिव पवन मानधने व आभार प्रदर्शन रमेश बांगड ने किया।

स्वास्थ्य जांच के साथ रक्तदान

बेंगलुरू। गणतंत्र दिवस के अवसर पर स्थानीय माहेश्वरी सभा व माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में गत 26 जनवरी को बन्नरघट्टा रोड स्थित श्री श्याम मंदिर परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पूर्व झंडावंदन किया गया। शिविर में करीब 250 लोगों ने ईसीजी, इको, नेत्र चिकित्सा, दंत चिकित्सा एवं सामान्य स्वास्थ्य जांच कराई तथा रक्तदान शिविर में 40 युनिट रक्त संग्रहित हुआ। इस अवसर पर माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन श्रीकिशन राठी, माहेश्वरी फाउण्डेशन के चेयरमैन गौरीशंकर सारड़ा, माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष कृष्णा डागा, माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष राजगोपाल भूतड़ा, माहेश्वरी युवा संघ के उपाध्यक्ष अमित माहेश्वरी तथा वरिष्ठ सदस्य ओमप्रकाश मानधना सहित समाज के कई गणमान्यजन उपस्थित थे। शिविर संयोजक विनित बियाणी एवं युवा संघ के कार्यकर्ताओं ने व्यवस्था संभाली।

> "तुम कब 'सही' थे,
> इसे कोई याद नहीं रखता
> और तुम कब 'गलत' थे
> इसे कोई नहीं भूलता।"

मुलाहिज़ा फरमाइये

जो मिलते हैं वे बिछड़ते भी हैं,
साहिब हम नादान थे,
कुछ मुलाकातों को जिंदगी समझ बैठे।

इजहार कर देना साहब,
वरना खामोशी उम्रभर का इंतजार बन जाती है।

न जाने क्या मासूमियत है, तेरे चेहरे पर
तेरे सामने आने से ज्यादा
तुझे छुपकर देखना ज्यादा अच्छा लगता है।

▸▸ डॉ. नारायण तिवारी, एम.ए., एम.बी.बी.एस., पी.जी.डी., उज्जैन

राठी बने चेम्बर ऑफ कामर्स के सचिव

जोधपुर। गतमाह मारवाड़ चैम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज की कार्यकारिणी समिति के वर्ष 2016-18 के चुनाव सम्पन्न हुए। इसमें भगवती-नारायण राठी समिति के कोषाध्यक्ष निर्वाचित किए गए। उल्लेखनीय है कि वे चार बार कार्यकारिणी के सदस्य रह चुके है। पूर्व में वे श्री माहेश्वरी समाज समिति पश्चिमी क्षेत्र के अध्यक्ष, लॉयन क्लब ऑफ जोधपुर वेस्ट के सचिव तथा विश्व हिन्दू परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष व रामनवमी महोत्सव समिति के दो बार संयोजक भी रह चुके हैं। वर्तमान में गर्भस्थ शिशु संरक्षण समिति जोधपुर महानगर के अध्यक्ष हैं।

INVITING YOU IN SIMHASTHA-MAHAPARVA - 22 APRIL TO 21 MAY 2016

With Best Compliments- SRI MAHESHWARI TIMES, Ujjain

मकर संक्राति पर खिचड़ी वितरण

मेरठ। गत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी मकर संक्रांति पर्व पर "माहेश्वरी सभा मेरठ" द्वारा गढ़रोड मेरठ में 300 किग्रा खिचड़ी का वितरण किया गया। कुष्ठ आश्रम में खिचड़ी व कपड़े भेंट किये गये। इस कार्य में विपिन माहेश्वरी, पवन राठी, रामकुमार टावरी (दिल्ली वाले), रवि शंकर भुराड़िया, योगेश मोहता, नरेन्द्र राठी, अशोक माहेश्वरी, अनिल राठी, गिरिराज किशार मूना, अरविन्द तापड़िया, राजेन्द्र राठी, अशोक राठी, प्रमोद केला, हरि मूना, कृष्णकांत राठी, सत्यनारायण लाहोटी आदि का सहयोग रहा।

"दूसरों की अपेक्षा
यदि आपको सफलता
देर से मिले
तो निराश नहीं होना चाहिए
क्योंकि
'मकान'
बनने से ज्यादा समय
'महल'
बनने में लगता है।"

'एमएमसीएल टी-20' का हुआ आयोजन

दिल्ली। स्थानीय माहेश्वरी मण्डल द्वारा 'माहेश्वरी मण्डल क्रिकेट लीग-2015' का आयोजन गत 13 से 20 दिसम्बर के बीच दिल्ली के विभिन्न क्रिकेट मैदानों में किया गया। क्रिकेट लीग की शुरुआत में चार टीमों के आपस में मैच कराए गए। करीब 400-500 समाज बन्धुओं के मध्य लीग मैचों के परिणाम उपरान्त, तीसरे व चौथे स्थान के लिए माहेश्वरी लायन्स बनाम माहेश्वरी रॉयल्स के बीच एवं फाइनल मैच माहेश्वरी नाइट राइडर्स व माहेश्वरी वारियर्स के बीच प्रारम्भ हुआ। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी आशीष नेहरा भी उपस्थित रहे। इस लीग में माहेश्वरी वारियर्स ने जीत के साथ प्रथम पायदान पर पहुँचकर स्वर्णिम ट्रॉफी प्राप्त कर माहौल को रोमांचक बना दिया। माहेश्वरी नाइट राइडर्स को रजत ट्रॉफी प्रदान की गई। मण्डल अध्यक्ष सोहनलाल कासट, मंत्री महावीरप्रसाद मंत्री व लीग के चेयरमेन कमल किशोर मालपानी ने मुख्य अतिथि आशीष नेहरा के हाथों विजेता टीमों के साथ तथा रितेश दम्मानी को ऑरेंज कैप व गोविन्द बिहानी को मैन ऑफ द सीरिज का खिताब देकर सम्मानित किया गया। मण्डल द्वारा सुबह से शाम तक अल्पाहार व विभिन्न प्रकार के व्यंजनों सहित खाने की व्यवस्था की गई, जिसका सभी समाज बन्धुओं ने एक पिकनिक की तरह आनन्द लिया। आयोजन को सफल बनाने में क्रिकेट कमेटी के चेयरमैन कमलकिशोर मालपानी तथा फ्रेंचाइजी शंकर सोमानी, कमल मालपानी, अनन्त लोया, रतन लखोटिया, ओम प्रकाश मोहता आदि ने विशेष सहयोग दिया।

|| जय महेश ||

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी विवाह समिति द्वारा संचलित
वैवाहिक वेबसाईट

www.maheshwarivivahsamiti.com

अपने प्रत्याशी का ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन करें और घर बैठे देखें 2500 रिश्ते

कांतीलाल राठी
प्रदेश अध्यक्ष

B.E., MBA, C.A., Doctor, ग्रॅज्युएट युवक-युवतियों के बायोडाटा

शुल्क रू.700 (एक वर्ष के लिए)

बँक अकाऊंट माहेश्वरी सोशल सर्व्हिसेस प्रा. लि.
• SBI A/C No. 34040329615 • BULDHANA URBAN : 21 / 722

प्रादेशिक कार्यालय : हिंगोली बँक के निचे, देवलगांव राजा रोड, जालना (महा.)
फोन : (02482) 231952, मो. 8007571564, 9422215214

* फर्जी वेबसाईटों से सावधान *

'फ्री रजिस्ट्रेशन, समाज हित में' इन बातोंद्वारा कुछ वेबसाईट अभिभावकों से पैसे ऐठ रहे है । किसी भी वेबसाईट का शुल्क भरने से पहले, उस में कितने-युवक युवतियों के बायो-डाटा उपलब्ध है इसकी तसल्ली करके ही शुल्क भरे ।

''नानीबाई रो मायरो'' का हुआ आयोजन

इन्दौर। छत्रीबाग स्थित मंदिर पावनसिद्ध श्री लक्ष्मी-वेंकटेश देवस्थान में माहेश्वरी फ्रेण्डस ग्रुप के तत्वावधान और स्वामी विष्णुप्रपन्नाचार्य जी महाराज के सान्निध्य में दो दिवसीय ''नानी बाईरो मायरो'' का आयोजन पवन पण्डित कांटाफोड़ वाले के श्री मुख से हुआ। इसमें ठाकुर जी को छप्पन भोग भी लगाया गया। ग्रुप संरक्षक सुरेश राठी ने बताया कि संगठन हर साल ऐसे धार्मिक आयोजन करता है। पिछले साल तुलसी विवाह का आयोजन किया गया। अध्यक्ष-जगदीश - प्रमिला भूतड़ा, सचिव ओम - शशि सोमानी, संरक्षक सुरेश - जमना राठी, रमेश-सावित्री राठी आदि कार्यकारिणी एवं पदाधिकारियों के सहयोग से यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के संयोजक सम्पत कुमार राधा साबू, युगलकिशोर सुधा राठी, भरत सावित्री भट्टड़, पुरुषोत्तम रमा मानधन्या, बलराम कुसुम मंत्री थे।

भगवद् गीता पर प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

परभणी। गीता जयंती के अवसर पर मैत्री बालसंस्कार ग्रुप की ओर से ''कौन बनेगा भगवद् गीता का ज्ञानपति'' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भगवद् गीता के 12वें, 15वें अध्याय का पठन सब सदस्याओं ने मिलकर किया तथा नित्य पाठ बच्चों से करवाये गये। बच्चों को श्रीमद् भगवद गीता पर प्रश्नावली देकर उनकी स्पर्धा भी ली गई। मैत्री ग्रुप की अध्यक्ष सरोज गट्टाणी, संध्या काबरा, पूजा धूत, स्वाति दरक, जमुना शुक्ला, नेहा दरक आदि समस्त सदस्यों ने कार्यक्रम में योगदान दिया।

कल्याण महोत्सव का हुआ आयोजन

वरंगल। स्थानीय माहेश्वरी समाज व राजस्थानी समाज द्वारा श्रीलक्ष्मीवेंकटेश मंदिर में धनुर्मास के अंतर्गत श्रीगोदा रंगनाथ भगवान का कल्याण महोत्सव आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भगवान श्री रंगनाथ जी की बारात हीरालाल जाखोटिया के निवास से निकाली गई। इसमें अनंत श्री विभूषित जगद्गुरु रामानुजाचार्य झालरिया पीठाधीश्वर श्री घनश्यामाचार्यजी महाराज एवं वेदांत मर्मज्ञ भागवत भूषण श्री युवराज स्वामीजी जी श्रीभूदेवाचार्यजी महाराज जी के सान्निध्य में बड़ी संख्या में श्रृद्धालु शामिल हुए। श्री जाखोटिया के यहाँ सभी के किये अल्पाहार व चाय-काफी की व्यवस्था की गई।

कवि माधव दरक का सम्मान

किशनगढ़। गत 26 दिसम्बर को किशनगढ़ में आयोजित महासभा के 27 वें सत्र की बैठक में कवि माधव दरक का सम्मान किया गया। इस अवसर पर महासभा के अध्यक्ष जोधराज लड्ढा व महामंत्री रामकुमार भूतड़ा ने कहा कि श्री दरक ने अपनी काव्य प्रतिभा से आदर्श स्थापित कर माहेश्वरी समाज का नाम सम्पूर्ण राष्ट्र में गौरवान्वित किया है। सम्मान समारोह में निवर्तमान अध्यक्ष रामपाल सोनी एवं प्रदेशों के अध्यक्ष उपस्थित थे। सम्मान प्राप्त कर केलवाड़ा आने पर स्थानीय माहेश्वरी समाज ने भी श्री दरक का स्वागत सम्मान किया। जुलूस के रूप में बैण्ड बाजे के साथ उन्हें माहेश्वरी भवन ले जाया गया, जहाँ सभा आयोजित की गई।

आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

राजसंमद। नामदे मन्दिर कांकरोली पर एक दिवसीय निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न प्रकार के रोगों की जांच अत्याधुनिक मशीनों से डॉ. पवन कुमार शर्मा द्वारा की गई। इसका 371 रोगियों ने लाभ उठाया। महासचिव लक्ष्मीलाल ईनानी ने बताया कि शिविर में संस्थान अध्यक्ष केदारमल न्याती द्वारा माला व उपरना ओढ़ाकर डॉक्टर शर्मा का स्वागत किया गया। सत्यप्रकाश काबरा, हरिभगवान बंग, त्रिलोकचन्द्र मंत्री, रामजस काबरा, निरंजन असावा, ओमप्रकाश मंत्री, लक्ष्मीलाल ईनानी, हरकचंद मंत्री, विद्याशंकर झंवर, पूनम चरखा, कमलेश दरगड़, मुरलीधर बियाणी आदि समाजजनों की विशिष्ट सेवाएं रहीं।

> जिस मनुष्य में स्वयं का विवेक, चेतना और बोध नहीं है, उसके लिए शास्त्र क्या कर सकता है, जैसे कि अंधे मनुष्य के लिए दर्पण क्या कर सकता है।

दिल्ली में कार्यशाला "शिखर की ओर" की तैयारी

जालौर (राज.)। अ.भा. माहेश्वरी महासभा द्वारा "राष्ट्र निर्माण में माहेश्वरी समाज का योगदान" विषय पर बहुप्रतिक्षित कार्यशाला "शिखर की ओर" का आयोजन आगामी 16 व 17 जुलाई को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में होगा। इसे लेकर गत 5 फरवरी को राष्ट्रीय संयोजक श्याम जाजू के नेतृत्व व सांसद ओम बिड़ला के मार्गदर्शन में बैठक आयोजित हुई थी। राजस्थान की केबिनेट मंत्री किरण माहेश्वरी व सांसद सुभाष बहेड़िया भी इसमें सहयोगी होंगे। उक्त जानकारी देते हुए महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा ने बताया कि इस आयोजन की तैयारी को लेकर आगामी 12 मार्च को दिल्ली के माहेश्वरी सेवा सदन में प्रमुख संयोजक, राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रदेश अध्यक्षों, समिति संयोजक व दिल्ली के प्रमुख समाजजनों की बैठक आयोजित की गई है।

मीत क्लब की कार्यकारिणी ने ली शपथ

इन्दौर। माहेश्वरी मीत क्लब के 12वें सत्र का शपथ विधि समारोह समाज के वरिष्ठजनों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष रूपेश डॉ. दीप्ति भूतड़ा एवं सभी पदाधिकारी व कार्यसमिति को परामर्शदाता ओमप्रकाश शोभा भूतड़ा तथा घनश्याम-रश्मि काकानी द्वारा शपथ ग्रहण करवाई गयी। इस कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष- मनीष-सोनाली लाठी, सचिव- उमेश-डॉ. भावना सोमानी, सहसचिव-संजय रश्मि मुछाल, संगठन मंत्री-आशीष भावना बाहेती, कोषाध्यक्ष-राजकुमार सीमा मालानी, संपादक-रितेश रूपम काकानी तथा प्रचार सचिव-नीरज-संजना जाखोटिया चुने गये। संदेश समिति का भी गठन हुआ।

योग एवं ध्यान शिविर का हुआ आयोजन

कोलकाता। लायन्स क्लब कोलकाता द्वारा योग एवं ध्यान शिविर का आयोजन तेरापंथ भवन कोलकाता में 21 से 24 दिसम्बर तक किया गया। इसमें स्वर्ण आश्रम ऋषिकेश के संत श्री हरि के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रमुख अतिथि जगदीश चन्द्र एन. मून्दड़ा अध्यक्ष मानव सेवा ट्रस्ट कोलकाता तथा संयोजक श्यामसुन्दर काबरा थे। इसी प्रकार इन्द्राणी (महिला) क्लब द्वारा भी ध्यान एवं योग शिविर गत 28 व 29 अक्टूबर को लाखोटिया हाउस में आयोजित किया गया।

विश्व हिपेटायटिस पर दिया मार्गदर्शन

अमरावती। विश्व हिपेटायटिस दिवस का आयोजन अमरावती जिला माहेश्वरी एव अन्य संगठनों के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर डॉ. अंजली कविमंडन स्मृति हॉस्पीटल के संचालक डॉ. कविमंडन द्वारा हिपेटायटिस ए एवं बी पर मार्गदर्शन दिया गया। शिविर निःशुल्क एव सभी के लिये खुला था। डॉ. कवि मंडन का स्वागत जिला संगठन के अध्यक्ष अशोक कुमार सोनी, सचिव डॉ. विजय कुमार भांगडिया, संगठन मंत्री बंकटलाल राठी, आरोग्य समिति के डॉ. नंदकिशोर भूतड़ा व वरिष्ठ समाजसेवी श्री कासट आदि ने किया।

स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

इन्दौर। प्रयास डायबिटिक क्लीनिक सुदामा नगर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन डॉ. भरत साबू के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम की अतिथि भाजपा नेता क्षेत्रीय पार्षद लता लढ़ा थी। मारवाड़ी महिला सम्मेलन की सचिव रेणु भूतड़ा, रमेश खोटे, रवीन्द्र भदौरिया, सचिव देश पान्डे आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में डायबीटिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ। आहार विशेषज्ञ डॉ. विजेता साहू ने रोगियों को आहार परामर्श दिया। डॉ. साबू ने डायबिटिज व हृदय रोग उपचारार्थ आवश्यक टिप्स दिये। शिविर में न्यूरोपैथी , पैरों के सुन्नपन की जांच, आंखों की कम्प्यूटाईज्ड जांच, ई.सी.जी. आदि निःशुल्क किया गया। थाईराईड, लिपिड प्रोफाईल आदि जांच रियायती मूल्य पर की गई।

मयंक बने सी.ए.

चैन्नई। स्थानीय समाज सदस्य मनोज-नीतू मुंधड़ा के सुपुत्र मयंक मुंधड़ा ने पूरे भारतवर्ष में 18वीं रेंक से सी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की। मयंक ने पूरे तमिलनाडू क्षेत्र में 4थीं रेंक प्राप्त की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

तृप्ति को 92 % अंक

आर्वी (वर्धा)। सामाजिक कार्यकर्ता नारायण दास तथा रेखा चांडक की सुपुत्री तृप्ति ने कक्षा दसवीं की परीक्षा 92% प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण की। इसमें गणित विषय में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

भारत जूनिअर ॲम्बेसेडर बनी उन्नति

अमरावती। जुनियर चेम्बर इंटरनेशनल इंडिया द्वारा समाज की प्रतिभा उन्नति राठी का चयन 28 वें एशियन पॅसिफिक चिल्डर्न कन्व्हेशन फ्युकुओ 2016 के लिए जुनियर एम्बेसेडर के रूप में हुआ है। इसमें समूचे भारत से केवल तीन लड़कियों एवम् तीन लड़कों का चयन हुआ है। यह कन्वेशन आगामी 10 से 24 जुलाई तक आयोजित होगी, जिसमें उन्नति भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। उन्नति प्राध्यापक सीताराम राठी एवम राष्ट्रीय प्रशिक्षक संगीता राठी की सुपौत्री हैं।

केट परीक्षा में तुषार का श्रेष्ठ प्रदर्शन

हनुमानगढ़ (रवा)। जयपुर निवासी संतोष व राधेश्याम मर्दा के सुपुत्र तुषार मर्दा ने आईआईएम में प्रवेश के लिए होने वाली केट परीक्षा में 99.95 पर्सेंटाईल अंक प्राप्त कर समाज व परिवार के गौरव में श्रीवृद्धि की। तुषार वर्तमान में आईआईटी दिल्ली से बीटेक अंतिम वर्ष के विद्यार्थी हैं। उनका परिवार मूल रूप से हनुमानगढ़ जिले के नोहर तहसील का रहने वाला है व वर्तमान में जयपुर में निवास कर रहा है।

ओसिन बनीं शूटिंग चैम्पियन

महू (म.प्र.)। वेटनरी सर्जन डॉ. ओमप्रकाश टवाणी व शिवानी टवानी की सुपुत्री ओसिन ने गत दिनों दिल्ली में आयोजित 59वीं नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप में 0.22 स्पोर्ट्स पिस्टल सीनियर वर्ग में कांस्य तथा जूनियर वर्ग में रजत पदक प्राप्त किये। वर्ष 2009 से सतत रूप से अपनी प्रतिभा से विभिन्न पदकों पर कब्जा कर रही ओसिन ने वर्ष 2015 में ही 35वें नेशनल गेम्स केरल में कांस्य, इंटरनेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप हेन्नोवर में सिल्वर सहित कई स्पर्धाओं में विभिन्न पदक हासिल किए हैं।

मयुरी ने किया सीपीए उत्तीर्ण

अमरावती। प्रतिष्ठित व्यवसायी कमल किशोर तथा शांतादेवी दरक की पुत्रवधु तथा गोपालदास दरक की धर्मपत्नी मयुरी दरक ने कैलिफोर्निया बोर्ड ऑफ अकाउटंसी अमेरिका से सीपीए की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। विवाह के बाद उनके सास-ससुर तथा पति ने उनको आगे की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया, जिसका यह परिणाम है।

जयेश बने सीए

आमेट (राजसमन्द)। समाज के वरिष्ठ अर्जुनलाल एवं जतनदेवी चेचाणी के सुपौत्र एवं जितेन्द्र कुमार व प्रेमलता के सुपुत्र जयेश चेचाणी ने सी.ए. फाईनल की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अनुश्री बनी अबेकस की राष्ट्रीय चेम्पियन

हावड़ा। समाज के वरिष्ठ अरूण-राधा माहेश्वरी की सुपौत्री तथा आशीष सोनाली माहेश्वरी (हावड़ा) की सुपुत्री अनुश्री माहेश्वरी को अबेकस में नेशनल चैम्पियनशिप 2015-16 में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

श्वेता बनी सीए

गंगापुर। समाज सदस्य सत्यनारायण व कैलाशदेवी लड्ढा की सुपुत्री श्वेता ने सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

कृष्णकुमार बने सीए

डुँगरगांव। समाज की प्रतिभा कृष्ण कुमार बल्देवा सुपुत्र सुशील कुमार एवं तृप्ति देवी ने गत दिनों सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की। कृष्णकुमार रेवंतमल बल्देवा एवं अन्नपूर्णा देवी डूँगरगढ़ जिला बीकानेर के पौत्र तथा मदनलाल एवं गीता देवी लोहिया दडीबा के दोहित्र हैं।

खुश मेथ्स ओलंपियाड में तृतीय

वर्धा। इंटरनेशनल मेथ्स ओलंपियाड की ओर से इंटरनेशनल मेथ्स ओलंपियाड परीक्षा आयोजित हुई। इसमें मोहनलाल राठी पौत्र खुश-नरेश राठी ने 60 में से 59 अंक प्राप्त कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीसरा और महाराष्ट्र स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त किया।

भूमिका ने जीते 3 स्वर्णपदक

नागपुर। पूजा-अमित पचीसिया की सुपुत्री भूमिका ने मात्र सात साल की उम्र मे 34वीं आल इंडिया कराटे चैंपियन-शिप में तीन स्वर्ण पदक हासिल किये। इसका मित्सुया-काई हायाशी-हाशितो-रियो कराटे-दो इंडिया द्वारा नागपुर के हिसलोप कॉलेज मे 8-10 जनवरी 2016 को आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगीता मे भूमिका ने 3 स्वर्ण पदक काता,कुमीते एवं टीम काता इवेंट में हासिल किये। भूमिका ने इससे पहले भी कई पदक जीते हैं और ग्रीन बेल्ट भी हो चुकी हैं।

Net Protector

NP AV

Total Security

PC, Laptop, Tablet, Mobile

Total सुरक्षा

Call :
9272707050 / 9822882566

india antivirus.com

Computerised Horoscope

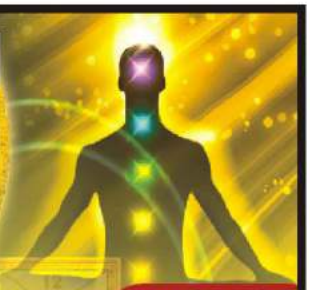

Most Advanced Mathematical Software in India

Windows based Software

- Accurate Calculations
- Accurate Charts
- Full Screen VIEW Facility
- Use any printer - Dot Matrix or Inkjet or Laser.

Choice of 6 Languages

English
Marathi
Hindi
Gujarati
Kannada
Telugu

Call: 9225664817
020-65601926

Kundali 2012

www.kundalisoftware.com

श्री द्वारिकाधीश विजयते

भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि

द्वारकाधाम

में 'श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट' द्वारा संचालित
अत्याधुनिक सुविधायुक्त एकमात्र माहेश्वरी अतिथि गृह

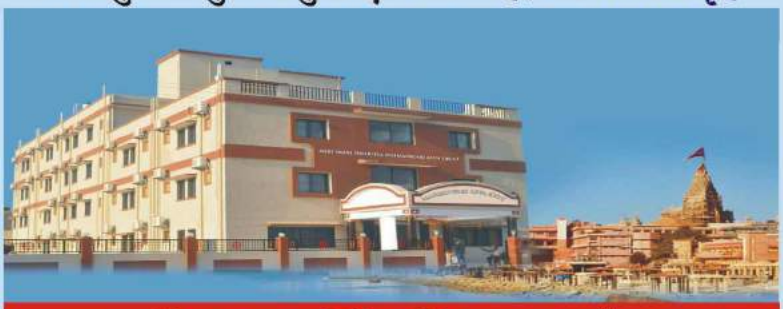

माहेश्वरी सेवा कुंज

21, द्वारकेश पार्क सोसायटी (अम्बुजा प्लाट), नागेश्वर रोड, देवभूमि द्वारका-361335 (गुजरात),
दूरभाष- 02892-235553 / 235554, मो. 097271-22111

E-mail : maheshwarisewakunj@gmail.com

आप अपना आरक्षण ई–मेल अथवा फोन से करवा सकते हैं

उपलब्ध सुविधायें

- ए.सी. व टी.वी. से सुसज्जित 47 डबल बैडरूम (अटैच्ड लैट, बॉथ)।
- 4 फैमिली ए.सी. हॉल (6 व्यक्तियों की क्षमता वाले)।
- अत्याधुनिक किचन के साथ वातानुकुलित भोजनशाला।
- वाई–फाई सुविधा से युक्त पूरा भवन
- विभिन्न मंजिलों पर जाने के लिये दो लिफ्ट की सुविधा।
- स्वच्छ आर ओ पेयजल की सुविधा
- भव्य एयरकंडीशन सत्संग हॉल।
- कार पार्किंग की सुरक्षित व्यवस्था।

श्यामसुंदर कासट (अध्यक्ष)
मो.- 098315-55555

रामस्वरूप जैथलिया (महामंत्री)
मो.- 096490-79999

विनोद कुमार बांगड (कोषाध्यक्ष)
मो. 094142-12835

भगवान महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन में 12 वर्षों में एक बार आयोजित होने वाले महापर्व ''सिंहस्थ महाकुम्भ-2016'' का आयोजन आगामी 22 अप्रैल से होगा। इस आयोजन में श्रृद्धालुओं के स्वागत में सम्पूर्ण प्रशासन, समाजसेवी, शहरवासी व श्रृद्धालुओं के साथ ही माहेश्वरी समाज भी जुटा रहेगा। यह एक ऐसा भव्य आयोजन है, जिसमें देशभर से तो करोड़ो श्रृद्धालु शामिल होते ही है, बड़ी संख्या में विश्व के कोने-कोने से भी श्रृद्धालु व पर्यटक शामिल हो, इसका पुण्य लाभ लेते हैं।

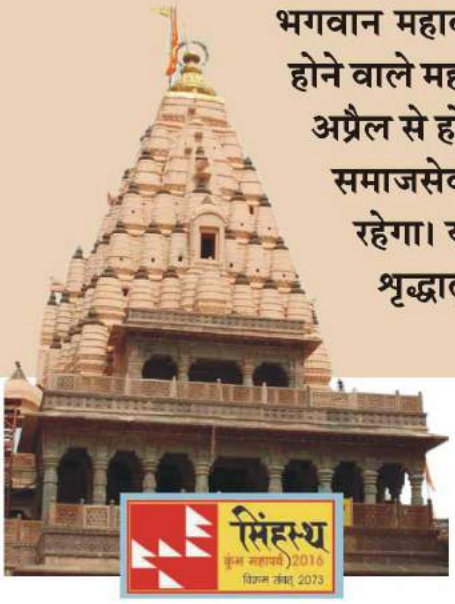

भगवान् महाकालेश्वर की नगरी उज्जयिनी में आयोजित होगा सिंहस्थ-महाकुम्भ

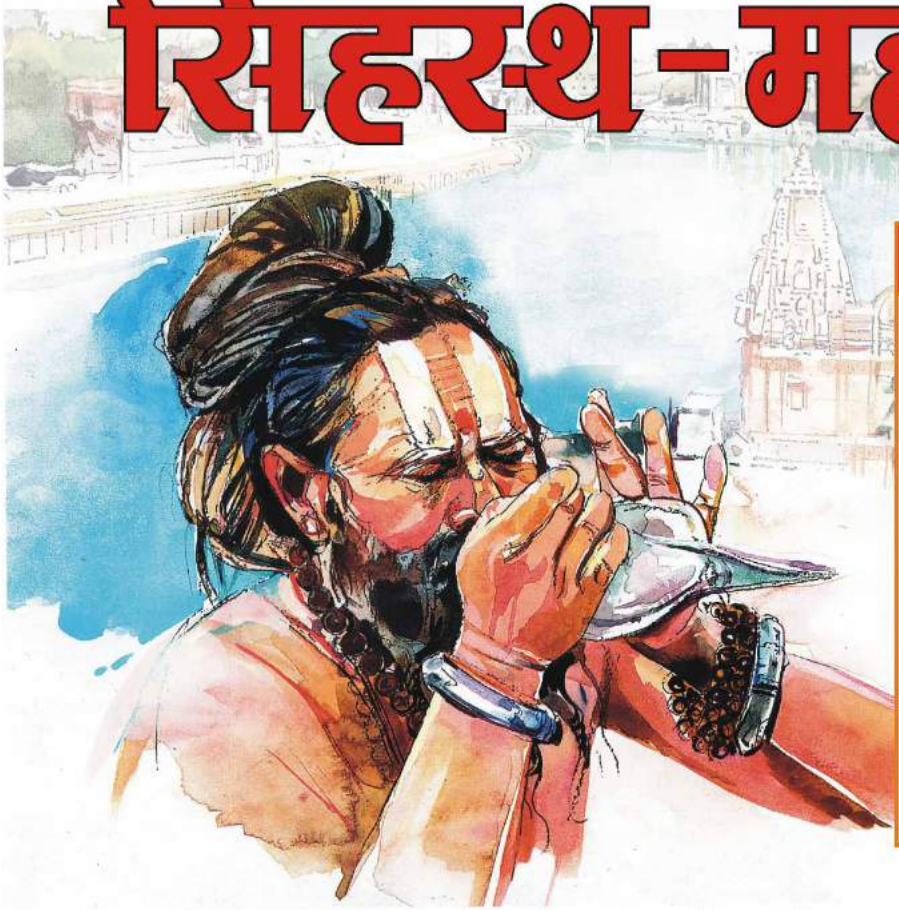

सिंहस्थ पर एक नजर...

- अनुमानित तीर्थयात्री- **5 करोड़ से अधिक**
- अन्तरिम क्षेत्र- **3000 हेक्टेयर**
- शाही स्नान के दिन तीर्थयात्री अधिकतम- **1 करोड़**
- शाही स्नान दिवस पर निवासी आबादी- **20 लाख लगभग**
- महोत्सव अवधि- **30 दिनों के लिए** *(22-04-2016 से 21-05-2016)*
- व्यवस्था- **6 जोन्स, 22 सेक्टर्स, 4 फ्लैग्स स्टेशन, 6 सैटेलाइट टाउन, कुम्भ महापर्व-2016 के दौरान अस्थायी 51 पुलिस चौकियाँ।**
- विभिन्न कार्यक्रम- **भागवत कथा, राम कथा, भजन, हवन, सुन्दरकाण्ड, पूजन, योग, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी और खेल आदि।**

भगवान् महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन (म.प्र.) आगामी 22 अप्रैल से 21 मई तक आयोजित होने वाले ''सिंहस्थ महाकुम्भ-2016'' की तैयारियों से सराबोर है। करोड़ों ही नहीं बल्कि अरबों की लागत से शहरभर में ऐसे नवीन निर्माण हुए हैं, जिससे विश्वभर से यहाँ आने वाले 3 लाख से अधिक संत-महात्माओं और करोड़ों श्रृद्धालुओं को ऐसी सुविधाऐं दी जा सकें जिससे यह आयोजन बन जाऐ, यादगार। इसके लिये 3 हजार हैक्टेयर के विशाल सिंहस्थ मेला क्षेत्र को इस बार 6 जोन में विभक्त कर तैयारी की गई है। इन जोन को टॉऊन का सा स्वरूप दिया गया है, जिनमें टॉऊन की तरह समस्त सुविधाऐं उपलब्ध रहेंगी, यहाँ तक तक एटीएम आदि भी उपलब्ध होंगे। इन टॉऊन में सुरक्षा की दृष्टि में पुलिस थाने सहित विभिन्न प्रशासनिक कार्यालय भी होंगे। आवास आदि के लिये भी पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

स्वागत के लिये सजधज कर तैयार पूरा शहर

सिंहस्थ-2016 के स्वागत के लिए सम्पूर्ण शहर दुल्हन की तरह सजधज कर तैयार हो रहा है। शहर मे विकास की गंगा प्रवाहित हो रही है। हर तरफ नवनिर्माण हो रहा है। नगर के सौन्दर्य को निखारने में न केवल प्रशासन व नगर पालिक निगम बल्कि आम नागरिकों ने भी कमर कसी है। शहर के मुख्य मार्गो पर स्थित सभी भवनों को स्वयं भवन स्वामी सफेद रंग से पुताई करवा रहे हैं। दुकानों और प्रतिष्ठानों पर एक जैसी डिजाईन के साईन बोर्ड तथा उन पर सिंहस्थ का 'लोगो' अंकित किया गया है। शहर के प्रमुख तिराहों और चौराहों का सौन्दर्यीकरण कर चौराहों पर महापुरुषों एवं संतों की प्रतिमाएँ स्थापित की गई हैं। आजाद नगर चौराहे पर स्वच्छ भारत का संदेश देतीं स्टेच्यू लगाई गई हैं।

उज्जैन शहर के सभी प्रमुख मार्गों को चौड़ा किया गया है। फुटपाथ पर आकर्षक पैवर्स ब्लॉक लगाए गये हैं। शहर में प्रवेश करने वाले मागो को फोरलेन में विकसित किया गया है। फोरलेन किये गए मार्गों में देवास रोड़ पर रुक्मणी मोटर्स से मुंगी तिराहा, इन्दौर रोड पर महामृत्युंजय द्वार से तीन बत्ती चौराहा, आगर रोड पर हरिफाटक ओव्हर ब्रिज से खिलचीपुर नाका, बड़नगर रोड पर हरिफाटक रोटरी से मुल्लापुरा तिराहा सम्मिलित हैं।

रिंगरोड के रूप में शांति पैलेस होटल तिराहे से मंगरोला-मोहनपुरा होते हुए उन्हेल रोड, भरतपुरी तिराहा-नानाखेड़ा-शांतिपैलेस होटल, इंजीनियरिंग कॉलेज तिराहे से नागझिरी-विक्रमनगर-उद्योगपुरी होते हुए मक्सीरोड ओव्हरब्रिज, मक्सीरोड ओव्हरब्रिज से मोहननगर तिराहा आगर रोड, खिलचीपुर तिराहे से खाकचौक, खाक चौक से मंगलनाथ, नरसिंहघाट से लालपुल, बड़नगर रोड से रणजीत हनुमान व्हाया मौजमखेड़ी उज्जैन उन्हेल रोड आदि मार्गों को विकसित किया गया है। उक्त सभी मार्ग सिंहस्थ की दृष्टि से उपयोगी हैं, साथ ही शहर के लिए स्थाई सौगात है। इन सभी मार्गों के निर्माण में सीमेंट कांक्रीट का उपयोग किया गया है।

सिंहस्थ की प्रमुख स्नान तिथियाँ

पर्व का आरंभ स्नान	चैत्र शुक्ल 15	22 अप्रैल	शुक्रवार
व्रत पर्व वरुथिनी एकादशी	वैशाख कृष्ण 11	03 मई	मंगलवार
स्नानपर्व	वैशाख अमावस्या	06 मई	शुक्रवार
स्नानपर्व अक्षय तृतीया	वैशाख शुक्ल 3	09 मई	सोमवार
शंकराचार्य जयंती	वैशाख शुक्ल 5	11 मई	बुधवार
वृषभ संक्रान्ति पर्व	वैशाख शुक्ल 9	15 मई	रविवार
मोहिनी एकादशी पर्व	वैशाख शुक्ल 11	17 मई	मंगलवार
प्रदोष पर्व	वैशाख शुक्ल 13	19 मई	गुरुवार
नृसिंह जयंती पर्व	वैशाख शुक्ल 14	20 मई	शुक्रवार
अंतिम व शाही स्नान	वैशाख शुक्ल 15	21 मई	शनिवार

देवास रोड पर रुक्मणी मोटर्स से मुंगी तिराहे तक रोड़ डिवाइडर पर मालवी शैली के मांडनों से मंडित सजावटी पौधों वाले सुन्दर गमले रखे गए हैं। सैन्ट्रल लाइटिंग के लिए एलईडी पैनल का उपयोग किया गया है जो बिजली की खपत को कम करने के साथ ही सड़क पर मनमोहक दुधिया रोशनी बिखेरतीं हैं। इन्दौर की ओर से आने वाला मार्ग महामृत्युंजय द्वार से तीन बत्ती चौराहा तक फोरलेन किया गया है। त्रिवेणी से तीन बत्ती चौराहा तक सैन्ट्रल लाइटिंग एवं पौधारोपण आदि का कार्य भी किया जा रहा है। महामृत्युंजय द्वार के समीप किया गया पौधारोपण उसकी सुन्दरता में चार चांद लगा रहा है। आगर रोड़ पर यातायात का दबाव प्रायः अधिक रहता है, इसे देखते हुए आगर हरिफाटक ओव्हर ब्रिज से खिलचीपुर तक मार्ग को चौड़ा किया गया है।

22 सेक्टर और 6 झोन

सुविधाओं की दृष्टि से संपूर्ण मेला क्षेत्र 6 झोन में विभाजित है, जिनके अंतर्गत 22 सेक्टर रहेंगे। इसमें सिद्धवट, काल भैरव व गढ़कालिका सेक्टर कालभैरव झोन में रहेंगे। मंगलनाथ झोन में मंगलनाथ, खिलचीपुर व खाकचौक, दत्त अखाड़ा झोन में - दत्त अखाड़ा, रणजीत हनुमान, मुल्लापुरा, उजडखेड़ा-1, उजड़खेड़ा-2 तथा भूखीमाता, महाकाल झोन में - महाकाल, लालपुल, रामघाट, हरसिद्धि, नृसिंहघाट, गोपाल मंदिर, चिंतामण गणेश सेक्टर शामिल हैं। चामुण्डा माता झोन में फ्रीगंज तथा त्रिवेणी झोन में त्रिवेणी व यंत्रमहल शामिल हैं।

कैसे पहुँचें...

वायु सेवा मार्ग

उज्जैन के शहर के सबसे पास इन्दौर का देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डा है, जो यहाँ से 55 कि.मी की दूरी पर स्थित है। निजी और सार्वजनिक घरेलू विमान सेवाओं के माध्यम से इन्दौर हवाई अड्डा भारत के अन्य महत्वपूर्ण शहरों से जुड़ा है। पर्यटक उज्जैन तक आने के लिए इन्दौर हवाई अड्डे से टैक्सी या यात्री बस भी ले सकते हैं। भोपाल हवाई अड्डा यहाँ से 172 कि.मी. दूर स्थित है।

ट्रेन मार्ग

उज्जैन जंक्शन रेलवे स्टेशन यहाँ का मुख्य रेलवे स्टेशन है जो भारत के सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों से जुड़ा है। पर्यटक उज्जैन से इंदौर, दिल्ली, पुणे, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, जम्मू, भोपाल, जयपुर, वाराणसी, गोरखपुर, रतलाम, अहमदाबाद, बड़ौदा, ग्वालियर, हैदराबाद, बैंगलोर और अन्य कई बड़े शहरों के लिए सीधी रेलगाड़ियाँ ले सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह शहर भली प्रकार से राज्य सड़क परिवहन की सार्वजनिक व निजी बसों द्वारा जुड़ा है। भोपाल (183 किमी), इन्दौर (55 किमी), अहमदाबाद (400 किमी) तथा ग्वालियर (450 किमी) से उज्जैन के लिए नियमित बसें उपलब्ध है। इसके अलावा इन मार्गों पर पर्यटक नियमित रूप से डीलक्स एसी और सुपरफास्ट बसों का लाभ भी उठा सकते है।

साधु संत बनेंगे महापर्व की शोभा

सिंहस्थ कुम्भ महापर्व 2016 के दौरान सभी अखाड़े सम्मिलित होते है एवं परंपरागत तरीके से अखाड़ों के सम्मिलित होने से सिंहस्थ कुम्भ महापर्व की शोभा बढ़ती है। अखाड़े अपने पूरे शौर्य, दल-बल व अनुयायियों के साथ सिंहस्थ कुम्भ महापर्व के दौरान उज्जैन में निवास करते हैं। इन अखाड़ों में प्रमुख रूप से श्री पंचायती तपोनिधि निरंजनी अखाड़ा, श्री पंचायती आनन्द अखाड़ा, श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा, श्री पंच दशनामी आह्वान अखाड़ा, श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा, श्री पंच अग्नि अखाड़, श्री पंच अटलअखाड़ा, श्री पंचायती बड़ा उदासीन अखाड़ा, श्री पंचायती उदासीन नया अखाड़ा, श्री पंचायती निर्मल अखाड़ा, श्री पंच रामानन्दीय निर्वाणी अनि अखाड़ा, श्री पंच दिगंबर अनि अखाड़ा, श्री पंच रामानन्दीय निर्मोही अखाड़ा आदि शामिल हैं। इनके 3 लाख से अधिक संत इसमें शामिल होंगे।

साधुओं के समूह कैसे बने अखाड़े

भारतीय सनातन धर्म के वर्तमान स्वरूप की नींव आदिगुरु शंकराचार्य ने रखी थी। शंकर का जन्म 8वीं शताब्दी के मध्य में हुआ था जब भारतीय जनमानस की दशा और दिशा बहुत बेहतर नहीं थी। भारत की धन संपदा से खींचे तमाम आक्रमणकारी यहाँ आ रहे थे। ईश्वर, धर्म, धर्मशास्त्रों को तर्क, शस्त्र और शास्त्र सभी तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में शंकराचार्य ने सनातन धर्म की स्थापना के लिए कई कदम उठाए जिनमें से एक था, देश के चारों कोनों पर चार पीठों का निर्माण करना। यह थे गोवर्धन पीठ, शारदा पीठ, द्वारिका पीठ और ज्योतिर्मठ पीठ। इसके अलावा आदिगुरू ने मठों-मन्दिरों की सम्पत्ति को लूटने वालों और श्रद्धालुओं को सताने वालों का मुकाबला करने के लिए सनातन धर्म के विभिन्न संप्रदायों की सशस्त्र शाखाओं के रूप में अखाड़ों की स्थापना की शुरूआत की। उन्होंने जोर दिया कि युवा साधु व्यायाम करके अपने शरीर को सुदृढ़ बनायें और हथियार चलाने में भी कुशलता हासिल करें। अतः जहाँ इस तरह के व्यायाम या शस्त्र संचालन का अभ्यास कराया जाता था, ऐसे मठों को अखाड़ा कहा जाने लगा।

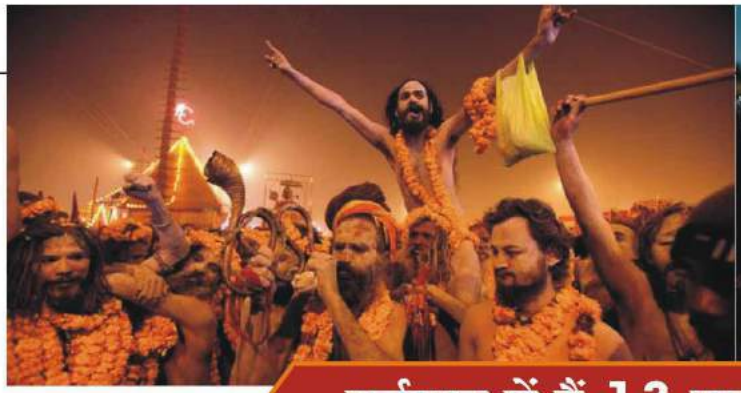

वर्तमान में हैं 13 प्रमुख अखाड़े

भारत की आजादी के बाद इन अखाड़ों ने अपना सैन्य चरित्र त्याग दिया। इन अखाड़ों के प्रमुख ने जोर दिया कि उनके अनुयायी भारतीय संस्कृति और दर्शन के सनातनी मूल्यों का अध्ययन और अनुपालन करते हुए संयमित जीवन व्यतीत करें। इस समय 13 प्रमुख अखाड़े हैं, जिनमें प्रत्येक के शीर्ष पर महन्त आसीन होते हैं।

1. श्री निरंजनी अखाड़ाः-

यह अखाड़ा 826 ईस्वी में गुजरात के मांडवी में स्थापित हुआ था। इनके ईष्ट देव भगवान शंकर के पुत्र कार्तिकस्वामी हैं। इनमें दिगम्बर, साधु, महन्त व महामंडलेश्वर होते हैं। इनकी शाखाऐं इलाहाबाद, उज्जैन, हरिद्वार, त्र्यंबकेश्वर व उदयपुर में हैं।

2. श्री जूनादत्त या जूना अखाड़ाः-

यह अखाड़ा सन् 1145 में उत्तराखण्ड के कर्णप्रयाग में स्थापित हुआ। इसे भैरव अखाड़ा भी कहते हैं। इनके ईष्ट देव रुद्रावतार दत्तात्रेय हैं। इसका केंद्र वाराणसी के हनुमान घाट पर माना जाता है। हरिद्वार में मायादेवी मंदिर के पास इनका आश्रम है। इस अखाड़े के नागा साधु जब शाही स्नान के लिए संगम की ओर बढ़ते हैं, तो मेले में आए श्रद्धालुओं समेत पूरी दुनिया की सांसें उस अद्भुत दृश्य को देखने के लिए रुक जाती हैं।

3. श्री महानिर्वाणी अखाड़ाः-

यह अखाड़ा 671 ईस्वी में स्थापित हुआ था। कुछ लोगों का मत है कि इसका जन्म बिहार-झारखण्ड के बैजनाथ धाम में हुआ था, जबकि कुछ इसका जन्म स्थान हरिद्वार में नीलधारा के पास मानते हैं। इनके ईष्ट देव कपिल महामुनि हैं। इनकी शाखाऐं इलाहाबाद, हरिद्वार, उज्जैन, त्र्यंबकेश्वर, ओंकारेश्वर और कनखल में हैं।

4. श्री अटल अखाड़ाः-

यह अखाड़ा 569 ईस्वी में गोंडवाना क्षेत्र में स्थापित किया गया। इनके ईष्ट देव भगवान गणेश हैं। यह सबसे प्राचीन अखाड़ों में से एक माना जाता है। इसकी मुख्य पीठ पाटन में है, लेकिन आश्रम कनखल, हरिद्वार, इलाहाबाद, उज्जैन व त्र्यंबकेश्वर में भी हैं।

5. श्री आह्वान अखाड़ाः-

यह अखाड़ा 646 में स्थापित हुआ और 1603 में पुर्नसंयोजित किया गया। इनके ईष्ट देव श्री दत्तात्रेय और श्री गजानन हैं। इस अखाड़े का केंद्र स्थान काशी है। इसका आश्रम ऋषिकेश में भी है। स्वामी अनूपगिरी और उमराव गिरी इस अखाड़े के प्रमुख संतों में से हैं।

6. श्री आनंद अखाड़ाः-

यह अखाड़ा 855 ईस्वी में मध्यप्रदेश के तत्कालीन बेरार में स्थापित हुआ था। इसका केंद्र वाराणसी में है। इसकी शाखाऐं इलाहाबाद, हरिद्वार व उज्जैन में भी हैं।

7. श्री पंचाग्नि अखाड़ाः-

इस अखाड़े की स्थापना सन् 1136 में हुई थी। इनकी इष्ट देवी गायत्री हैं और इनका प्रधान केंद्र काशी है। इनके सदस्यों में चारों पीठ के शंकराचार्य, ब्रहमचारी, साधु व महामंडलेश्वर शामिल हैं। परंपरानुसार इनकी शाखाऐं इलाहाबाद, हरिद्वार, उज्जैन व त्र्यंबकेश्वर में हैं।

8. श्री नागपंथी गोरखनाथ अखाड़ाः-

यह अखाड़ा ईस्वी 866 में अहिल्या-गोदावरी संगम पर स्थापित हुआ। इनके संस्थापक पीर शिवनाथजी हैं। इनके मुख्य दैव गोरखनाथ हैं और इनमें बारह पंथ हैं। यह संप्रदाय योगिनी कौल नाम से प्रसिद्ध है और इनकी त्र्यंबकेश्वर शाखा त्र्यंबकंमठिका नाम से प्रसिद्ध है।

9. श्री वैष्णव अखाड़ाः-

यह बालानंद अखाड़ा ईस्वी 1595 में दारागंज में श्री मध्यमुरारी में स्थापित हुआ। समय के साथ इनमें निर्मोही, निर्वाणी, खाकी आदि तीन संप्रदाय बने। इनका अखाड़ा त्र्यंबकेश्वर में मारुति मंदिर के पास था।

10. श्री उदासीन पंचायती बड़ा अखाड़ाः-

यह अखाड़ा 1910 में स्थापित हुआ। इस संप्रदाय के संस्थापक श्री चंद्रआचार्य उदासीन हैं। इनमें सांप्रदायिक भेद हैं। इनमें उदासीन साधु, महंत व महामंडलेश्वरों की संख्या ज्यादा है। इसकी शाखाऐं शाखा प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन, त्र्यंबकेश्वर, भदैनी, कनखल, साहेबगंज, मुलतान, नेपाल व मद्रास में है।

11. श्री उदासीन नया अखाड़ाः-

यह अखाड़ा 1710 में स्थापित हुआ। इसे बड़ा उदासीन अखाड़ा के कुछ सांधुओं ने विभक्त होकर स्थापित किया। इनके प्रवर्तक मंहत सुधीरदासजी थे। इनकी शाखाऐं प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन, त्र्यंबकेश्वर में हैं।

12. श्री निर्मल पंचायती अखाड़ाः-

यह अखाड़ा 1784 में स्थापित हुआ। 1784 में हरिद्वार कुंभ मेले के समय एक बड़ी सभा में विचार विनिमय करके श्री दुर्गासिंह महाराज ने इसकी स्थापना की। इनकी ईष्ट पुस्तक श्री गुरुग्रन्थ साहिब है। इनमें सांप्रदायिक साधु, मंहत व महामंडलेश्वरों की संख्या बहुत है। इनकी शाखाऐं प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन और त्र्यंबकेश्वर में हैं।

13. निर्मोही अखाड़ाः-

निर्मोही अखाड़े की स्थापना 1720 में रामानंदाचार्य ने की थी। इस अखाड़े के मठ और मंदिर उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात और बिहार में हैं। पुराने समय में इसके अनुयायियों को तीरंदाजी और तलवारबाजी की शिक्षा भी दिलाई जाती थी।

कहाँ कर सकते हैं आप स्नान...

राम घाट

क्षिप्रा नदी के किनारे स्नान के लिए कई घाट निर्मित हैं। राम घाट इनमें सबसे प्राचीन स्नान घाट है, जिस पर कुम्भ मेले के दौरान श्रद्धालु स्नान करना अधिक पसन्द करते हैं। यह हरसिद्धि मंदिर के समीप स्थित है।

त्रिवेणी घाट

त्रिवेणी घाट क्षिप्रा तट पर स्थित त्रिवेणी घाट का नवग्रह मन्दिर के समीप स्थित है। तीर्थ यात्रियों के लिए आकर्षण का एक प्रमुख केन्द्र है। त्रिवेणी घाट पर ही क्षिप्रा-खान (खान नदी) का संगम है। वर्तमान में क्षिप्रा नदी के जल को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से खान नदी के दूषित जल को इसमें मिलने नहीं दिया जाता है।

नरसिंह घाट

श्रीराम घाट के समीप स्थित नरसिंह घाट उज्जैन के प्राचीन और पवित्र स्नान घाट में से है। धार्मिक महत्व के अलावा उज्जैन के घाट संध्या और प्रातःकाल टहलने के लिए भी एक आकर्षक स्थल के रूप में जाने जाते है।

गऊ व मंगलनाथ घाट

प्रसिद्ध मंगलनाथ मन्दिर के पुलके पास क्षिप्रा नदी के दायें एवं बायें किनारे पर गऊ व मंगलनाथ घाट स्थित है। सिंहस्थ महाकुम्भ पर्व एवं धार्मिक पवित्र नहान पर आने वाले श्रद्धालुओं के स्नान हेतु जलसंसाधन विभाग द्वारा घाट का निर्माण किया गया है।

सिद्धवट घाट

यह घाट प्रसिद्ध सिद्धवट मंदिर के पास क्षिप्रा नदी के बायें किनारे पर स्थित है। सिंहस्थ महाकुम्भ पर्व व धार्मिक पवित्र नहान पर आने वाले श्रद्धालुओं के स्नान हेतु जलसंसाधन विभाग द्वारा घाट का निर्माण किया गया है।इस घाट पर पहुँचने के लिए सिद्धवट मंदिर के पास से ही रास्ता जाता है।

कबीर घाट

यह घाट उज्जैन बड़नगर मार्ग पर बड़ी रपट के दायीं तरफ क्षिप्रा नदी के बाँये किनारे पर स्थित है। सिंहस्थ महाकुंभ पर्व व धार्मिक पवित्र स्नान पर आने वाले श्रद्धालुओं के स्नान हेतु घाट का निर्माण जल संसाधन विभाग द्वारा किया गया है। इस घाट पर पहुँचने के लिए उज्जैन बड़नगर मार्ग पर बड़ी रपट के बायीं ओर से रास्ता है।

ऋणमुक्तेश्वर घाट

ऋणमुक्तेश्वर मन्दिर के पास ही ये घाट बना हुआ है। इस घाट पर शिवजी के मुख्यगण वीरभद्र की प्राचीन मूर्ति भी है और पुराना वटवृक्ष जिसके नीचे ऋणमुक्तेश्वर महादेव के विभिन्न शिवलिंग एवं प्राचीन गणेश जी की मूर्ति स्थापित है।

भूखीमाता घाट

यह घाट प्रसिद्ध भूखीमाता मन्दिर के पास क्षिप्रा नदी के बाँये किनारे पर स्थित है। सिंहस्थ महाकुम्भ पर्व एवं धार्मिक स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के स्नान हेतु घाट का निर्माण किया गया है। इस घाट पर पहुँचने के लिए उज्जैन चिंतामण मार्ग के बड़े पुल के पास से बायीं तरफ रास्ता जाता है। जिसकी लम्बाई 700 मीटर है।

दत्त अखाड़ा घाट

यह घाट उज्जैन बड़नगर मार्ग पर छोटी रपट के बायीं तरफ क्षिप्रा नदी के बांये किनारे पर स्थित है। सिंहस्थ महाकुंभ पर्व एवं धार्मिक पवित्र नहान पर आने वाले श्रद्धालुओं के स्नान हेतु घाट का निर्माण किया गया है। इस घाट पर पहुँचने के लिए उज्जैन बड़नगर मार्ग पर छोटी रपट के बायीं ओर से रास्ता जाता है। यह घाट भी जलसंसाधन विभाग द्वारा निर्मित किया गया है।

चिन्तामण घाट

यह घाट उज्जैन चिन्तामण मार्ग पर स्थित सड़क के बड़े पुल के पास रेलवे के लालपुल के नीचे क्षिप्रा नदी के बाँये किनारे पर स्थित है। सिंहस्थ महाकुम्भ पर्व एवं धार्मिक पवित्र नहान पर आने वाले श्रद्धालुओं के स्नान हेतु घाट का निर्माण किया गया है। घाट पर पहुँचने हेतु उज्जैन चिन्तामण मार्ग पर बड़े पुल के पास दायीं तरफ से सीमेण्ट कांक्रीट रास्ता जाता है।

प्रशांति धाम घाट

यह घाट प्रशान्तिधाम मंदिर के प्रांगण में क्षिप्रा नदी के दायें तट पर स्थित है। यह घाट उज्जैन-इन्दौर मार्ग से लगभग 1.5 किलोमीटर दूर दायीं तरफ मंदिर के पास स्थित है। सिंहस्थ महाकुम्भ-2016 में श्रद्धालुओं के पवित्र स्नान हेतु इस घाट को निर्मित किया गया है।

सुनहरी घाट

यह घाट उज्जैन बड़नगर मार्ग पर छोटी रपट के दाँयीं तरफ क्षिप्रा नदी के दाँये किनारे पर स्थित है। सिंहस्थ महाकुम्भ पर्व एवं धार्मिक पवित्र नहान पर आने वाले श्रद्धालुओं के स्नान हेतु घाट का निर्माण किया गया है। इस घाट पर पहुँचने के लिए उज्जैन बड़नगर मार्ग पर छोटी रपट के दायीं ओर से रास्ता जाता है।

नृसिंह घाट

यह घाट प्रसिद्ध भूखीमाता मन्दिर के सामने प्रसिद्ध कर्कराज मन्दिर के दायीं तरफ क्षिप्रा नदी पर स्थित है। कर्कराज मन्दिर की यह विशेषता है कि यह मंदिर उज्जैन से निकलने वाली कर्क रेखा पर स्थित है। सिंहस्थ महाकुम्भ पर्व एवं धार्मिक पवित्र नहान पर आने वाले श्रद्धालुओं के स्नान हेतु इस घाट का निर्माण किया गया है। इस घाट पर पहुँचने के लिए उज्जैन चिंतामण मार्ग पर बड़े पुल के दायीं तरफ से रास्ता जाता है।

पौराणिक दृष्टि में सिंहस्थ महाकुम्भ

उज्जैन का सिंहस्थ कुम्भ महापर्व एक विशाल आध्यात्मिक आयोजन है, जो मानवता के लिए जाना जाता है। इसके नाम की उत्पत्ति शब्द 'अमरत्व का पात्र' से हुई है। पौराणिक कथाओं में इसे 'अमृत कुण्ड' के रूप में जाना जाता है। भागवत पुराण, विष्णु पुराण, महाभारत और रामायण आदि महान ग्रन्थों में भी अमृत कुंड और अमृत कलश का उल्लेख मिलता है। ऐसा माना जाता है कि देवता और असुरों द्वारा किये गये 'समुद्र मंथन' से अमृत कलश की प्राप्ति हुई थी। देवता दानवों के साथ अमृत नहीं बाँटना चाहते थे। अतः देवराज इन्द्र के संकेत पर उनके पुत्र जयन्त ने अमृत कुम्भ लेकर भागने की चेष्ठा की, तो ऐसे में स्वाभाविक रूप से दानवों ने उनका पीछा किया। अमृत-कुम्भ के लिए स्वर्ग में बारह दिन तक संघर्ष चलता रहा और परिणामस्वरूप हरिद्वार, प्रयाग, उज्जैन और नासिक में अमृत की कुछ बूँदें गिर गयीं। यहाँ की पवित्र नदियों को अमृत की बूँदें प्राप्त हुईं। अमृत कुम्भ के लिए स्वर्ग में बारह दिनों तक संघर्ष हुआ, जो धरती के बारह वर्ष के बराबर होता है। अन्य तीन स्थानों पर यह पर्व कुम्भ के नाम से अधिक लोकप्रिय है। सभी चार स्थानों के लिए बारह वर्ष का यह चक्र समान है।

ज्योतिष के आयने में सिंहस्थ

सिंहस्थ महाकुम्भ का आयोजन उन ग्रह-नक्षत्रों की स्थितियों में होता है, जिनमें पुराणों के अनुसार देव-असुर संग्राम में पृथ्वी पर अमृत गिरा था। विशेष रूप से इनके आयोजन की स्थितियों में जब सूर्य मेष और बृहस्पति सिंह राशि में होता है, तब उज्जैन में सिंहस्थ महापर्व का आयोजन होता है। हरिद्वार में यह तब आयोजित होता है, जब सूर्य मेष राशि और बृहस्पति कुम्भ राशि में हो। इलाहाबाद (प्रयाग) में यह तब आयोजित होता है, जब सूर्य मकर राशि और बृहस्पति वृष राशि में हो। यह नासिक में तब आयोजित होता है, जब बृहस्पति व सूर्य दोनों सिंह राशि में प्रवेश करते हैं। इसके अलावा जब अमावस्या पर कर्क राशि में सूर्य और चन्द्रमा प्रवेश करते हैं, उस समय भी नासिक में कुम्भ का आयोजन होता है। पवित्र क्षिप्रा नदी में पुण्य स्नान की विधियाँ चैत्र मास की पूर्णिमा से प्रारम्भ होती है और पूरे मास में वैशाख पूर्णिमा के अन्तिम स्नान तक विभिन्न तिथियों में संपन्न होती हैं। उज्जैन के इस महापर्व के लिए पारम्परिक रूप से दस योग महत्वपूर्ण माने गये हैं।

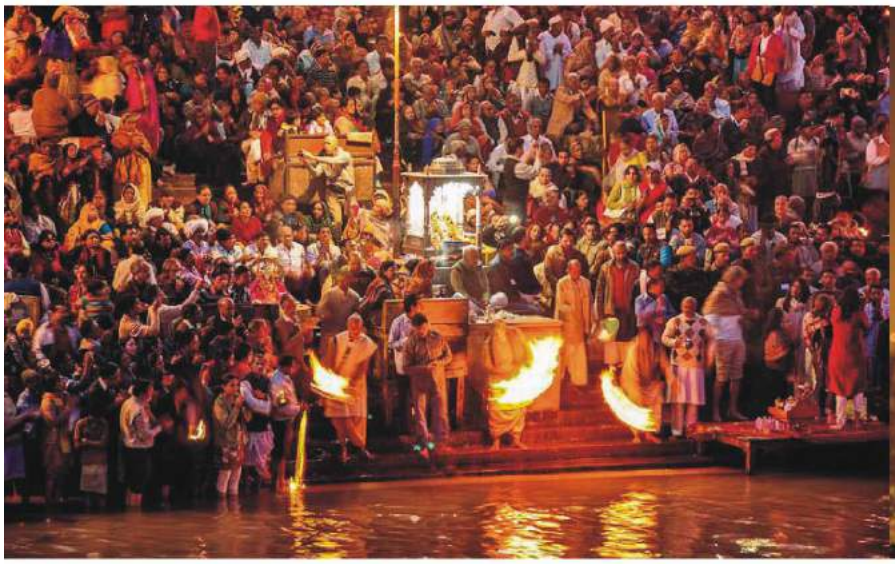

सिंहस्थ महापर्व में नागा सम्प्रदाय के साधुओं के शिविर दत्त अखाड़ा क्षेत्र में लगते हैं। पूर्णतः निर्वस्त्र रहने वाले ये साधु अपनी अनोखी जीवन शैली व उपासना सहित अपनी दिव्य शक्तियों के कारण भी आकर्षण का केन्द्र होते हैं।

आस्था व जिज्ञासा का केन्द्र
नागा साधु

इतिहासकारों के मतों के अनुसार नागा सम्प्रदाय की शुरुआत मुगलकाल में हुई थी। इसके पीछे लक्ष्य हिन्दू धर्म की रक्षा था। अतः इसमें धर्म के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देने वालों को शामिल किया जाता था। इन्हें आध्यात्मिक व मारण आदि विद्याओं के साथ ही युद्ध कला में भी निपुण किया गया, जिससे ये दुश्मन को धूल चटा सकें। इसके लिए नागाओं को वर्तमान में सेना में कमाण्डों को दी जाने वाले कठोर प्रशिक्षण की तर्ज पर ही अत्यन्त कठोर प्रशिक्षण से ही गुजरना पड़ता रहा है। वर्तमान में भी इनकी लगभग अधिकांश परम्परों जारी हैं। इस तरह बाह्य आक्रमणों के उस दौर में इन अखाड़ों ने एक सुरक्षा कवच का काम किया। कई बार स्थानीय राजा-महाराज विदेशी आक्रमण की स्थिति में नागा योद्धा साधुओं का सहयोग लिया करते थे। इतिहास में ऐसे कई गौरवपूर्ण युद्धों का वर्णन मिलता है जिनमें 40 हजार से ज्यादा नागा योद्धाओं ने हिस्सा लिया। अहमद शाह अब्दाली द्वारा मथुरा-वृन्दावन के बाद गोकुल पर आक्रमण के समय नागा साधुओं ने उसकी सेना का मुकाबला करके गोकुल की रक्षा की थी। इतिहास के पन्ने बताते हैं कि 1260 में महानिर्वाणी अखाड़े के महंत भगवानंद गिरी के नेतृत्व में 22 हजार नागा साधुओं ने कनखल स्थित मंदिर को आक्रमणकारी सेना के कब्जे से छुड़ाया था।

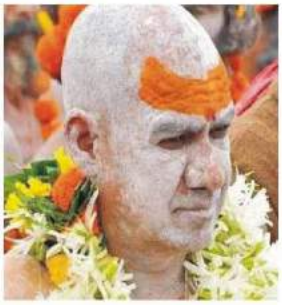

ब्रह्मचर्य का पालन

अखाड़े में प्रवेश के बाद उसके ब्रह्मचर्य की परीक्षा ली जाती है। इसमें 6 महीने से लेकर 12 साल तक लग जाते हैं। अगर अखाड़ा और उस व्यक्ति का गुरु यह निश्चित कर लें कि वह दीक्षा देने लायक हो चुका है फिर उसे अगली प्रक्रिया में ले जाया जाता है।

मंत्र में आस्था

दीक्षा के बाद गुरु से मिले गुरुमंत्र में ही उसे सम्पूर्ण आस्था रखनी होती है। उसकी भविष्य की सारी तपस्या इसी गुरु मंत्र पर आधारित होती है।

करते हैं तहकीकात

जब कोई आदमी नागा साधु बनने के लिए आता है, तो अखाड़ा अपने स्तर पर उसके व उसके परिवार के बारे में तहकीकात करता है। अगर अखाड़े को ये लगता है कि वह साधु बनने के लिए सही व्यक्ति है, तो ही उसे अखाड़े में प्रवेश की अनुमति मिलती है।

बनाते हैं 5 गुरु

अगर व्यक्ति ब्रह्मचर्य का पालन करने की परीक्षा से सफलता-पूर्वक गुजर जाता है, तो उसे ब्रह्मचारी से महापुरुष बनाया जाता है। उसके पाँच गुरु बनाए जाते हैं। ये पाँच गुरु पंच देव या पंच परमेश्वर (शिव, विष्णु, शक्ति, सूर्य और गणेश) होते हैं।

खुद का पिण्डदान और श्राद्ध

महापुरुष के बाद नागाओं को अवधूत बनाया जाता है। इसमें सबसे पहले उसे अपने बाल कटवाने होते हैं। अवधूत रूप में साधक स्वयं को अपने परिवार और समाज के लिए मृत मानकर अपने हाथों से अपना श्राद्ध कर्म करता है। ये पिण्डदान अखाड़े के पुरोहित करवाते हैं।

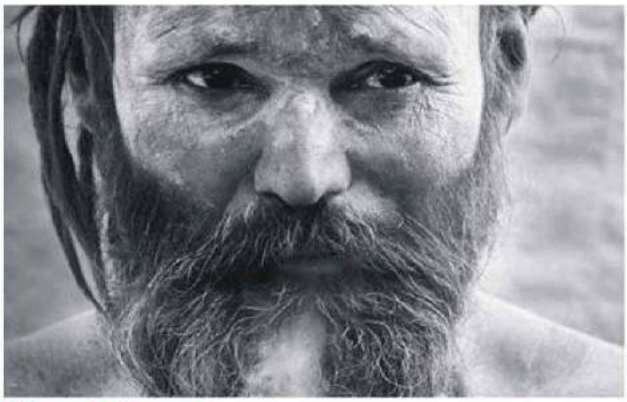

ऐसे बनते हैं नागा

इस प्रक्रिया में साधु को नग्न अवस्था में 24 घण्टे तक अखाड़े के ध्वज के नीचे खड़ा होना पड़ता है। इसके बाद वरिष्ठ नागा साधु लिंग की एक विशेष नस को खींचकर उसे नपुंसक कर देते हैं। इस प्रक्रिया के बाद वह नागा दिगम्बर साधु बन जाता है।

वस्त्रों का त्याग

नागा साधुओं को वस्त्र धारण करने की भी अनुमति नहीं होती। अगर वस्त्र धारण करने हों, तो सिर्फ गेरुए रंग के वस्त्र ही नागा साधु पहन सकते हैं। वह भी सिर्फ एक वस्त्र, इससे अधिक गेरुए वस्त्र नागा साधु धारण नहीं कर सकते।

एक समय भोजन

नागा साधु दिन में केवल एक ही समय भोजन करते हैं, वो भी भीक्षा माँगकर। एक नागा साधु को अधिक से अधिक सात घरों में भीक्षा लेने का अधिकार है। अगर सातों घरों से कोई भीक्षा ना मिले, तो उसे भूखा रहना पड़ता है।

केवल जमीन पर ही सोना

नागा साधु सोने के लिए पलंग, खाट या अन्य किसी साधन का उपयोग नहीं कर सकता। यहाँ तक कि नागा साधुओं को गादी पर सोने की भी मनाही होती है। नागा साधु केवल जमीन पर ही सोते हैं।

भस्म और रुद्राक्ष

नागा साधुओं को भस्म एवं रुद्राक्ष धारण करना पड़ता है। भस्म और रुद्राक्ष ही एक तरह से इनके वस्त्र होते हैं। रोजाना सुबह स्नान के बाद नागा साधु सबसे पहले अपने शरीर पर भस्म रमाते हैं। यह भस्म भी ताजी होती है।

अन्य नियम

बस्ती से बाहर निवास करना, किसी को प्रणाम न करना और न ही किसी की निन्दा करना तथा केवल संन्यासी को ही प्रणाम करना आदि कुछ और नियम हैं, जो दीक्षा लेने वाले हर नागा साधु को पालन करने पड़ते हैं।

नागाओं के पद और अधिकार

एक बार नागा साधु बनने के बाद उसके पद और अधिकार भी बढ़ते जाते हैं। नागा साधु के बाद महंत, श्रीमहंत, जमातिया महंत, थानापति महंत, पीर महंत, दिगम्बरश्री, महामण्डलेश्वर और आचार्य महामण्डलेश्वर जैसे पदों तक जा सकता है।

नागा बनने की प्रक्रिया

रात भर चले जाप के बाद, भोर होते ही व्यक्ति को अखाड़े ले जाकर उससे विजया हवन करवाया जाता है और फिर गंगा में 108 डुबकियों का स्नान होता है। गंगा में डुबकियां लगवाने के बाद उससे अखाड़े के ध्वज के नीचे दंडी त्याग करवाया जाता है।

चार प्रकार के नागा

महाकुंभ भारत के चार शहरों, हरिद्वार, उज्जैन, नासिक और इलाहाबाद में लगता है इसलिए नागा साधु बनाए जाने की प्रक्रिया भी इन्हीं चार शहरों में होती है। नागा साधुओं का नाम भी अलग-अलग होता है जिससे कि यह पहचान हो सके कि उन्होंने किस स्थान से दीक्षा ली है। प्रयाग (इलाहाबाद) के महाकुंभ में दीक्षा लेने वालों को नागा, उज्जैन में दीक्षा लेने वालों को खूनी नागा, हरिद्वार में दीक्षा लेने वालों को बर्फानी व नासिक में दीक्षा वालों को खिचडया नागा के नाम से जाना जाता है।

तिलक होती है पंथ की पहचान

संतों के ललाट पर लगे तिलक से संतों के सम्प्रदाय एवं पंथ की पहचान होती है। सिंहस्थ महाकुंभ में मेला क्षेत्र में अलग-अलग अखाड़ों के साधु-संतों के मस्तक पर लगे आकर्षक तिलक सभी को आकर्षित करते हैं। मस्तक एवं शरीर के अन्य भागों पर लगाये जाने वाले तिलक के संबंध में संत-महात्माओं के अलग-अलग मत हैं। मुख्य रूप से तीन प्रकार के सम्प्रदाय विशेष के संतों द्वारा चंदन, गोपी चंदन एवं रोली से तिलक लगाया जाता है। तीन प्रकार के तिलक मुख्य रूप से संतों की पहचान का बोध कराते हैं। शैव सम्प्रदाय को मानने वाले त्रिपुण्ड्र लगाते हैं। वे इसकी तुलना ऊँकार से करते हैं। ऐसा भी कहा जाता है कि तिलक वैष्णवों और शैवों में एकता का प्रतीक भी है। ऐसी मान्यता है कि वैष्णव भगवान शंकर का त्रिशूलउर्ध्वपुण्ड्र के रूप में मस्तक पर लगाते है एवं शैव सम्प्रदाय को मानने वाले तिलक के रूप में भगवान श्रीराम के धनुष को धारण करते हैं। शक्ति के उपासक शाक्त सम्प्रदाय के उपासक रोली का या काला तिलक लगाते हैं। वे इसे तेजोमय बिन्दु भी कहते हैं।

उज्जैन न सिर्फ वर्तमान में देश के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में ख्यात है, बल्कि इसका यह महत्त्व प्राचीनकाल से चला आ रहा है। लगभग सभी पुराणों में इसका उल्लेख आया है। बस समय के साथ बदलता रहा, तो इसका नाम।

अति प्राचीन पौराणिक नगरी है उज्जयिनी

उज्जैन अति प्राचीन और पौराणिक नगर है। इसे प्राचीन समय में अवन्तिका नगरी के नाम से जाना जाता था और पुरातनकाल से ही यह जनआस्था का केन्द्र रहा है। यहाँ विराजित भूतभावन भगवान महाकाल एवं कलकल प्रवाहित क्षिप्रा पौराणिक कथाओं में चर्चित रहे हैं। पुराणों में वर्णित सप्तपुरियों में अवन्तिका (उज्जैन) को भी स्थान दिया गया है। संसार भर में स्थित तीर्थों में अवन्तिका तीर्थ को एक तिल बड़ा अर्थात् सबसे बड़ा होने का गौरव प्राप्त है। यह पुण्य भूमि मोक्ष को देने वाली मानी गई है।

अयोध्या माया मथुरा काशी कांची अवन्तिका।
पुरी द्वारावती चैव सप्तैताः मोक्षदायिका।।

पुराणों में उज्जैन के कई नामों का उल्लेख प्राप्त होता है, जिनमें उज्जयिनी, प्रतिकल्पा, पद्मावती, अवन्तिका, भोगवती, अमरावती, कुमुदवती, विशाला, कनकश्रृंगा व कुशस्थली इत्यादि प्रमुख हैं। स्कन्दपुराण के आवन्त्यखंड में अवन्तिका नगरी एवं क्षिप्रा का विवरण विस्तारपूर्वक लिखा गया है। इसके अतिरिक्त अग्निपुराण, शिवपुराण, आदिब्रह्मपुराण, ब्रह्मवैवर्त पुराण, लिंगपुराण, मत्स्यपुराण, भविष्यपुराण आदि में जहाँ-तहाँ उज्जयिनी का उल्लेख किया गया है। वाल्मिकी रामायण में सीता की खोज में राम.दूत को अवंतिका भेजे जाने का उल्लेख मिलता है। श्रीमद्भागवद् पुराण के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा.स्थली भी यह अवन्तिका नगरी है। यहां अंकपात पर श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनी ऋषि का प्रसिद्ध आश्रम उज्जैन के लिए गौरव का विषय है।उज्जैन की गौरव-गाथा विक्रमादित्य की चर्चा के बिना पूर्ण नहीं हो सकती। लगभग दो हजार वर्ष पूर्व अवन्तिका में विक्रमादित्य राजा हुए। विक्रमादित्य न्यायप्रिय राजा थे। उनकी न्यायप्रियता के कई किस्से-कहानी आज भी पढ़े-सुने जाते हैं। महाराजा विक्रमादित्य के दरबार में विभिन्न विद्याओं में दक्ष नौ विद्वान थे, जिन्हें नौ रत्न कहा जाता है।

प्रवाहित होती है मोक्षदायिनी क्षिप्रा

उज्जैन में उत्तरवाहिनी क्षिप्रा कल-कल करती बाबा महाकाल के चरण पखारती है। पृथ्वीलोक पर क्षिप्रा के अवतरण की पौराणिक कथानुसार भूख से व्याकुल भगवान शंकर को विष्णुजी ने तर्जनी दिखाकर अपमानित कर दिया। क्रोधित होकर शंकरजी ने विष्णुजी की तर्जनी पर त्रिशूल का प्रहार किया। स्वर्ग में विराजित भगवान विष्णु की तर्जनी से बही रक्त की क्षिप्रधारा पृथ्वी पर पावन क्षिप्रा के नाम से विख्यात हुई। क्षिप्रा के

अन्य नाम ज्वरघ्नि, पापघ्नि, अमृतसंभवा आदि का वर्णन भी पुराणों में मिलता है। क्षिप्रा के अमृत.जल में स्नान करने से जन्म-जन्मांतर के पापों का नाश हो जाता है तथा अंत में जीव को मोक्ष प्राप्त होता है। इस संबंध में कहा गया है-

नास्ति वत्स महीपृष्ठे सिप्रायाः सदृशी नदी।
यस्यास्तीरे क्षणान्मुक्तिः किं चिरात्सेवनेनवौ।।

क्षिप्रा का प्रत्यक्ष उद्गम इन्दौर के निकट मूंडला दोस्तदार नामक ग्राम के पास स्थित "क्षिप्रा टेकरी" से माना जाता है। यह स्थान विंध्याचल पर्वतश्रेणी अन्तर्गत आता है। इन्दौर, देवास और उज्जैन जिलों की सीमा को पार करते हुए रतलाम जिले में यह चंबल नदी से मिल जाती है। इसकी लंबाई लगभग 225 किमी है। भारत सरकार के नदी जोड़ों अभियान के क्रम में मप्र शासन की महत्वाकांक्षी परियोजना नर्मदा-क्षिप्रा लिंक पूर्ण होने से क्षिप्रा प्रवाहमान हुई है, इसके साथ ही स्वच्छ पेयजल तथा घाटों पर सदैव आचमन योग्य जल उपलब्ध है।

कालों के काल हैं भगवान महाकालेश्वर

यहां त्रिकाल के नियंता भगवान महाकाल का ज्योतिर्लिंग स्थित है। तीनों लोकों में तीन लिंग महत्वपूर्ण माने हैं, उनमें से एक मृत्युलोक में महाकाल है। कहा गया है-

आकाशे तारकं लिंगं पाताले हाटकेश्वरम्।
मृत्युलोके महाकालं लिंगंत्रय नमोस्तुते।

दक्षिण मुखी शिवलिंग होने से तंत्र-साधकों के लिए यह विशेष महत्व का है। मंदिर प्रशासन के प्रयासों तथा दानदाताओं के सहयोग से मंदिर के शिखरों को स्वर्ण मंडित किया गया है। मंदिर में एक रजतद्वार है, जिससे गर्भ गृह में प्रवेश किया जाता है। गर्भ गृह में विशाल शिवलिंग और चांदी की नागवेष्ठित जलाधारी है। यहां शिव परिवार के कार्तिकेय, गणपति एवं पार्वती की छोटी प्रतिमाएँ विराजित हैं। गर्भगृह के ठीक ऊपर ओंकारेश्वर तथा सबसे ऊपर नागचन्द्रेश्वर का मंदिर है। नागचन्द्रेश्वर मंदिर के द्वार वर्ष में केवल नागपंचमी पर दर्शन के लिए खोले जाते हैं। श्री महाकालेश्वर की प्रतिदिन 06 आरतियाँ होती हैं। प्रथम आरती प्रातः 4 बजे, जिसे भस्म आरती कहते हैं, द्वितीय आरती दद्योदक, तृतीय भोग आरती, चतुर्थ संध्याकालीन पूजन, पंचम संध्या आरती तथा अंतिम शयन आरती कहलाती है। प्रतिदिन देश-विदेश से हजारों दर्शनार्थी महाकाल-दर्शन का लाभ प्राप्त करते हैं। श्रावण मास तथा शिवरात्रि पर यह संख्या लाखों में होती है। ऑनलाईन लाईव दर्शन की सुविधा भी उपलब्ध है। पूजा अभिषेक व दर्शन तथा धर्मशाला आदि की ऑनलाईन बुकिंग भी होती है। संपर्क : 0734-2550563, 2559277, फैक्स : 0734-2550144, वेब साईट : www.mahakaleshwar.nic.in, ई-मेल : office@mahakaleshwar.nic.in

उज्जैन कालगणना का भी केन्द्र

उज्जैन प्राचीन समय से ही कालगणना का केन्द्र भी रहा है। प्राचीन मान्यता अनुसार उज्जैन पृथ्वी का केन्द्र "नाभिस्थल" है, क्योंकि इसकी भौगोलिक स्थिति कर्क रेखा पर है। यह 23 अंश 11 कला उत्तरी अक्षांश तथा 75 अंश 50 कला पूर्वी देशांतर पर स्थित है। समुद्र तल से

इसकी ऊँचाई लगभग 1675 फीट है। यही कारण है कि उज्जैन को भारत की कालगणना का प्रमुख केन्द्र माना जाता है। इसके लिये उज्जैन के जयसिंहपुरा में क्षिप्रा किनारे 18वीं सदी में बनी वेधशाला 'यंत्र महल या जंतर-मंतर' है। जयपुर के महाराजा सवाई जयसिंह ने देश के प्रमुख 5 स्थानों दिल्ली, बनारस, मथुरा, जयपुर तथा उज्जैन में वेधशालाऐं बनवाई थीं। उज्जैन स्थित जीवाजी वेधशाला में ग्रह-नक्षत्रों के अध्ययन हेतु सम्राट यंत्र, नाड़ीवलय यंत्र, भित्ती यंत्र, दिगंश यंत्र आदि निर्मित हैं। सटीक ज्योतिषिय गणना एवं खगोलीय अध्ययन के लिए विशेषज्ञ यहाँ आते हैं। सटीक कालगणना पर आधारित पंचांग भी उज्जैन से प्रकाशित होते हैं। वर्तमान में यहां आधुनिक टेलिस्कोप एवं कम्प्यूटर तकनीक से खगोलीय घटनाओं को दिखाने की व्यवस्था भी की गई है। उज्जैन के समीप ही डोंगला नामक स्थान पर भी एक वेधशाला है, जहाँ ज्योतिषशास्त्री एवं खगोलविज्ञानियों का जमावड़ा रहता है। इन्दौर रोड़ पर महानन्दानगर में आधुनिक तारामंडल हाल ही में बनाया गया है।

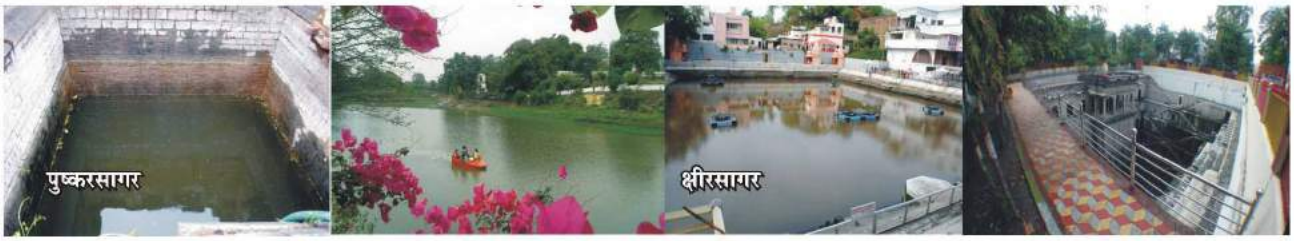

84 महादेव, सप्तसागर और 9 नारायण

उज्जैन में 84 शिवमंदिरों की एक विशेष शृंखला है। इसलिए इन्हें चौरासी महादेव कहा जाता है। शास्त्रों में इन सभी 84 महादेव के अलग-अलग नाम एवं क्रम निर्धारित हैं। अधिकमास (पुरुषोत्तममास) में इनके क्रमानुसार दर्शन-पूजन का विशेष महत्व है। इसके अतिरिक्त सप्तसागरों में स्नान एवं नौ नारायण के दर्शन का भी महत्व है। उज्जैन के सप्तसागर की स्थिति इस प्रकार है-

1. **रूद्रसागर-** हरसिद्धी के पास
2. **पुष्करसागर-** नलिया बाखल
3. **क्षीरसागर-** नईसड़क
4. **गोवर्द्धनसागर-** बुधवारिया
5. **रत्नाकरसागर-** उंडासा ग्राम
6. **विष्णुसागर-** अंकपात
7. **पुरुषोत्तमसागर-** इंदिरानगर के पास

सिंहस्थ में पंचक्रोशी यात्रा का विशेष महत्त्व

प्रतिवर्ष वैशाख कृष्ण दशमी से अमावस्या तक पंचक्रोशी यात्रा होती है। श्री नागचन्द्रेश्वर मंदिर से प्रारंभ होकर यह यात्रा पिंगलेश्वर, कायावरूणेश्वर, बिल्वकेश्वर, दुर्दरेश्वर होते हुए 118 कि.मी. की परिक्रमा कर प्रारंभिक स्थान श्री नागचन्द्रेश्वर मंदिर पर पूर्ण होती है। परिक्रमा मार्ग में 5 पड़ावों तथा 2 उपपड़ाव स्थलों पर यात्री रात्रि विश्राम करते हैं। पंचक्रोशी यात्रा के सम्पूर्ण मार्ग की मरम्मत और सुदृढीकरण किया गया है। मार्ग के दोनों ओर छायादार पेड़ लगाए गए हैं, ताकि यात्रियों को गर्मी में ठंडी छाया उपलब्ध हो सके। सिंहस्थ में पंचेशानि-पंचक्रोशी यात्रा 01 मई 2016 से 06 मई 2016 तक आयोजित होगी। इसमें लगभग 5 लाख यात्रियों के सम्मिलित होने की संभावना है। यात्रियों की सुरक्षा के लिए बीमा किया जाएगा। पड़ाव स्थल पर यात्रियों के लिए छाया, विद्युत व्यवस्था, प्राथमिक उपचार, पेयजल, उचित मूल्य की दुकान, स्नान के लिए पानी व्यवस्था, अस्थाई शौचालय, फायर इक्वीपमेंट आदि का इंतजाम जिला प्रशासन द्वारा नोडल एजेन्सी जिला पंचायत के माध्यम से किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग एवं लोक यांत्रिकी विभाग की टीमें भी लगातार सेवाऐं देंगी। पंचक्रोशी यात्रा जनआस्था का सैलाब है। मार्ग में ग्रामीणों द्वारा पेयजल, शर्बत, छाछ तथा खाने-पीने की वस्तुऐं निःशुल्क वितरीत जाती हैं। पंचक्रोशी यात्रियों की सेवा करना पुण्य का कार्य माना जाता है। अतः इसमें जिसे भी सेवा का अवसर मिलता है, वह स्वयं को धन्य समझता है।

प्रमुख दर्शनीय स्थल

उज्जैन, आज भी मंदिरों और पुरानी परम्पराओं को एक-दूसरे से जोड़े हुए है। समय के थपेड़ों ने कई प्राचीन मंदिरों को जीर्ण-शीर्ण कर दिया है, लेकिन जनमानस की आस्थाओं की तरह दृढ़ ये मंदिर आज भी खड़े हैं। श्रद्धालु और सरकार समय-समय पर इन मंदिरों का जीर्णोद्धार करते रहे हैं। उज्जैन की परम्पराएँ और मंदिर पुरातन कालकी भाँति आज भी अक्षुण्ण बने हुए हैं। वैसे तो उज्जैन मंदिरों का नगर है, फिर भी कुछ प्रमुख व प्राचीन मंदिर इस प्रकार हैं-

श्री चिंतामण गणेश मन्दिर

भगवान गणेश का यह मन्दिर क्षिप्रा नदी के समीप फ़तेहाबाद रेलवे लाइन पर स्थित है। यह माना जाता है कि इस मंदिर में स्थापित गणेश जी की प्रतिमा स्वयंभू है। उनके दोनों ओर उनकी पत्नियां रिद्धि और सिद्धि विराजमान हैं।

श्री महाकालेश्वर मन्दिर

उज्जैन के अधिपति भगवान शिव की महिमा यहाँ के कण-कण में विराजमान हैं। भारत के हृदयस्थल मध्यप्रदेश के उज्जैन में पुण्य सलिला क्षिप्रा के तट के निकट भगवान शिव 'महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग' के रूप में विराजमान हैं। इन्हें आम बोलचाल में उज्जैन का राजा भी कहा जाता है।

हरसिद्धि मन्दिर

उज्जैन के प्राचीन पवित्र स्थलों की आकाशगंगा में यह मन्दिर एक विशेष स्थान रखता है। यह मंदिर देवी अन्नपूर्णा को समर्पित है जो गहरे सिंदूरी रंग में रंगी हैं। देवी अन्नपूर्णा की मूर्ति देवी महालक्ष्मी और देवी सरस्वती की मूर्तियों के बीच विराजमान है।

बड़े गणेशजी का मन्दिर

यह मन्दिर महाकालेश्वर मन्दिर के पास रूद्रसागर के समीप स्थित है, जिसमें भगवान शिव के सुपुत्र गणेश की विशाल कलात्मक प्रतिमा स्थापित है। यह शहर में स्थित पारम्परिक मंदिरों में से एक माना जाता है।

श्री रामजनार्दन मन्दिर

प्राचीन विष्णु सागर के तट पर स्थित यह विशाल परकोटे से घिरा मंदिर समूह है। इसमें एक राममंदिर है और दूसरा जनार्दन (विष्णु) का मंदिर। इसे सवाई राजा एवं मालवा के सूबेदार जयसिंह ने बनवाया था। परकोटा तथा कुण्ड मराठाकाल में निर्मित हुए। होल्कर महारानी अहिल्याबाई ने इसका जीर्णोद्धार कराया था।

नगरकोट की रानी का मन्दिर

स्थूलरूप से यह प्रतीत होता है कि यह नगरकोट के परकोटे की रक्षिका देवी हैं। मन्दिर परमारकालीन है। यहाँ अवन्ति खण्ड में वर्णित नौ मातृकाओं में से सातवीं 'कोटरी देवी' विराजमान है। दोनों नवरात्रि के अवसर पर यहाँ विशेष नवरात्रि उत्सव मनाया जाता है।

चौबीस खम्बा माता मन्दिर

श्री महाकालेश्वर मन्दिर के पास से पटनी बाजार की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित पुरातन द्वार 'चौबीस खम्बा' कहलाता है। यह द्वार बहुत प्राचीन है। यहाँ पर 12 वीं शताब्दी का एक शिलालेख लगा हुआ था उसमें लिखा था कि अनहीलपट्टन के राजा ने अवन्ति में व्यापार करने के लिए नागर व चतुर्वेदी व्यापारियों को यहाँ लाकर बसाया था। यह अपने नाम के अनुरूप 24 खम्बों पर टिका हुआ है।

त्रिवेणी नवग्रह (शनि मन्दिर)

शिप्रा नदी के त्रिवेणी घाट पर नवग्रह का यह मन्दिर यात्रियों का प्रमुख केन्द्र है। त्रिवेणी घाट के पास शिप्रा नदी व खान नदी से संगम है। खान नदी का नाम पास ही इन्दौर नगर में बाणगंगा है। कुछ लोग इस नदी को तुंगभद्रा भी मानते थे। त्रिवेणी संगम की कल्पना के साथ अदृश्य नदी सरस्वती की पौराणिक मान्यता इस स्थान के साथ भी जुड़ी हुई है।

गढ़कालिका मन्दिर

यह मन्दिर कालिका देवी को समर्पित है, जो हिन्दू पौराणिक कथाओं के अनुसार बहुत शक्ति-शाली देवी है। कालजयी कवि कालिदास गढ़कालिका देवी के ही उपासक थे। कालिदास के सम्बन्ध में मान्यता है कि जब से वे इस मंदिर में पूजा-अर्चना करने लगे तभी से उनके प्रतिभाशाली व्यक्तित्व का निर्माण होने लगा।

श्री गोपाल मन्दिर

महाराजा दौलतराव शिन्दे की धर्मपत्नी बायजाबाई शिन्दे ने अपने आराध्य देव गोपालकृष्ण का यह मन्दिर उन्नीसवीं शताब्दी में बनवाया था। यह मन्दिर मराठा स्थापत्य कला का सुन्दर उदाहरण है। इस मन्दिर के गर्भगृह में गोपालकृष्ण के अलावा शिव-पार्वती, और बायजाबाई की प्रतिमाएँ भी हैं।

मंगलनाथ मन्दिर

अंकपात के निकट शिप्रा तट के एक टीले पर मंगलनाथ मन्दिर है। मंगलेश्वर का भव्य मंदिर शिप्रा तट पर स्थित है। मन्दिर के निकट शिप्रा का विशाल घाट है। पौराणिक परंपरा से यह मान्यता है कि उज्जैन मंगलग्रह की जन्मभूमि है। ऐसा भी माना जाता है कि मंगलनाथ के ठीक शीर्ष के ऊपर ही आकाश में मंगलग्रह स्थित है।

सांदीपनी आश्रम

अंकपात क्षेत्र में स्थित सांदीपनी आश्रम का पौराणिक महत्व है। गुरु सांदीपनी के इस आश्रम में ही श्रीकृष्ण, उनके मित्र सुदामा और भाई बलराम ने शिक्षा ग्रहण की। इस जगह का उल्लेख महाभारत में भी किया गया है।

श्री कालभैरव मन्दिर

आठ भैरव की पूजा शैव परंपरा का एक हिस्सा है और इनमें से कालभैरव को प्रधान माना जाता है। कहते हैं कि शिप्रा के तट पर कालभैरव के मंदिर का निर्माण राजा भद्रसेन ने करावाया था। भगवान कालभैरव को उज्जैन नगर का सेनापति भी कहा जाता है और प्रसाद के रूप में मदिरा का भोग लगाया जाता है।

इस्कॉन मन्दिर

इस्कॉन एक अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक संस्था है। जिसकी स्थापना कृष्ण कृपामूर्ति श्रीमद् अभय चरणारविन्द स्वामी प्रभुपाद ने सन 1966 में न्यूयॉर्क शहर में की। अंग्रेजी में इसे International Society for Krishna Consciousness अर्थात् अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ कहते हैं। विश्व के लगभग सभी देशों में इस्कॉन ने अपने केंद्र खोल रखे हैं।

पीर मत्स्येन्द्रनाथ

भर्तृहरि गुफा के चारों ओर का क्षेत्र प्राचीन उज्जैन क्षेत्र था। पुरातात्वीय उत्खनन से प्राप्त अवशेष इसकी प्राचीनता सिद्ध करते हैं। यहीं पर 'पीर मत्स्येन्द्रनाथ' की समाधि है। नवनाथों के प्रमुख 'मत्स्येन्द्रनाथ' थे। नाथ सम्प्रदाय के संतों को पीर कहा जाता है। अतः 'मत्स्येन्द्रनाथ' को 'पीर' कहा जाता है।

शक्तिभेद तीर्थ श्री सिद्धवट मन्दिर

उज्जैन का सिध्दवट प्रयाग के अक्षयवट, वृन्दावन के वंशीवट तथा नासिक के पंचवट के समान अपनी पवित्रता के लिए प्रसिध्द है। पुण्यसलिला शिप्रा के सिध्दवट घाट पर अन्त्येष्टि.संस्कार सम्पन्न किया जाता है। स्कन्द पुराण में इस स्थान को प्रेत.शिला.तीर्थ कहा गया है। एक मान्यता के अनुसार पार्वती ने यहाँ तपस्या की थी।

सिंहस्थ महाकुम्भ में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु न सिर्फ स्थानीय प्रशासन बल्कि म.प्र. शासन के भी मेहमान होंगे। यहाँ आने वाले श्रद्धालु यहाँ से अत्यन्त मधुर स्मृति लेकर जाऐं और उनकी महाकुम्भ यात्रा सुगम व सुविधाजनक हो, इसके लिए सम्पूर्ण व्यवस्था की गई है। इसमें कई स्वयंसेवी व सामाजिक संगठन भी तन-मन-धन से अपनी सेवा देंगे।

सिंहस्थ महापर्व के दौरान 5 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुँचने की सम्भावना है। इनके आवागमन को सुविधाजनक बनाने के लिए वायुसेवा के अतिरिक्त विस्तार के साथ ही इस अवधि में सैकड़ों विशेष ट्रेनें भी चलाई जायेंगी। इनकी जानकारी रेलवे की वेबसाइट पर मौजूद रहेगी। इस अवधि में उज्जैन रेल्वे स्टेशन पर 10 से अधिक अतिरिक्त टिकट बुकिंग खिड़कियाँ खोली जा रही हैं। इस दौरान 2 हजार अतिरिक्त बसें चलेंगी। होटलों को प्रशासन ने अतिरिक्त सुविधा दी है। इसके साथ पंजीकृत मकानों को भी सिंहस्थ के दौरान यात्रियों को ठहराने की विशेष अनुमति दी गई है। ये भवन अधिकांशतः महाकालेश्वर मन्दिर के आस-पास के क्षेत्र में स्थित हैं।

हाईटेक होगी सुरक्षा व्यवस्था

उज्जैन पुलिस द्वारा सम्पूर्ण मेला क्षेत्र एवं शहर के प्रमुख स्थानों पर 481 सी.सी.टी.वी. कैमरे तथा 100 डोम कैमरे लगाए जाएंगे। कैमरों के माध्यम से कंट्रोल रूम में बैठे वरिष्ठ अधिकारी मेला क्षेत्र एवं शहर की निगरानी कर सकेंगे और आवश्यकता होने पर तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए जा सकेंगे। भीड़ नियंत्रण के लिए घाटों एवं प्रमुख मंदिरों के निकट होल्ड-अप बनाए जाएंगे। जगह-जगह एल.ई.डी. स्क्रीन तथा लाऊडस्पीकर लगाए जाऐंगे, जिसके माध्यम से वरिष्ठ अधिकारी मैदानी अमले तथा लोगों को आवश्यक जानकारी देकर अफवाहों के प्रति सावधान कर सकेंगे। पर्व स्नान के एक दिन पूर्व से ही शहर और मेला क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध रहेगा। अनिवार्य सेवाओं के लिए विशेष अनुमति.पत्र जारी किए जाएंगे। वृद्धों व निःशक्तों के लिये प्रदूषण रहित ई-रिक्शा संचालित होंगे, जो अत्यंत ही कम शुल्क में अपनी सेवा देंगे।

सिंहस्थ के दौरान पार्किंग व्यवस्था

सिंहस्थ अवधि में शाही स्नान की तिथियों को छोड़कर आम दिनों में सांवराखेड़ी, लालपुल, भूखीमाता बायपास, जूना सोमवारिया, रणजीत हनुमान, कालभैरव, मंगलनाथ और वीर सांवरकर चौराहा पर पार्किंग की सुविधा रहेगी। इसी प्रकार सिंहस्थ के दौरान उज्जैन शहर में आने वाली यात्री बसों से आने वाले श्रद्धालुओं के लिये विभिन्न बस स्टेण्ड निर्धारित किये गये हैं। मक्सी, देवास और इन्दौर रोड से आने वाली बसें नानाखेड़ा बस स्टेण्ड तक आयेंगी। बड़नगर रोड की ओर से आने वाली बसें बड़नगर रोड सेटेलाइट टाउन तक आयेंगी। उन्हेल रोड से आने वाली बसें उन्हेल रोड सेटेलाइट टाउन तक आयेंगी। आगर रोड से आने वाली बसें आगर रोड सेटेलाइट टाउन तक आयेंगी।

शाही स्नानों के दिन सेटेलाइट टाउन में पार्किंग

सिंहस्थ अवधि में सेटेलाइट टाउन बनाये जा रहे हैं, जहां पर वाहन पार्किंग, यात्रियों के लिये पानी, शौचालय व छाया की व्यवस्था की जायेगी। कुल छह सेटेलाइट टाउन बनाये जा रहे हैं। ये इंजीनियरिंग कॉलेज, सांवराखेड़ी, सोयाबीन प्लांट देवास रोड, पंवासा मक्सी रोड, उन्हेल रोड, आगर रोड व बड़नगर रोड पर बनाये जायेंगे। शाही स्नानों के दिन इन्हीं स्थानों पर पार्किंग व्यवस्था करवाई जायेगी।

लोक परिवहन के 28 रूट

लोक परिवहन के लिये 28 रूट तय किये गये हैं। इन पर एक हजार मैजिक व 400 मिनी बसों का संचालन श्रद्धालुओं को लाने-ले जाने के लिये किया जायेगा। दिव्यांगों के लिये महाकाल व रामघाट तक लाने-ले जाने के लिये न्यूनतम शुल्क में ई-रिक्शा चलाई जायेगी। समस्त प्रवेश द्वारों पर सशस्त्र नाका चैकिंग रहेगी। सिंहस्थ क्षेत्र में प्रवेश पर वाहनों व व्यक्तियों की गणना कर उनकी चैकिंग भी की जायेगी। रेलवे स्टेशनों व हवाई पट्टी पर भी चैकिंग होगी।

सिंहस्थ की व्यवस्था में भी माहेश्वरी योगदान

यह सौभाग्य है कि इस बार के सिंहस्थ महाकुम्भ की प्रशासनिक व्यवस्था में माहेश्वरी समाज के अतिरिक्त कलेक्टर गोपाल डाड को उपमेला अधिकारी के रूप में सेवा का अवसर मिला है। श्री डाड अपने माहेश्वरी संस्कारों के अनुरूप पूर्ण समर्पित भाव से अपनी पूरी टीम के साथ व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त करने में जुटे हुए हैं। श्री डाड ने इस सौभाग्य को भगवान श्री महाकालेश्वर की कृपा मानते हुए कहा है कि हमारा पूरा प्रशासनिक अमला इस महापर्व को सफल बनाने में तन-मन से, पूर्ण समर्पित भाव से जुटा हुआ है। हम समस्त धर्मप्रेमियों से अपील करते हैं कि वे इस मेले में अवश्य आएँ और सेवा का मौका दें।

सतर्कता रखें परेशानी से बचें

- मेले में सुरक्षा जांच कई स्थानों पर हो सकती है, इसलिए अपने पास कोई भी मान्य मूल पहचान पत्र ज़रूर रखें।
- भीड़ को रोकने तथा भगदड़ को नियंत्रित करने के लिए काफी जगह बैरीकेडिंग की जायेगी, काफी चलना पड़ेगा। अतः हलके जूते का प्रयोग करें, पानी की बोतलें और अपनी ज़रुरत की सारी दवाऐं पर्याप्त मात्र में साथ लेकर आऐं।
- आपको जिन तिथियों में कुम्भ स्नान को जाना है, उनके हिसाब से यात्रा, आवागमन, ठहरने और आपातकालीन खान-पान, सुरक्षित पेयजल और सम्पूर्ण अवधि की आपातकालीन दवाऐं पहले ही जुटा लें।
- मोबाइल फोन काम की चीज़ है, समस्या यह है कि वह अक्सर डिस्चार्ज हो जाता है। अतः आप फुली चार्ज अतिरिक्त बैटरी, चार्ज्ड एक्सटर्नल पोर्टेबल पावर बैंक और पॉवर चार्जर साथ रखें। यदि परिवार में एक से ज्यादा फोन हों तो जहाँ तक हो सके केवल एक को प्रयोग करें, बाकी को ऑफ कर दें तथा उनकी बैटरियां अलग करके पालीथीन में रखें। वाहन से जा रहे हों तो कार चार्जर साथ रखें, इससे किसी भी स्थिति में आपको मोबाइल चार्जिंग की दिक्कत नहीं आयेगी।
- जहां तक हो सके बहुत सुबह (तीन बजे से चार बजे के बीच) आप भीड़ बेकाबू होने से पहले स्नान पूजा करके लौट आऐंगे, समूह में चलें, एक साथ रहें। अगर कोई खो जाए तो सीधे खोया पाया प्रसारण केंद्र पर अथवा अपने निवास वाली जगह पूछ कर पहुँच जाऐं। समीप के विद्युत् पोल पर अंकित नम्बर से भी अपनी लोकेशन प्राप्त की जा सकती है।
- नाव का उपयोग करने से पहले गंतव्य (जिस घाट तक जाना है वहां पर) की भीड़ की स्थिति देख लें। अगर वापसी का किराया भी जाते समय ही तय कर लें तो अच्छा रहेगा। अपने नाविक का मोबाइल नम्बर लिख लें ताकि गलती से वो आपको छोड़ जाए तो आप उसे बुला सकें वरना शोर में आपकी आवाज़ नहीं सुनी जा सकेगी।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्था

हेल्प सेंटर– सिंहस्थ मेला क्षेत्र में 106 हेल्प सेंटर रहेंगे। हेल्प सेंटर से श्रद्धालु सिंहस्थ के सम्बन्ध में कोई भी सूचना प्राप्त कर सकता है। इसके साथ ही जरूरत के लिए भी सूचना प्राप्त कर सकेगा। यहाँ पानी, बिजली, दूध आदि की आपूर्ति के सम्बन्ध में शिकायते भी दर्ज की जा सकेगी और उनका निराकण भी किया जाऐगा।

काल सेन्टर– सिंहस्थ सम्बन्धित किसी भी जानकारी के लिए कॉल सेन्टर शुरू हो चुका है। सिंहस्थ तक कॉल सेन्टर की 25 लाईनें एक साथ कार्य करेगी। इसका नम्बर 1100 है, जो किसी भी लेंडलाईन या मोबाइल से लगाया जा सकता है।

खोया-पाया केन्द्र– सिंहस्थ में 51 खोया-पाया केन्द्र स्थापित किये जायेंगे। यह केन्द्र गुमशुदगी की स्थिति में मदद करेंगे। इसके साथ ही सम्बन्धित परिजनों के लिए सूचना से लेकर अन्य आवश्यक मदद मुहैया करायेंगे।

मेडिकल सुविधा– सिंहस्थ मेला क्षेत्र में सुसज्जित चिकित्सालयों की निःशुल्क व्यवस्था रहेंगी। पूरे क्षेत्र में छः अस्पताल 20-20 बिस्तरी सुविधा के एवं 23 अस्पताल 6-6 बिस्तरी सुविधा के स्थापित किए जायेंगे। सिंहस्थ क्षेत्र में 5 मोबाइल स्वास्थ्य ईकाइयां भी काम करेंगी। हर घाट पर दो-दो व्यक्तियों का 1-1 दल भी तैनात रहेगा। सिंहस्थ क्षेत्र में चिह्नांकित स्थानों पर एम्बुलेंस भी तैनात रहेगी। इनमें कार्डियेक एम्बुलेंस की व्यवस्था भी सम्मिलित है। हृदय की बीमारी सम्बन्धी किसी भी आकस्मिक स्थिति में मरीज के लिए कार्डियेक एम्बुलेंस अत्यन्त उपयोगी होती है।

शीतल जल के लिये प्याऊ– सिंहस्थ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध एवं शीतल जल की व्यवस्था रहेगी। पूरे मेला क्षेत्र में एक हजार प्याऊ लगाये जायेंगे। प्याऊ यूवी सुविधा के होगें यानी इनके द्वारा रोगाणु रहित जल उपलब्ध कराया जायेंगा।

मॉस ट्रान्सपोर्ट– उज्जैन आने वाले सिंहस्थ श्रद्धालुओं एवं यात्रियों के लिए मॉस ट्रान्सपोर्ट व्यवस्था के तहत आन्तरिक यातायात के लिए 1050 टाटा मेजिक और 377 सिटी बस व्यवस्था रहेगी। इनके लिए 28 मार्ग चिन्हांकित किए गये है। इनमें 21 मार्ग टाटा मैजिक के लिए और 7 मार्ग सिटी बसों के लिए रहेंगे। जिन स्थानों पर जाकर मैजिक व बसे रूक जायेंगी। उस अन्तिम स्थान से आगे सिंहस्थ क्षेत्र में जाने हेतु ई-रिक्शा की व्यवस्था भी रहेगी।

बैकिंग सुविधाऐं– सिंहस्थ के दौरान विभिन्न बैंकों द्वारा लेन-देन व अन्य सुविधाऐं उपलब्ध करायी जायेंगी। बैकों द्वारा विशेष सिंहस्थ कार्ड जारी किये जायेंगे। यात्री इस व्यवस्था के जरिये केश लेस होकर सिंहस्थ क्षेत्र में घूम सकेंगे। सिंहस्थ कार्ड से यात्री दुकानों से सामान क्रय कर सकेंगे। उन्हें जैब में केश लेकर घूमने की आवश्यकता नहीं होगी। बैकें सिंहस्थ मेला क्षेत्र में एटीएम सुविधा भी उपलब्ध करायेंगी। पूरे मेला क्षेत्र में लगभग 50 एटीएम लगाने की योजना है। बैके यात्रियों को विदेशी मुद्रा विनिमय सुविधा भी उपलब्ध करायेंगी। एक अन्य महत्वपूर्ण सुविधा क्वाईन डिस्पेन्सर की होगी। यहाँ कोई भी व्यक्ति चिल्लर प्राप्त कर सकेंगा।

स्वाइप मशीन– सिंहस्थ मेला क्षेत्र में कार्ड के द्वारा भुगतान के लिए स्वाइप मशीनों की व्यवस्था की जायेंगी। पांच से लेकर 10 हजार मशीने विभिन्न दुकानों और अन्य स्थानों पर होगी। व्यक्ति अपनी खरीदी का भुगतान एटीएम या अन्य किसी कार्ड से मशीन स्वेप के द्वारा कर सकेगा।

सिंहस्थ मोबाइल एप– सिंहस्थ के दौरान यात्रियों के लिए मोबाइल एप सुविधा का कार्य करेगा। इस एप पर सम्पूर्ण मेला क्षेत्र की प्रतिदिन की, प्रतिसप्ताह की और पूरे माह की गतिविधियाँ दर्शायी जायेंगी। इससे श्रद्धालु अपने मनचाहे स्थान पर जाकर प्रवचनों व अन्य धार्मिक गतिविधियों में शामिल हो सकेगा।

वेब साईट– सिंहस्थ के लिए तैयार की गई वेब साईट www.simhasthaujjain.in किसी भी व्यक्ति के लिए सिंहस्थ सम्बन्धित जानकारी प्राप्त करने का अच्छा जरिया है। वैब साईट पर शासकीय विभागों द्वारा सिंहस्थ में किए जा रहे कार्य, अमले की तैनाती, जोन सेक्टर से लेकर तमाम जानकारियाँ उपलब्ध हैं। वेबसाईट निरंतर अपडेट की जाती है।

मोबाइल चार्जिंग पाइन्ट– सिंहस्थ क्षेत्र में मोबाइल चार्ज के लिए पाइन्ट की सुविधा रहेगी। इसके लिए निश्चित दूरी पर पाइन्ट बनाये जायेंगे।

वाईफाई सुविधा– सिंहस्थ के दौरान विभिन्न मोबाइल नेटवर्क प्रदाता कंपनियों द्वारा वाईफाई की सुविधा सिंहस्थ क्षेत्र में उपलब्ध करायी जायेंगी। इसके लिए लगभग 150 हाट स्पाट रहेगें। वाईफाई द्वारा 3जी एवं 4जी दोनों प्रकार की सुविधा मुहैया करायी जायेंगी। रिलायंस कंपनी द्वारा सिंहस्थ क्षेत्र में 40 स्थानों पर निःशुल्क वाईफाई सुविधा देने का प्रस्ताव दिया गया है।

साँची पार्लर– सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को शुद्ध दूध एवं दुग्ध उत्पाद उपलब्ध करानें की व्यवस्था की जायेगी। पूरे क्षेत्र में साँची के 106 पार्लर स्थापित किए जायेंगे। इसके साथ ही 4 मोबाइल युनिट भी घूम-घूम कर दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद उपलब्ध करायेंगी। साँची पार्लरों से दुग्ध के अलावा दही, घी, मावा, मक्खन, छाछ, मठ्ठा, पनीर एवं पेड़ा विक्रय किए जायेंगे।

गाइड- सिंहस्थ मेला क्षेत्र में यात्री को जानकारी देने के लिए स्थान – स्थान पर गाईड भी रहेंगे। एनएसएस, स्काऊट के विद्यार्थियों को इसके लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। इनके साथ ही अशासकीय संस्थाओं के कार्यकर्ता भी श्रद्धालुओं के लिए गाइड का कार्य करेंगे।

रेल्वे पूछताछ केन्द्र– सिंहस्थ मेला क्षेत्र में रेलवे द्वारा भी अपने पूछताछ केन्द्र बनाये जायेंगे। रेल्वे सम्बन्धित कोई भी जानकारी इन पूछताछ केन्द्रों से ली जा सकेगी। रेलवे द्वारा महाकाल झोन, दत्त अखाड़ा व मगंलनाथ क्षेत्रों में एक-एक पूछताछ केन्द्र बनायें जायेंगे।

बीमा– सिंहस्थ क्षेत्र में आने वाला व्यक्ति स्वतः बीमित हो जायेगा। दो लाख रूपये का दुर्घटना बीमा रहेगा।

अपनत्व व प्रेम के रंग में एक दूसरे को रंग कर मधुरता की वृद्धि करने वाला यह पर्व हमारी संस्कृति का एक अभिन्न अंग है। यदि देखा जाऐ तो यह वैदिक काल में भी मनाया जाता था और अब भी। बस फर्क आया तो इतना कि समय के साथ इसका स्वरूप बदलता चला गया। बस एक बात हमेशा इसमें मौजूद रही, इसमें प्रेम का समावेश होना।

वैदिक काल में भी मनाई जाती थी होली

होली एक राष्ट्रीय, सामाजिक व धार्मिक त्यौहार माना जाता है। यह बच्चे, बड़े, नर-नारी सभी के द्वारा जातिभेद भुलाकर, द्वेषभाव भुलाकर प्रेम व भाईचारे से मनाने का पर्व है। यह मित्रता, एकता, आनंदोल्लास, सद्मिलन व सद्भावना का प्रतीक है। फाल्गुन पूर्णिमा के दिन सम्पूर्ण भारत वर्ष में होलिका दहन का विधान है। है। बस वर्तमान दौर में पानी की बचत व केमिकल के दुष्प्रभाव से बचने के कारण इसमें कुछ परिवर्तन दिखाई दे रहा है। हर कोई पानी में घुलने वाले की बजाए सूखे रंग से होली खेलना चाहता है। यह वक्त की मांग है "जल है, तो कल है। "अतः आइये इस पर्व पर लें, जल संरक्षण की भी शपथ।

वैदिक काल में था "नवान्नेष्ठि यज्ञ"

होली त्यौहार का आरम्भ ज्ञात हो पाना बड़ा ही कठिन है किन्तु वेदों व पुराणों में उल्लेख आता है यह वैदिक कालीन पर्व माना जा सकता है। वैदिक काल में इसे 'नवान्नेष्ठि यज्ञ' पर्व भी कहा जाता था। इस हवन में खेतों की फसल का नया अन्न यज्ञ में हवन करके प्रसाद लेने की परम्परा भी है। उस अन्न को 'होला' कहते हैं। इसी से पर्व का नाम होलिकोत्सव पड़ा। अतः वास्तव में देखा जाए तो यह एक वैदिक पर्व है या कहें एक वैदिक महायज्ञ। यही कारण है कि इस पर्व पर होली में गेहूँ की बालियाँ सेके जाने का विधान आज भी है।

भविष्य पुराण में था 'ठोठा' उत्सव

भविष्य पुराण में महाराज युधिष्ठर ने भगवान श्रीकृष्ण से पूछा- 'भगवान, फाल्गुन पूर्णिमा को उत्सव क्यों माना जाता है?' तो उन्होंने बताया-सत्ययुग में एक दानवीर, शूरवीर-सर्वगुण संपन्न रघु नामक राजा थे। एक दिन नगर के लोग राजद्वार पर एकत्रित होकर 'त्राहि-त्राहि' पुकारने लगे। पूछने पर बताया कि, 'ठोठा' नामक एक राक्षसी प्रतिदिन हमारे बालकों को कष्ट देती है और उस पर किसी मंत्र-तंत्र, औषधी आदि का प्रभाव भी नहीं पड़ता। यह सुनकर राजा ने पुराहित महर्षि वशिष्ठ मुनि से उस राक्षसणी के विषय में पूछा। तब वशिष्ठ मुनि ने बताय कि माली नामक एक दैत्य है, उसकी एक पुत्री है, जिसका नाम है ठोठा। उसने उग्र तपस्या करके शिवजी को प्रसन्न कर वरदान लिया है कि देवता, दैत्य, मनुष्य, आदि मुझे न मार सके और शस्त्र-अस्त्र से भी मेरा वध न हो। शीतकाल, उष्णकाल, वर्षाकाल में, भीतर अथवा बाहर कहीं पर भी मुझे किसी से भय ना हो। इन्होंने बताया कि केवल 'अडाड' मंत्र के उच्चारण से ही वह शांत हो सकती है। इससे पीछा छुड़ाने का उपाय भी वरिष्ठ मुनि ने बताया कि फाल्गुन मास क पूर्णिमा को सभी निडर होकर-नाच गा कर उत्सव मनाये और बालक-लकड़ियों की बनी हुई तलवार लेकर युद्ध के लिये दौड़े और उत्सव मनायें। सुखी लकड़ी, सुखे उपले, सुखे पत्तों आदि के अधिक से अधिक ढेर लगाये। उस ढेर में रक्षोघ्नमंत्र से अग्नि लगाकर हवन करे। इस प्रकार रक्षा मंत्रों से हवन करने से उस दुष्ट राक्षसी का निवारण हो सकेगा। जब राज्य में ऐसा उत्सव मनाया गया, तो इससे उस राक्षसी का विनाश हुआ। तबसे इस लोक में ठोठा का उत्सव प्रसिद्ध हुआ।

कई कहानियों से सम्बद्ध

ब्राह्मणों द्वारा सभी दुष्टों तथा रोगों को शांत करने का वसोर्धारा होम भी इसी दिन किया जाता है। इसलिये इसे होलिका भी कहा जाता है। एक मान्यता में इस पर्व का सम्बन्ध 'काम दहन' से भी है। भगवान श्री शिवजी ने अपनी क्रोधाग्नि से कामदेव को भस्मकर दिया था, तभी से इस त्यौहार का प्रचलन हुआ। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार यह त्यौहार हिरण्यकश्यप की बहन होलिका और पुत्र प्रहलाद की स्मृति में भी मनाया जाता है। कहा जाता है, हिरण्यकश्यप की बहन राक्षसी होलिका वरदान के प्रभाव से नित्य अग्निस्नान किया करती थी और जलती नहीं थी। हिरण्यकश्यप का पुत्र प्रहलाद विष्णुभक्त था। हिरण्यकश्यप ने उसे मारने के लिये कई उपाय किये परंतु प्रहलाद को कुछ भी नहीं हुआ। इसलिये अपने पुत्र प्रहलाद को अपनी बहन की गोद में देकर अग्निस्नान करने को कहा। जिस दिन होलिका प्रहलाद को गोद में लेकर अग्निस्नान करने वाली थी, उसी दिन गॉवं के सभी लोगों ने अग्नि प्रज्जवलित करके अग्निदेव से प्रहलाद की रक्षा के लिये प्रार्थना की। अग्नि देवता ने प्रार्थना स्वीकार करके होलिका के अग्निस्नान के समय प्रहलाद को तो बचा लिया और होलिका उस अग्नि में भस्म हो गयी। अतः फाल्गुन पूर्णिमा को भक्त प्रहलाद की स्मृति में और असुरों के विनाश की खुशी में यह पर्व मनाया जाता है।

हनुमतधाम

सिंहस्थ Simhastha UJJAIN 2016

- इस बार का सिंहस्थ कुछ अलग और अनूठा होगा
- यदि आप आ गए तो फिर जीवनभर नहीं भूलेंगे।
- इस बार अनूठा यह है कि पं. विजयशंकर मेहता के हनुमत धाम में चौबीस मिनट की अवधि वाला एक मेडिटेशन कोर्स कराया जाएगा।
- 22 अप्रैल को हनुमान जयंती है और उसी दिन सिंहस्थ मेले का शुभारंभ है। जीवन प्रबंधन समूह और एसएफए टेनोलॉजीस ने हनुमान जयंती को हमेशा के लिए ग्लोबल मेडिटेशन डे के रूप में मनाने का आह्वान किया है।
- 22 अप्रैल को शाम 7 से 9 बजे मुख्य कार्यक्रम हनुमत धाम, भूखी माता के सामने उज्जैन में होगा। इसी दिन शाही स्नान भी है।
- आप इस कार्यक्रम को संस्कार टीवी चैनल पर लाईव देख सकेंगे।
- श्री हनुमानचालीसा से मेडिटेशन करिए, अपने, अपने परिवार के तथा अपने बच्चों के जीवन में शांति उतारिए।

हनुमत धाम में तीन कथाएं भी होंगी

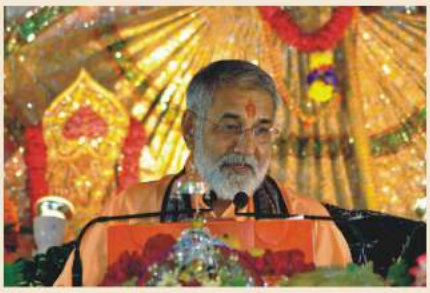

श्री शिवपुराण

श्रीमद्भागवत

श्रीराम कथा

आपको क्या करना है

आप कथा के यजमान बन सकते हैं। जो भी दान राशि आप देंगे -

1. इक्यावन हजार 2. एक लाख ग्यारह हजार 3. दो लाख इक्यावन हजार 4. पांच लाख ग्यारह हजार 5. सात लाख ग्यारह हजार

इसका तीस प्रतिशत पाँच दिवसीय कथा के लिए आपके आवास एवं भोजन हेतु आरक्षित रहेगा। आप केवल आवास हेतु भी कॉटेज बुक करवा सकते हैं। यहाँ आकर मेडिटेशन कोर्स भी कर सकते हैं।

विस्तृत जानकारी के लिए संपर्क कर सकते हैं

कॉटेज बुकिंग
कुश मेहता - 091111-28008
पार्थ मेहता-094259-31133

कथा यजमान
रमेश राय - 094240-15533
सार्थक मेहता-097553-56037

कैंप समन्वयक
शिवनारायण मूंदड़ा 094252-02721
योगेश कर्नावट-091655-00001

जीवन प्रबंधन समूह Life Management Group

हनुमत धाम-28, महेश विहार, महामृत्युंजय द्वार के पास, इंदौर रोड, उज्जैन फोन : 0734-2533648
Email : humarehanuman@gmail.com Visit at : hamarehanuman.com

रात का स्याह अंधेरा कभी स्थायी नहीं रहता। रात होती है, तो दिन भी होता ही है। इतना ही नहीं रात के स्याह अंधकार को एक छोटा सा दीपक भी बिखेरकर रख देता है। ठीक यही स्थिति जीवन की विषमताओं की भी है। बुरा समय है, तो अच्छा भी आएगा।

मन की परतें जितनी बहुआयामी, गहरी हैं, उतनी ही रहस्यमयी भी। समुद्र में तैरने वाले विशाल बर्फखण्ड की तरह, जिसका एक चौथाई हिस्सा ऊपर एवं तीन चौथाई नीचे होता है, मन भी अपनी तहों में अत्यन्त शक्तिशाली होता है। अगर हमारा मन बली है तो वह पर्वत जैसी समस्याओं का भी सामना कर लेता है एवं यही मन अगर निर्बल, कमजोर, अशक्त है, तो रजकण बराबर समस्याओं से भी हार बैठता है, जिसकी परिणिति विषाद यानि डिप्रेशन को जन्म देती है। यह डिप्रेशन कम-ज्यादा हो सकता है लेकिन आजकल जिसे देखो चाहे वो विद्यालयों के बच्चे हों, उच्च शिक्षार्थी हो, व्यापारी, नौकरी करने वाले युवक-युवतियां, गृहिणी अथवा अधेड़ या अधिक उम्र के बुजूर्ग हों बहुधा यह कहते नजर आते हैं कि उन्हें डिप्रेशन हो गया है। बच्चे होमवर्क से परेशान हैं, व्यापारी आर्थिक मंदी की चपेट में हैं, गृहिणियां घर के बजट से तो अनेक युवक यह कहते हुए सर ठोक रहे हैं कि उनकी अनिश्चित नौकरियों ने उन्हें गंभीर विषाद की ओर धकेल दिया है।

संयुक्त परिवार का बिखराव भी कारण

हमारी अपेक्षाऐं आये दिन बढ़ रही है, हम निजता के नाम पर स्वयं में सिमटते जा रहे हैं, संयुक्त परिवार प्रथा करीब-करीब टूट चुकी है, ऐसे में मन अकेला, असहाय होकर डिप्रेशन की ओर ही तो उन्मुख होगा। मन के अंधेरे अकेलेपन में सर्वथा शक्तिशाली हो उठते हैं। तब हमारा मन-सर्प अपने सारे फन उठाकर खड़ा हो जाता है। गीता में कृष्ण अर्जुन को जब मन नियन्त्रित करने की बात कहते हैं तो विषादग्रस्त अर्जुन यही कहता है कि 'यततो अपि कौन्तेय पुरूषस्य विपश्चितः इन्द्रियाणि प्रमाथिनि हरंति प्रसभं मनः' अर्थात है अच्युत! न चाहते हुए भी इन्द्रियों, इच्छाओं एव अपेक्षाओं द्वारा प्रेरित यह मन बलात् सब कुछ हर लेता है। किसी ने ठीक ही कहा है, जिन्दगी सीधी, सरल है, बोझ तो ख्वाहिशों का है।

पुरुष है मन से कमजोर

हमारे देश में आत्महत्या के आंकड़े चौकाने वाले हैं। ताजा आंकड़ों के अनुसार संसार में प्रतिवर्ष करीब दस लाख लोग आत्महत्या करते हैं, उसमें बीस प्रतिशत यानि करीब दो लाख लोग प्रतिवर्ष हमारे देश में आत्महत्या करते है इसमें भी युवक सर्वाधिक आत्महत्या करते हैं। यह भी एक आश्चर्यजनक तथ्य है कि आत्महत्या करने वालों में पुरूष स्त्रियों से दोगुने है यानि मनगत स्तर पर पुरूष स्त्रियों से कमजोर हैं, जल्दी टूटते हैं अर्थात् अधिकांश मूछंदर छूछंदर है। पुरूषों को इसीलिये हृदयघात, लकवा आदि मनोजन्य रोग स्त्रियों से अधिक होते हैं। इन आत्महत्याओं का सीधा कारण परिस्थितिजन्य व्यक्ति का अत्यधिक अवसाद, विषाद, गहन दुःख, डिप्रेशन में चले जाना है। उसे तब मृत्यु के अतिरिक्त अन्य कोई मार्ग नहीं सूझता। एक और अन्य आंकड़े के अनुसार भारत में हर दस में एक व्यक्ति डिप्रेशन का शिकार है। भारत में डिप्रेशन के मुख्य कारण व्यक्ति का ऋणग्रस्त होना, किसी निकटजन की मृत्यु, व्यापार में हानि, दाम्पत्य संबंधों का विघटन, विवाहेत्तर संबंध आदि है लेकिन इन सबसे इतर डिप्रेशन का मुख्य कारण व्यक्ति में जीवट, साहस, जीत की कमी एवं गहन अकेलापन है।

हरिप्रकाश राठी
जोधपुर
मो. 094141-32483

तनाव से कैसे बचें

अगर हम हमारा मन बांटना सीख लें, रोचक करना सीख लें तो डिप्रेशनजन्य रोग आधे रह जायेंगे। मन रीता होना चाहता है। पहले संयुक्त परिवार में व्यक्ति अनायास अपने अन्य संबंधों के साथ क्रोध, दुःख, चिड़चिड़ापन प्रकट कर अपने विषाद का रेचन कर लेता था, बुजुर्गों से राय लेकर अपनी कठोरतम समस्याऐं सुलझा लेता था, लेकिन अब तो जैसे सभी अकेले हैं। पति-पत्नी एक कमरे में सोते तो साथ-साथ हैं, पर उनके संबंध बेरूह हैं। हमारे समाज में ऐसी कोई संस्था भी नहीं है, जो आपकी निजता, समस्या को गोपनीय रख आपका मन बांट ले। ईसाई धर्म में तो ऐसी व्यवस्था है, जहां व्यक्ति खिड़की के उस पार बैठे पादरी को अपना मन प्रकट कर देता है। डिप्रेशन के प्रारंभिक लक्षण प्रकट होते ही हमें सबसे पहले अपने विश्वासपात्र साथी, चाहे वह पत्नी, मित्र, निकटतम रिश्तेदार कोई हो, को अपनी व्यथा प्रकट करनी चाहिए। सिर्फ कहने मात्र के प्रोसेस में आप आधे हल्के हो जायेंगे। पारिवारिक परिवेदनाओं के निराकरण में ऐसे अनेक जोड़े पाये गये, जिन्होंने मात्र अपनी व्यथा किसी अन्य से कही, उनके सुझाव लिये एवं कुछ समय में ही वे पुनः एक हो गये।

प्रशंसा है रामबाण दवा

डिप्रेशन से पीड़ित व्यक्ति के लिए प्रशंसा रामबाण है। हम उसे हौंसला दें, उसके जीवट से उसे परिचित करवायें कि "हिम्मते मर्दा मददे खुदा।" उसे उसकी शक्तियों का अहसास दें, उसके गुण निखारें। अगर हम डिप्रेशनग्रस्त व्यक्ति के गुणों, बल को उजागर करें तो चमत्कार संभव है। रामचरित मानस में समुद्र लांघकर लंका जाने के आख्यान में सभी विषादग्रस्त हो जाते हैं एवं करीब-करीब मान लेते हैं कि अब समुद्र पार जाना असंभव है। तब जाम्बवंत पवनपुत्र हनुमान के शौर्य, बल, पराक्रम की प्रशंसा कर उनका पौरुष बल जगाते हैं। डिप्रेशनग्रस्त व्यक्ति को मनोविद् के पास जाने में भी किंचित गुरेज़ नहीं करना चाहिये। काउंसलिंग, सम्मोहन, समझाईश से ऐस व्यक्ति में नवचेतना का स्फुरण होता है।

आपणी बोली - *स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर*

कलयुगी हवा री महिमा

खम्मा घणी सा हुक्म आपने बताऊँ कि आदमी कौन-सो अछो हुवे वो जिको घाट घाट रो पाणी पियोड़ो हुवे। लेखक कौन-सो अछो हुवे जो लिखण का हर क्षेत्र में माहिर हुवे। अधिकारी कौन-सो योग्य हुवे, जो हर दल- बदल सरकार री कुर्सी रे माथे बैठ चुकियों हुवे। और नेता कौन-सो अछो हुवे जो हर दल में रमियोड़ो हुवे। सही कहूँ तो हुक्म आज रे युग में सफलता रो कोई पैमानों नहीं रियो। कसम सुं कई बार ख्याल आयो जमाने री रंगत में आपा भी गिरगिट री तरह रंग बदल ने आपरो हुनर बतावा। कोई जुगाड़ लगा ने किन्ही पुरस्कार समिति में घूस ने सम्मान ले लेवा ..पर हाय! सब कुछ जाणता हुवा भी कुछ आदता अपना नहीं सका और जमाने में आपरो 'हुनर' दिखा नहीं सका। हुक्म अगर आपा अफसरों री जमात पर नजर डाला तो हुक्म उन्ही री पूछ है जो कुर्सी कुर्सी घिस चुकिया है यानी जिने कने कई विभागों रो अनुभव है।

हुक्म इंसान ने महान अनुभव ही बणावें ज्यों जगह जगह रेहने तरह तरह रो खान पान खाणो सीख जावे। हुक्म जिको अफसर 'घूस' नहीं खावे वो सुस्त कहलावे। ऊनो रजिस्टर भी रफ्तार नहीं पकडे क्योंकि नेताओं रा अफसर रा भी नियम कायदा हुवे और वे नियम पालण करण वाला ही ऑफिसर और नेता मार्केट में चले। बाकि तो भलो करण वाला निलम्बित ही हूँ जावे तो घूस लेवणी भी तो महानता री निशानी है।

अब हुक्म साहित्य, नेता, अफसर याने सब ने छोड़ो घर में पिता भी उन्हें ही पसन्द करे जो 'चलतो पुर्जो' हुवे। ईमानदार और गरीब बेटा सुं तो पिता भी दूर ही रहे। क्योंकि पिता जाणे जमाने रो रंग.... और सही भी है हुक्म कलयुग रे इन समय ने देखता पिता ने भी कलयुगी हुवणो ही पड़ी।

अब तो या हाल हूँ गया है लोग भाग्या जा रिया है वाणे यो भी ध्यान नहीं वाणि मंजिल कौनसी है बस जठीनै पावँ पड़िया उधर निकल पड़िया।

ज़माने रो यो रंग देख हुक्म एक कहावत याद आगी कि' जठे जठे पांव पड़िया सन्ता रा, हूँ गयो बंटाधार। सरकार रा हाल बुरा समर्थको री चमचागिरी करनी क्योंकि अगलों चुनाव जीतणो। झूठ आज सच माथे भारी पड़ रियो है कबीर बहुत पेला ही कह गया था..

सुखिया सब संसार है खावे और सोवे
दुखिया दास कबीर है जागे और रोवे।।

सही है हुक्म

जीणो है इण संसार में तो देखो पर कुछ न बोलो

जीण पद या कार्यालय में जावो बस वठे की भाषा बोलो... सही है न .....!

तो हुक्म म्हारी या बात पर गौर जरूर करिजो।

और सब कुछ बदल गया

प्रसिद्ध कैंसर स्पेशलिस्ट डॉ. मार्क एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए हवाई यात्रा द्वारा किसी दूसरे शहर जा रहे थे, वहां उन्हें नयी मेडिकल रिसर्च के लिए पुरस्कृत किया जाना था। वे बहुत उत्साहित थे और वहां शीघ्र पहुंच जाना चाहते थे। उड़ान लेने के कुछ समय पश्चात उनके विमान में तकनीकी खराबी आ गई, जिसकी वजह से एक छोटी हवाई पट्टी पर आपात लैंडिंग करनी पड़ी। डॉ. मार्क ने स्थानीय लोगों से संपर्क कर, सम्मेलन वाले शहर जाने के लिए एक टैक्सी की व्यवस्था की। टैक्सी से यात्रा शुरू करने के कुछ समय पश्चात भयंकर आंधी-तूफान आया, जिसकी वजह से मार्ग अवरुद्ध हो गया। टैक्सी से उतरकर अनजान जगह और सुनसान मार्ग पर डॉ. मार्क अकेले ही निकल पड़े। भूख और थकावट के मारे वे बेहाल हो रहे थे। कुछ समय चलने के पश्चात उन्हें एक झोंपड़ी दिखाई दी। वहां पहुंचकर उन्होंने दरवाजा खटखटाया। एक स्त्री ने दरवाजा खोला। डॉ. मार्क ने बताया कि वे भटक गये हैं और एक फोन करने की इजाजत मांगी। उस भली स्त्री ने बताया कि उसके यहां फोन नहीं है। उसने डॉ. मार्क से कहा कि वे अंदर आएं और चाय पीयें। मौसम सुधरने पर आगे की यात्रा करें।

भूखे और थके हुए डॉ. मार्क ने उस स्त्री की बात मान ली। उस स्त्री ने उन्हें चाय और नाश्ता दिया, कहा कि खाने के पहले ईश्वर की प्रार्थना करें और उसका धन्यवाद करें। डॉ. मार्क मुस्कुराये, बोले मैं इन बातों पर विश्वास नहीं करता, मेहनत पर विश्वास करता हूँ, आप अपनी प्रार्थना कर लें।

वह स्त्री अपने छोटे बच्चे के साथ प्रार्थना करने लगी। डॉ. मार्क उसे देखते रहे। उस स्त्री के चेहरे पर आए करुणाजनक और वेदनामय भाव उनसे छिपे नहीं रह सके। प्रार्थना समाप्ति के बाद डॉ. मार्क ने उस स्त्री से पूछा, आप के चेहरे पर वेदनायुक्त भावों को देख मुझे लगता है कि आपकी कोई समस्या है जिसकी आप भगवान से मदद की प्रार्थना कर रही हैं। सुनकर उस स्त्री के चेहरे पर उदासी से भरी मुस्कुराहट आयी, बोली' यह मेरा बेटा है जो गंभीर रोग से जूझ रहा है। इसके रोग का इलाज एक डॉ. मार्क के पास ही बताते हैं, जो किसी दूर शहर में रहते हैं। मेरे पास इतने पैसे नहीं कि मैं उनके शहर जा सकूं। यह सच है कि भगवान ने अभी तक मेरी प्रार्थना का उत्तर नहीं दिया है, लेकिन मुझे विश्वास है कि एक न एक दिन वे जरूर कोई रास्ता बनायेंगे ताकि मेरा विश्वास नहीं टूटे और मैं डॉ. मार्क से अपने बेटे का इलाज करा सकूं और वह स्वस्थ हो सकें।

डॉ. मार्क सुनकर सन्न रह गये, आँखों में आंसू लिए धीरे से बोले, भगवान बहुत महान है। डॉ. मार्क को सारा घटनाक्रम याद आने लगा। विमान का अनजान शहर में आपातकालीन लैंडिंग करना, टैक्सी का मिलना और राह में आंधी-तूफान की वजह से भटककर उस झोंपड़ी तक आना। उनकी समझ में आ गया कि यह सब सिर्फ इसलिए नहीं हुआ कि भगवान को उस औरत की प्रार्थना का उत्तर देना था, बल्कि भगवान उनको भी यह शिक्षा देना चाहते थे कि भौतिक जीवन में धन कमाने और प्रतिष्ठा कमाने से ऊपर उठकर असहाय और गरीबों की सहायता करना ज्यादा जरूरी है। हर इंसान को गलतफहमी होती है कि वह जो कुछ करता है उस पर उसका अपना नियंत्रण होता है। यह गलत है, जो होता है, वह ऊपरवाले की मर्जी से होता है, वही सब कार्यों का नियन्ता है और वह चाहता है, तब एक पल में सब कुछ बदल देता है, मगर जो भी बदलता है वह सबके लिए अच्छा और भला ही होता है। चिकित्सा और सेवा कार्यों में धन और सम्मान कमाने की इच्छा रखने वालों के लिए यह एक संदेश है।

संकलन- जयकिशन झंवर

राशिफल

श्री ॐ गं गणपतये नमः

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष :- यह माह आपके लिये धन वृद्धि, सफलता एवं हर्ष उल्लास से भरा रहेगा। न्यायालयीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी। नौकरी में प्रमोशन मिलेगा, लंबी यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। पिता से सहायता मिलेगी, मांगलिक कार्यों में व्यय होगा। संतान सुख मिलेगा राजकीय कार्यों से लाभ होगा। विद्यार्थी पढ़ाई की ओर ज्यादा ध्यान देवें। वाहन सावधानी से चलाऐं। शुभ समाचार प्राप्त होगा। भाग-दौड़ एवं व्यस्ता रहेगी, खर्च अधिक होने से चिंता परेशानी बनी रहेगी, पर धन की व्यवस्था पूरी होगी।

वृषभ :- इस माह में आपके रुके कार्य पूरे होंगे। व्यापार में लाभ से मनोबल बढ़ेगा। क्रोध एवं वाणी पर नियंत्रण रखे। यात्रा के सुअवसर मिलेंगे, मकान वाहन क्रय-विक्रय करेंगे। शुभ समाचार मिलेगा, व्यय अधिक होगा। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। शत्रु से परेशानी बनी रहेगी, न्यायालयीन प्रकरण में सफलता व परिवारजनों से भेंट होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतांतर बने रहेंगे। विपरीत योनी की ओर अधिक रुझान बना रहेगा।

मिथुन :- यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायी रहेगा। संतान की ओर से चिंता बनी रहेगी। मन में अस्थिरता, कार्य में धोखा, मानसिक तनाव बना रहेगा, फिर भी मांगलिक कार्यों में भाग लेंगे। भूमि, भवन, वाहन खरीदेंगे। विरोधी परास्त होंगे, शुभ समाचार मिलेगा। परिवार के साथ घूमने-फिरने का प्रोग्राम बनेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा, यात्रा होगी। व्यापार में लाभ होगा। उधार पैसा न देवे। जीवन साथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी।

कर्क :- यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा। संतान सुख मिलेगा। नये लोगों के संपर्क का लाभ मिलेगा, राजकीय कार्यो से लाभ, जीवन साथी को नौकरी मिलेगी। रचनात्मक कार्य में रुचि रखेंगे। मनोरंजन के कार्यों पर व्यय करेंगे। शेयर्स, लॉटरी से दूर रहे, आलस्य से बचे। क्रोध से बनते कार्य बिगाड़ लेगें। व्यापार में उन्नति एवं लाभ प्राप्त होगा। अचानक यात्रा होगी, वाहनों से सावधानी बरतें।

सिंह :- यह माह आपके लिये अनुकूल रहेगा। पारिवारिक सुख मिलेगा, धार्मिक कार्यों में भाग लेंगे। भाग्योदय, सफलता एवं लक्ष्य की प्राप्ति होगी। सरकारी कार्य पूर्ण होंगे। धन में वृद्धि होगी, माता का स्नेह मिलेगा। प्रेम संबंध बनेंगे, संतान की सफलता व शुभ समाचार से मन प्रसन्नचित बना रहेगा। विद्यार्थी को पढ़ाई में परेशानी आएगी। कोर्ट, कचहरी में सफलता व व्यय अधिक होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवारजनों से वैचारिक मतांतर बना रहेगा। विरोधियों से दूर रहें, मांगलिक कार्य होंगे।

कन्या :- यह माह आपके लिये मिला-जुला रहेगा। घर से दूर जाना पड़ेगा। जीवन साथी से वैचारिक-मतांतर रहेंगे। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। नये लोगों से परिचय होगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे, नये अवसर मिलेंगे। विद्यार्थी पढ़ाई-लिखाई में मन नहीं लगाएंगे। आंखों से परेशानी उठाना पड़ेगी। मनोरंजन पर व्यय होगा। अपनो के सहयोग से सारे कार्य पूरे होंगे। बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। धार्मिक, मांगलिक, शुभ कार्यों पर व्यय होगा।

तुला :- यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा। धार्मिक कार्यों में भाग लेंगे। सामाजिक उत्सव होंगे। भाग्योदय होगा, शुभ समाचार प्राप्त होंगे। मित्र सहयोग देंगे। शत्रु से परेशानी उठानी पड़ेगी। जीवन साथी का सहयोग मिलेगा। संतान की सफलता एवं उन्नति से मन प्रसन्न होगा। साझेदारी से दूर रहें, यात्रा से लाभ प्राप्त होगा। समय आनंद से व्यतीत होगा। स्थायी सम्पत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी। विवाह संबंध होगा, शिक्षा में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक :- यह माह आपके लिये उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। राजकीय कार्यों में सफलता व मान-सम्मान बढ़ेगा। सुख, समृद्धि से मन प्रसन्न होगा। भौतिक सुख प्राप्त होगा। व्यस्तता, मनोरंजन पर खर्च करेंगे। परिवार के साथ समय व्यतीत होगा। संतान की सफलता से खुशी मिलेगी। व्यापार से लाभ मिलेगा, यात्रा होगी। पिता से वैचारिक मतांतर रहेंगे। माता के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे, अपनो से सावधानी बरतें। आर्थिक व्यवहार में सावधानी बरतें।

धनु :- यह माह आपके लिए आनन्दमय व्यतीत होगा। धार्मिक कार्यों में रुचि रहेगी। राजकीय कार्य से लाभ होगा। यश, सम्मान की प्राप्ति, उच्चाधिकारियों से अच्छे सम्बन्ध रहेंगे। अपनों से भेंट, जीवन-साथी के द्वारा लाभ की सम्भावना बढ़ेगी। व्यापार में लाभ, रुके कार्य पूर्ण होंगे, सामाजिक उत्सव में भाग लेंगे, विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए सोचेंगे। परिवारजनों के साथ समय व्यतीत होगा। व्यय अधिक होगा। यात्रा के सुअवसर मिलेंगे। रुका हुआ पैसा मिलेगा। मन प्रसन्न रहेगा।

मकर :- यह माह आपके लिए सफलतादायक रहेगा। विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। शुभ समाचार, हर्षोल्लास और साझेदारी से लाभ मिलेगा। स्थान परिवर्तन होगा, मित्रों से सहयोग मिलेगा। अतिथि आने से मन प्रसन्न होगा। प्रेम प्रसंग बढ़ेगा, नये कार्यों की रूपरेखा बनेगी व सफलता मिलेगी। संतान की ओर से चिंता बनी रहेगी। मानसिक तनाव भी बना रहेगा। व्यापार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। फिर भी समय पर सभी कार्य पूर्ण होंगे।

कुंभ :- यह माह आपके लिये सफलतादायक रहेगा। जीवन साथी से सुख प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग को परीक्षा में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि, मित्रों एवं भाइयों से लाभ के अवसर मिलेंगे। संतान सुख मिलेगा, वाहन, मकान खरीदेंगें। अधिक कार्य के कारण व्यस्तता बनी रहेगी। अधिकारी वर्ग से काम निकालने में समर्थ रहेंगे। यात्रा होगी, जीवन साथी से सहयोग मिलेगा, वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन :- यह माह आपको खुशी प्रदान करने वाला रहेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। यश, सम्मान प्राप्त होगा। मित्रों से सहयोग व धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। यात्रा के योग, मेहमानों का आगमन बना रहेगा। रुका पैसा मिलेगा, पिता से लाभ मिलेगा। विवाह में आने वाली बाधा दूर होगी, स्वास्थ्य नरम-गरम बना रहेगा। शुभ समाचार मिलेगा। आलस्य के कारण बनते कार्य नहीं कर पाएंगे। मौज-मस्ती एवं मनोरंजन पर खर्च करेंगे।

श्रीमती गोपीबाई मालाणी

हैदराबाद। दिलसुखनगर निवासी समाज सदस्य मदनगोपाल-राधेश्याम मालाणी की माता श्रीमती गोपीबाई मालाणी का 85 वर्ष की अवस्था में स्वर्गवास गत 22 दिसम्बर को हो गया। आप अपने पीछे 3 पुत्र,1 पुत्री तथा पौत्र, प्रपौत्र आदि का भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती मानकुंवर देवी समदानी

रतलाम। वरिष्ठ समाज सेवी कैलाशचन्द्र व इन्दौर निवासी शिक्षाविद् गिरीश कुमार समदानी की 82 वर्षीय माता तथा स्वर्गीय बंशीलाल समदानी की धर्मपत्नी श्रीमती मानकुंवर देवी समदानी का गत 3 फरवरी को इन्दौर में देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पुत्र, पुत्री, पौत्र, पौत्रियों आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्री लक्ष्मीनारायण सोमानी

चित्तौड़गढ़। घटियावली निवासी प्रहलाद राय, दिनेश कुमार व विनोद कुमार सोमानी के पिता एवं सत्यनारायण सोमानी के बड़े भ्राता श्री लक्ष्मीनारायण सोमानी का स्वर्गवास 74 वर्षीय अवस्था में गत दिनों हो गया। आप अपने पीछे पौत्र-पौत्री आदि का शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

श्रीमती शारदा देवी माहेश्वरी

अहमदाबाद। गुजरात माहेश्वरी प्रांतीय महासभा के सदस्य, पीर पराई फाउंडेशन अहमदाबाद के महामंत्री, गुजरात ग्रुप हार्मोनी के कन्वीनर तथा लायंस इंटरनेशनल 323-बी के क्वेस्ट को ऑर्डीनेटर विष्णुकुमार लक्ष्मीचंद माहेश्वरी की माताज श्रीमती शारदा देवी माहेश्वरी का स्वर्गवास गत 5 फरवरी को 98 वर्ष की अवस्था हो गया। आप अपने पीछे पौत्र-प्रपौत्र आदि का भरापूराप परिवार छोड़ गये हैं।

नहीं रहे "माहेश्वरी सेवक" के प्रधान सम्पादक श्री पुरुषोत्तम बिहानी

बीकानेर। सामाजिक पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रतिष्ठित कलमकार सामाजिक पत्रिका "माहेश्वरी सेवक" के प्रधान सम्पादक श्री पुरुषोत्तम बिहानी का गत 1 फरवरी को मुंबई में चिकित्सा के दौरान देहावसान हो गया। श्री बिहानी को गत 31 जनवरी को बुरहानपुर में एक कार्यक्रम के दौरान ब्रेन अटैक आया था, जिसके बाद उन्हें जलगाँव व फिर मुंबई ले जाया गया।

स्व. श्री बिहानी को गत 31 जनवरी को माहेश्वरी समाज बुरहानपुर के "समस्या है तो समाधान भी है" विषय पर आयोजित कार्यक्रम में अपना वक्तव्य देते समय ब्रेन हेमरेज हुआ और वे कोमा में चले गये। उन्हे तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई गई और उच्च स्तरीय चिकित्सा के लिये जलगाँव तथा इसके पश्चात मुंबई भी ले जाया गया लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। 1 फरवरी शाम लगभग 5.30 बजे मुंबई के अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। स्व. श्री बिहानी की पार्थिव देह को उनके गृहनगर बीकानेर लाया गया, जहाँ 3 फरवरी प्रातः 11 बजे उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके अंतिम संस्कार में स्थानीय माहेश्वरी समाज के साथ ही कई गणमान्यजन भी मौजूद थे।

सच्चा मार्गदर्शक खोया

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि श्री बिहानी एक ऐसे कलमकार थे, जिन्होंने अपनी लेखनी से समाज को सदैव मार्गदर्शित किया। उनके निधन ने समाज से एक सच्चा मार्गदर्शक छीन लिया है। महासभा के पूर्व महामंत्री श्याम सोनी ने श्री बिहानी के देहावसान को समाज की अपूरणीय क्षति निरूपित की। श्री माहेश्वरी टाईम्स के प्रधान सम्पादक पुष्कर बाहेती ने कहा कि हमने सामाजिक पत्रकारिता के क्षेत्र में जनजागरण में कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाला साथी खो दिया है। श्री बिहानी की क्षतिपूर्ति संभव नहीं है। उनके निधन पर महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी, पदम्श्री बंसीलाल राठी, महासभा के उपाध्यक्ष रतनलाल नौलखा, महासभा कार्य समिति सदस्य देवकरण गग्गड़, अ.भा. माहे. सेवादन के कोषाध्यक्ष कमल चांडक, उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष सोहनलाल गट्टानी, बीकानेर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष रामेश्वर भूतड़ा, नारायणदास दम्माणी, प्रदेश महिला मण्डल की मंत्री रेखा लोहिया, पवन राठी व मित्र मंडल आदि ने भी शोक व्यक्त करते हुए उनके परिवार को सांत्वना प्रदान की।

श्रीमती कृष्णा राठी

कोलकाता। स्थानीय रिसड़ा महिला मंडल की कार्यकारिणी सदस्या व समाज सदस्य लक्ष्मी-नारायण राठी की धर्मपत्नी कृष्णा राठी का गत 17 जनवरी को देहावसान हो गया। उनके देहावसान पर समाजजनों व संगठन ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रीमती शांतादेवी बियाणी

बदनावर। समाज के वरिष्ठ सदस्य किशनलाल बियाणी की धर्मपत्नी श्रीमती शांतिदेवी बियाणी का 78 वर्ष की अवस्था में गत दिनों देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पुत्र, पुत्री, पौत्र, पौत्री, नाती-नातीन आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्री रमनलाल बियानी

जैसलमेर। समाज सदस्य रमनलाल तुलसीदास बियानी का 57 वर्ष की आयु में असामयिक देहावसान हो गया। आप भाजपा के स्थानीय उपाध्यक्ष भी रहे हैं। आप अपने पीछे भाई, पुत्र-पौत्र आदि का भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

श्री भंवरलाल सोनी

गुलाबपुरा। समाज सदस्य रामस्वरूप, रामगोपाल व हरगोविंद सोनी के बड़े भ्राता एवं राजकुमार सोनी के पिता श्री भंवरलाल सोनी का स्वर्गवास गत दिनों हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

'श्री माहेश्वरी टाईम्स'

का आगामी (अप्रैल-2016) अंक होगा
उन माहेश्वरी नारी शक्ति को समर्पित

महिला विशेषांक

जिन्होंने अपने हौंसले से छुआ आसमाँ.
इसमें समाहित होगी ऐसी ही
महिलाओं की जीवन-यात्रा की प्रेरक कहानी.

अनुरोध- यदि आपकी जानकारी में समाज की ऐसी महिला हो, जिन्होंने व्यापार, उद्योग, समाजसेवा, शिक्षा, कला, प्रशासनिक सेवा अथवा किसी भी क्षेत्र में विशिष्ठ उपलब्धि प्राप्त की हो, जो कर सकती है समाज की अन्य महिलाओं को प्रेरित। तो लिख भेजिए हमें। प्रकाशन का अन्तिम निर्णय सम्पादक मण्डल का होगा।

'श्री माहेश्वरी टाईम्स'
90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)-456010
फोन : 0734-2526561, 2526761, 094250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

अब फिर आयेंगे रिश्ते आपके द्वार...

विवाह योग्य युवक-युवतियों की विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री

श्री माहेश्वरी मेलापक

फिर लिखेगी सफलता का नया इतिहास

यदि आपने
बुक नहीं करवाई है
अपनी प्रति
तो आज ही बुक कराएँ
कहीं मौका न चूक जाए.

पृथक् से प्रति बुक करवाने के लिए
शुल्क 500/- (डाक खर्च अतिरिक्त)
अब रिश्ते आयेंगे आपके द्वार

90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष : 0734-2526561, 2526761, मोबाइल : 094250-91161
E-mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

स्वर्ण श्रीयंत्र

सृष्टि का ब्लूप्रिंट

श्रीयंत्र जिस स्थान पर स्थापित किया जाता है, वहाँ सौभाग्य, समृद्धि और शान्ति आकर्षित होते हैं। मॉस्को विश्वविद्यालय में हुए शोध से इस बात की पुष्टि होती है कि श्रीयंत्र के साथ ध्यान करने से मस्तिष्क की तरंगें अल्फा स्तर पर पहुँच जाती हैं - अल्फा स्तर अन्तर्ज्ञान, रचनात्मक, विश्राम व गहरे ध्यान से जुड़े मन की एक अवस्था है। पौराणिक शास्त्रों में श्रीयंत्र को यंत्रराज अथवा यंत्र शिरोमणी भी कहा गया है।

स्वर्ण श्रीयंत्र आध्यात्मिक प्रगति और समृद्धि का प्रतीक है।

स्वर्ण श्रीयंत्र पौराणिक शास्त्रों के अनुसार –

- सटीक संरचना • उपयुक्त वज़न,
- पाँच सकारात्मक धातुओं(24 कैरेट सोने की परत, चाँदी, ताँबा, जस्ता एवं निकल)
- सही रंग और • अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता के साथ बनाया गया है।

यह **स्वर्ण श्रीयंत्र** को पूर्ण प्रमाणिक एवं आदर्श श्रीयंत्र बनाते हैं।

पौराणिक शास्त्रों **तंत्रराज तंत्रम्, सौभाग्यलक्ष्म्युपनिषद् , लक्ष्मसागर** तथा **दक्षिणामूर्तिसंहिता** में कहा गया है कि लक्ष्मी, यश, आरोग्य तथा सुख प्राप्ति के लिए **श्रीयंत्र** सर्वोत्तम साधन हैं।

वे परम भाग्यशाली हैं जिनके जीवन में श्रीयंत्र का साथ है। या यूँ कहें कि जिनका भाग्योदय होना होता है उन्हे सहज ही श्रीयंत्र का साथ मिलता है।

श्रीयंत्र ब्रम्हाण्ड से ब्रम्हाण्डीय ऊर्जा को आकर्षित करता है। अमेरिकी शोध में यह सिद्ध हुआ है कि श्रीयंत्र, पिरामिड से 70 गुना अधिक ऊर्जा आकर्षित करता है। आभा फोटोग्राफी एवं ऊर्जा चक्र स्केन से यह स्पष्ट है कि श्रीयंत्र की उपस्थिति मात्र से मनुष्य के आभामंडल और सातों ऊर्जा चक्रों में सुधार होता है, जिससे सुख, समृद्धि और आयु में वृद्धि होती है। श्रीयंत्र वास्तु दोषों को भी दूर करता है।

तीन आकारों में उपलब्ध –

S-81mm

L-108mm

EL-243mm

पंजीकृत डिज़ाइन

सम्पर्क : **ऋषि-मुनि वैदिक सॉल्युशन**

90, विद्या नगर, सॉंवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.), दूरभाष : 0734-2526561, 2526761, मो. 94250 91161

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2016
Despatch Date - 02 March, 2016

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah),
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. 0734-2526561, 2526761, Mo. : 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com

SHRI MAHESHWARI TIMES MASIK UJJAIN

- ▶ Payment Detail
- ▼ Transaction
- Circular/Notice
- NP Details
- View RO Details
- ▼ User & Roles
- ▼ Utilities
- Change Password

Welcome : [5975] SHRI MAHESHWARI TIMES MASIK UJJAIN Home Logout

View Issued RO Details

From Date : 1/1/2015 (dd/mm/yyyy) To Date : 1/3/2016 (dd/mm/yyyy)

Show Details

Advt. No.	Issue Date	Publication Date	Size (sq.cm.)/ Amount	Dept. Name	Office Name		
D76668	21/01/2015		Rs. 15000 /-	PRN	DPR BHOPAL (COLOR)	View RO	View Advt.
D76790	13/03/2015		Rs. 25000 /-	PRN	DPR BHOPAL (COLOR)	View RO	View Advt.
D77108	11/05/2015		Rs. 15000 /-	PRN	DPR BHOPAL (COLOR)	View RO	View Advt.
D77267	13/07/2015		Rs. 15000 /-	PRN	DPR BHOPAL (COLOR)	View RO	View Advt.
D77468	11/09/2015		Rs. 15000 /-	PRN	DPR BHOPAL (COLOR)	View RO	View Advt.
D77640	03/11/2015		Rs. 15000 /-	PRN	DPR BHOPAL (COLOR)	View RO	View Advt.
D77833	11/01/2016		Rs. 15000 /-	PRN	DPR BHOPAL (COLOR)	View RO	View Advt.
D77975	29/02/2016		Rs. 15000 /-	PRN	DPR BHOPAL (COLOR)	View RO	View Advt.

Copyright © 2011 Department of Public Relations,Madhya Pradesh, Bhopal. Site Designed & Developed By CRISP, Bhopal